THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 59 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.14 2082 सोमवार, 26 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

किडनी तस्करी कांड में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

मशहूर डॉक्टर के घर छापा, लाखों की नकदी-हीरे और सोना जब्त

बर्दवान, 25 मई (एजेंसियां)। बर्दवान शहर में उस वक्त सनसनी फैल गई जब सीबीआई की टीम ने किडनी तस्करी के गंभीर आरोपों के तहत शहर के एक नामचीन चिकित्सक डॉ. तपन कुमार जाना के आवास पर देर रात छापेमारी की। शनिवार रात 11 बजे शुरू हुई यह कार्रवाई रविवार सुबह तक जारी रही।

मीठापुकुर स्थित हातिशाल इलाके में डॉ. जाना के घर पर जब सीबीआई की 8 सदस्यीय टीम पहुंची, तो उनके साथ स्थानीय बर्दवान थाना पुलिस भी मौजूद थी। छापे के दौरान डॉक्टर घर पर मौजूद नहीं थे, लेकिन उनकी पत्नी घर में थीं। >14

'ऑपरेशन सिंदूर' बदलते भारत की तस्वीर

आतंकवाद को खत्म करना हमारा संकल्प

पीएम मोदी 'मन की बात' में बोले-

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो 'मन की बात' के जरिए लोगों से बात की। कार्यक्रम का आज 122वां एपिसोड प्रसारित हुआ। पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, भारतीय सेना के पराक्रम पर बात की। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक ने संकल्प लिया है कि आतंकवाद को खत्म करना ही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं है, यह बदलते भारत की तस्वीर है।

'सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया है, उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया' :

प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार! आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। आक्रोश से भरा हुआ है। संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का यही संकल्प है, हमें आतंकवाद को खत्म करना ही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया है, उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया हैं। जिस स्पष्टता के साथ, जिस सटीकता के साथ हमारी सेनाओं ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया, वो अद्भुत है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया-भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया है।

हमारे इंजीनियर, हमारे टेक्नीशियन हर किसी का पसीना इस विजय में शामिल :

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया, यह उनका अदम्य साहस था और उसमें शामिल थी, भारत में बने हथियारों, उपकरणों और तकनीक की ताकत। उसमें 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प भी था। हमारे इंजीनियर, हमारे टेक्नीशियन हर किसी का पसीना इस विजय में शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, ये हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर :

उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है, ये हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है और इस तस्वीर ने पूरे देश को देश-भक्ति के भावों से भर दिया है, तिरंगे में रंग दिया है। आपने देखा होगा, देश के कई शहरों में, गावों में, छोटे-छोटे कस्बों में, तिरंगा यात्राएं निकाली गई। हजारों लोग हाथों में तिरंगा लेकर देश की सेना, उसके प्रति वंदन-अभिनंदन करने निकल पड़े। कितने ही शहरों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक बनने के लिए बड़ी संख्या में युवा एकजुट हो गए और हमने देखा कि चडीगढ़ के वीडियो तो काफी वायरल हुए थे। >14

एनडीए की बैठक : सशस्त्र बलों और पीएम मोदी की प्रशंसा में प्रस्ताव पारित

जातिगत जनगणना के फैसले को भी सराहा गया

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की रविवार को हुई बैठक में अहम प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में जातिगत जनगणना पर चर्चा हुई। इस दौरान अगली जनगणना में जाति गणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना की गई।

सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की ओर से पेश प्रस्ताव में कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ाया है। इसमें पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि उन्होंने हमेशा सशस्त्र बलों का समर्थन किया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों को करारा जवाब दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में करीब 19 मुख्यमंत्री और इतने ही उपमुख्यमंत्री मौजूद थे।

कार्यक्रम का आयोजन करने वाली भाजपा ने कहा कि बैठक में जाति गणना, मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया। इस सम्मेलन में विचार-विमर्श का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विभिन्न एनडीए राज्य सरकारों की ओर से अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं पर केंद्रित रहा। कई मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों की प्रमुख योजनाओं पर प्रस्तुतियां दीं। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

राजभवन के पास प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प

इंफाल, 25 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में **बस से 'मणिपुर' शब्द हटाने को लेकर विवाद** रविवार को उस समय तनाव बढ़ गया जब प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई। यह झड़प उस वक्त हुई जब प्रदर्शनकारी राज्य परिवहन की एक बस से 'मणिपुर' शब्द हटाए जाने के विरोध में राजभवन की घेराबंदी करने जा रहे थे।

कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटेग्रिटी (सीओसीओएमआई) के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग ख्वैराम्बंद बाजार में एकत्र हुए और वहां से लगभग 500 मीटर की रैली निकाल कर राजभवन की ओर बढ़ने लगे। सुरक्षाबलों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि राज्यपाल अजय कुमार भल्ला इस "अपमानजनक कृत्य" के लिए माफी मांगें। राजभवन से लगभग 150 मीटर पहले कंगला गेट पर सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़े। एक अस्पताल अधिकारी ने बताया कि इस झड़प में घायल हुए पांच प्रदर्शनकारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, राज्यपाल लोगों की भावनाओं की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने और उनके प्रशासन ने मणिपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का अपमान किया है। जांच आयोग बनाना पर्याप्त नहीं है, जब तक दोषियों को दंडित नहीं किया जाता।

भारत बना चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

भाजपा बोली- मोदी ने संभव कर दिखाया

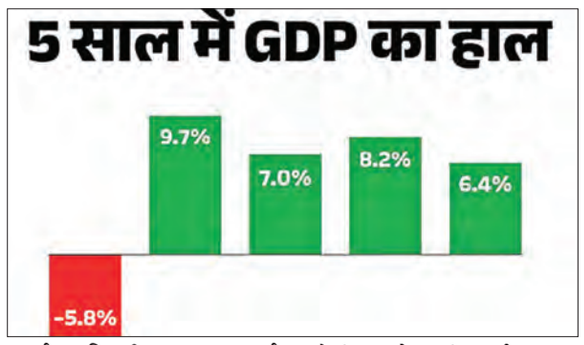

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक बयान जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह सब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की वजह से संभव हो पाया है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के तहत भारत की अर्थव्यवस्था पिछले 11 वर्षों में सभी पहलुओं पर मजबूत हुई है। वैश्विक अनिश्चितता के समय में भारत एक चमकता हुआ स्थान बनकर उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भाजपा नेता का कहना है कि बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में सबसे बड़े भागीदार देश की महिलाएं, युवा, गरीब वर्ग और छोटे इंटरप्रिन्योर हैं। इनके सहयोग के बिना देश की अर्थव्यवस्था को यहां तक ला पाना संभव नहीं था।

विकसित भारत 2047 की ओर से बढ़ता एक कदम :

प्रदीप भंडारी ने भारत की अर्थव्यवस्था लेकर कहा कि यह विकसित भारत 2047 के संकल्प की ओर बढ़ते हुए कदम हैं। उन्होंने कहा, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत की इकोनॉमी 4 ट्रिलियन डॉलर है। कुछ ही वर्षों में भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

कांग्रेस पर साधा निशाना :

भाजपा नेता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस जो पिछले 70 सालों में नहीं कर पाई वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने केवल 11 सालों में कर दिखाया। उन्होने अपने बयान में कहा कि भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि 11 साल पहले जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तब हमारी इकोनॉमी 'फ्रेजाइल 5' में थी। हम दुनिया की टॉप 10 अर्थव्यवस्था में भी नहीं थे। यह सब मोदी के नेतृत्व की वजह से संभव हो पाया है।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी यानी सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने जानकारी दी कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज हम 4,000 अरब डॉलर की इकोनॉमी हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी है।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को मिलेगी वैश्विक पहचान

दुनिया में ऐसे पहुंचेगा आयुष इलाज

फाइल फोटो

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को अब वैश्विक पहचान मिलने जा रही है। आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलेगी और वैज्ञानिक तरीके से दर्ज किया जाएगा।

क्या है यह समझौता

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। इस समझौते के जरिए अब डब्ल्यूएचओ के 'स्वास्थ्य हस्तक्षेपों का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीएचआई)' में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के लिए एक खास 'पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल' जोड़ा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (26 मई) को 'मन की बात' के 122वें एपिसोड में इस समझौते का जिक्र करते हुए कहा, मित्रों, आयुर्वेद के क्षेत्र में कुछ बहुत अच्छा हुआ है।

कल ही, यानी 24 मई को, डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर जनरल और मेरे मित्र तुलसी भाई की मौजूदगी में एक एमओयू (समझौता) साइन हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल आयुष पद्धतियों को वैज्ञानिक ढंग से दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने में मदद करेगी। >14

जस्टिस नागरत्ना का सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा बनना तय

कब बनेंगी देश की पहली महिला सीजेआई, किसकी हैं बेटी?

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में शामिल जस्टिस बीवी नागरत्ना का सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का सदस्य बनना तय है। जस्टिस अभय एस ओका के रिटायर होने के बाद लगभग यह साफ हो चुका है।

नागरत्ना अब 5वीं सबसे वरिष्ठ जज होने के नाते 25 मई को आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बन जाएंगी। और 29 अक्टूबर, 2027 को देश की चीफ जस्टिस के रूप में सेवानिवृत्त होने तक इसका हिस्सा रहेंगी। कॉलेजियम में अब सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना शामिल होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों के अनुसार, सीजेआई गवई सोमवार को शीर्ष न्यायालय में रिक्तियों को संबोधित करने और कई उच्च न्यायालयों में महत्वपूर्ण नियुक्तियां करने के लिए अपनी पहली कॉलेजियम बैठक बुला सकते हैं। जस्टिस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद शीर्ष अदालत में तीन न्यायाधीशों का पद रिक्त हो जाएगा। कॉलेजियम प्रणाली के तहत, जो सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद 1993 में अस्तित्व में आई, सुप्रीम कोर्ट के पांच शीर्ष न्यायाधीश और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति की सिफारिश करते हैं।

इस व्यवस्था के तहत सरकार कॉलेजियम को सिफारिश लौटा सकती है। कॉलेजियम द्वारा दोबारा सिफारिश दोहराए जाने पर सरकार आमतौर पर सिफारिश स्वीकार कर लेती है।

उनकी बात कीजिए जो ईएमआई चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे

दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंची भारत की इकोनॉमी तो कांग्रेस ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुक है। एक तरफ केंद्र इसे अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बता रहा है तो वहीं कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने नीति आयोग की रिपोर्ट पर कहा कि प्रति व्यक्ति आय पर बात कीजिए, अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई की बात करें, मध्यम वर्ग जो ईएमआई देने के संघर्ष से जूझ रहा है उसकी बात करें।

कांग्रेस प्रवक्ता ने आगे कहा कि एमएसएमई सेक्टर की बात करें या 45 साल का जो बेरोजगारी का रिकॉर्ड टूटा है उसकी बात करें, तो फिर हमें समझ में आएगा कि आपके चमक-धमक वाले आंकड़ों का प्रभाव आम व्यक्ति पर भी पड़ रहा है। आम व्यक्ति के जीवन पर चर्चा तो कीजिए। यह कहना तो ठीक है कि हम इस देश से या उस देश से आगे बढ़ गए लेकिन देशवासियों से तो पूछिए कि वे कितना आगे बढ़े हैं।

कितने ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था :

बता दें कि भारत ने इतिहास रच दिया है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने एक बड़ी खबर सुनाते हुए कल बताया था कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। सुब्रमण्यम ने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अभी माहौल अच्छा है। देश की आर्थिक स्थिति मजबूत है। अभी हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर की है।

कौन से देश अभी हमसे आगे :

सुब्रमण्यम ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों का हवाला दिया। आईएमएफ के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। अगर हम योजना के अनुसार काम करते रहे, तो अगले 2.5-3 सालों में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी, डिप्टी एनएसए अगले सप्ताह जाएंगे अमेरिका

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) पवन कपूर जल्द वाशिंगटन जाएंगे। शीर्ष पदस्थ सूत्रों ने बताया कि उनका यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर तय किया गया है।

दोनों शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह अमेरिका रवाना हो सकते हैं। वे ऐसे समय में वहां जा रहे हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मौकों पर भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों जारी संघर्ष को रोकने में मध्यस्थता का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम के लिए उन्होंने दोनों पक्षों से लंबी बातचीत की थी।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज करते हुए भारत कह चुका है कि संघर्ष विराम के लिए खुद पाकिस्तान ने गुहार लगाई थी जो 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना की कार्रवाई से छटपटा रहा था। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत के सैन्य ऑपरेशन के दौरान 7 मई से 10 मई के बीच अमेरिका समेत कई देशों ने भारत से संपर्क कर तनाव न बढ़ने देने की अपील की थी। नीदरलैंड की मीडिया आउटलेट एनओएस के साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि हमले और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का नतीजा थी, जिसके लिए दुश्मन देश (पाकिस्तान) ने पहले पहल की थी।

लालू यादव का बड़ा फैसला

बड़े बेटे तेजप्रताप को पार्टी से निकाला : परिवार से भी किया बेदखल

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को लेकर बड़ा फैसला किया है। उन्होंने अपने बेटे को पार्टी से 6 साल के लिए निकाल दिया है। यही नहीं लालू ने ते प्रताप को परिवार से भी बेदखल कर दिया है। आरजेडी चीफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने इस बात की जानकारी दी, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि अब परिवार और पार्टी में तेजप्रताप की कोई भूमिका नहीं है।

आरजेडी चीफ ने अपनी पोस्ट में कहा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

इसके आगे लालू यादव ने कहा, अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है।

क्या है मामला :

दरअसल तेजप्रताप ने बीते दिन (शनिवार 25 मई) को ही अपने रिलेशनशिप का ऐलान किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया था कि वो एक के साथ पिछले 12 सालों से रिलेशनशिप में हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड की तस्वीर भी शेयर की थी। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा था, मैं बहुत दिनों से आप लोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं। इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं! आशा करता हू आपलोग मेरी बातों समझेंगे।

तेजप्रताप ने दी सफाई :

हालांकि मीडिया में खबर चलने के बाद तेज प्रताप ने अपनी पोस्ट पर सफाई देते हुए कहा कि मेरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को हैक एवं मेरे तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट कर मुझे और मेरे परिवार वालो को परेशान और बदनाम किया जा रहा है। >14

शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में

आतंकवाद से लड़ने के भारतीय संकल्प को दोहराया

न्यूयॉर्क, 25 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में प्रमुख थिंक टैंक, अकादमिक नेताओं और मीडिया के समक्ष अपनी बात रखी। इस बातचीत में प्रतिनिधिमंडल ने दृढ़ता के साथ भारत के आतंकवाद से लड़ने के संकल्प को रेखांकित किया। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर की।

वाणिज्य दूतावास के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शशि थरूर के नेतृत्व में राजनयिक आउटरीच यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क पहुंचे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारतीय प्रतिनिधियों ने आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता और एकीकृत राष्ट्रीय संकल्प का दृढ़ संदेश दिया और आतंकवाद का मुकाबला करने, इसके नेटवर्क को समाप्त करने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए मजबूत अंतर्राष्ट्रीय तंत्र की वकालत की। इसके साथ ही भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 9/11 के आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतिनिधिमंडल के बयान में कहा गया है कि, एकजुटता के प्रतीक रूप में 'राष्ट्रीय सितंबर 11 स्मारक और संग्रहालय' का दौरा किया गया और 9/11 हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

'जब तक हिंदू खुद मजबूत नहीं होगा

दुनिया में कोई भी उनके बारे में चिंता नहीं करेगा', पहलगाम हमले के बाद हिंदुओं की सुरक्षा पर क्या बोले मोहन भागवत?

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर कहा कि भारत के पास 'शक्तिशाली' होने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। आरएसएस से जुड़े प्रकाशन ऑर्गनाइजर के साथ एक विशेष साक्षात्कार में भागवत ने स्पष्ट किया कि - सुरक्षा की शुरुआत समाज से होती है, सिर्फ राज्य से नहीं। उन्होंने हिंदू समाज की एकता पर जोर देते हुए कहा कि भारत की एकता ही हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज और भारत एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं, और जब हिंदू समाज सशक्त होगा, तभी भारत भी गौरव प्राप्त करेगा। उन्होंने पड़ोसी देश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार और मानवाधिकार संगठनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, जब तक हिंदू समाज खुद मजबूत नहीं होगा, तब तक दुनिया में कोई उनके बारे में चिंता नहीं करेगा।

अपने अधिकारों के लिए हिंदू अब लड़ रहेः मोहन भागवत

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के खिलाफ जो आक्रोश देखा गया वो अद्भुत है। अब वहां के हिंदू खुद कर रहे हैं कि हम भागेंगे नहीं, अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, हिंदू समाज की आंतरिक शक्ति बढ़ रही है और संगठन का विस्तार इस शक्ति को और व्यापक रूप देगा। जब तक यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं होता। हमें लड़ाई जारी रखनी होगी।

सभी लोगों को जाति और पंथ की सोच से ऊपर उठने की जरूरतः आरएसएस प्रमुख

मोहन भागवत ने कहा कि सनातन धर्म के सच्चे सार को संरक्षित करने के लिए समाज के सभी लोगों को जाति और पंथ के विभाजन से ऊपर उठने की आवश्यकता है। डॉ। भागवत ने भारत को एक समृद्ध राष्ट्र बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, जो शांति और समानता को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि ये मूल्य देश के दिल में हैं। उन्होंने दुनिया में बुरी ताकतों से लड़ने के लिए आंतरिक संवाद, ताकत और एकता की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। हिंदू धर्म के बारे में विशेष रूप से पूछे जाने पर आरएसएस प्रमुख ने कहा, सम्पूर्ण हिंदू समाज को एकजुट करना और भारत को वैभव के शिखर पर ले जाना - और अंततः इस परिवर्तन को पूरे विश्व में फैलाना। डॉ। हेडगेवार ने 1920 में ही इसकी कल्पना कर ली थी। उन्होंने कांग्रेस से यह घोषणा करने का आग्रह किया कि पूर्ण स्वतंत्रता, या पूर्ण स्वराज्य, हमारा लक्ष्य होना चाहिए और एक स्वतंत्र भारत को अन्य देशों को पूंजीवादी बंधन से मुक्त करने में मदद करनी चाहिए।

ज्योति मल्होत्रा के फोन से बड़ा खुलासा

पाकिस्तानी यूट्यूबर के साथ मिलकर कर रही थी ये काम

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हिसार की युट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बारे में बड़ा खुलासा हुआ है। ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल फोन से पता चलता है कि वो पाकिस्तान के फेमस युट्यूबर जीशान हुसैन के साथ लगातार संपर्क में रहती थी। जीशान के साथ मिलकर ज्योति, पाकिस्तान की बेहतर इमेज बनाने का काम कर रही थी।

क्या कर रही थी ज्योति?

ज्योति मल्होत्रा जीशान के साथ कई और पाकिस्तानी यूट्यूबर्स के संपर्क में रहती थी। 2 महीने पहले ज्योति मल्होत्रा जब धार्मिक वीजा पर पाकिस्तान गई थी तो वहां उसने जीशान को मैसेज किया। जीशान ज्योति मल्होत्रा से मिलने कताशराज मंदिर आया था। दोनों ने अपने अपने यूट्यूब पेज पर पाकिस्तान की तारीफों के कसीदे पढ़े थे। दोनों ने ये दिखाने की कोशिश की कि पाकिस्तान में प्राचीन मंदिर और हिन्दुओं का कितना ध्यान रखा जाता है, जबकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान में हिन्दुओं और हिन्दू मंदिरों का क्या हाल किया जा रहा है। जीशान ने अपनी वीडियो में ज्योति मल्होत्रा के लिए कहा कि ज्योति हिंदुस्तान की ही नहीं, पाकिस्तान की भी एंबेसडर है, जो पाकिस्तान, लाहौर के बारे में भारत में अच्छी जानकारी दे रही है। जीशान लाहौर का फेमस युट्यूबर है। जीशान से अटारी बॉर्डर के बारे में, बॉर्डर डिप्लॉयमेंट के बारे में क्या ज्योति ने कोई जानकारी शेयर की थी, ये जांच की जा रही है। साथ ही जिन 2 पाकिस्तानी ऑपरेटिव्स के साथ ज्योति ने अली हसन के जरिए मुलाकात की थी क्या वहां जीशान भी आया था, ये भी पता लगाया जा रहा है। शक है कि ज्योति, जीशान के साथ मिलकर अहम जानकारियां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और उनके ऑपरेटिव्स को दे रही थी। गौरतलब है कि ज्योति मल्होत्रा एक फेमस ट्रैवल यूट्यूबर है और उस पर आरोप हैं कि उसने पाकिस्तान के लिए जासूसी की। बीते कुछ दिनों से उसके बारे में पूरे देश में चर्चा हो रही है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिका-ईयू को किया आगाह

कहा- ' पाकिस्तान अब आतंकिस्तान बन चुका है'

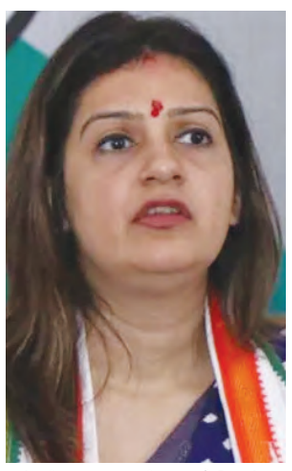

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी यूके, फ्रांस, जर्मनी, ईयू, इटली, बेल्जियम और डेनमार्क में पाकिस्तान का सच वहां के लोगों को बताएंगी। प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान को निशाने पर लेते हुए कहा कि हमारा संदेश बिल्कुल साफ कि पाकिस्तान आज आतंकिस्तान बन गया है।शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के अनुसार, पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है। सभी आतंकवादियों की जड़ पाकिस्तान में ही मिलती है।

आतंकवाद के खिलाफ बने ग्लोबल अलायंस- प्रियंका

प्रियंका चतुर्वेदी ने आगे कहा, दुनिया भर में हमारा यह साफ संदेश है कि एक आतंकवाद के खिलाफ ग्लोबल अलायंस बनाने की आवश्यकता है। पाकिस्तान को इससे अलग करने और उसकी जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हम आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का जो संकल्प लेंगे, उसी से पाकिस्तान कमजोर होगा और उनका 'आतंकिस्तान' खत्म होगा। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, पाकिस्तान न केवल हमारे देश में बल्कि दूसरे देशों में भी आतंकवादियों का निर्यात करता है। अमेरिका या यूरोप को यह नहीं भूलना चाहिए कि अलकायदा, जैश-ए-मोहम्मद और दूसरे आतंकी समूह पाकिस्तान से ही निकलते हैं।

'वैश्विक जवाबदेही हो आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस'

उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। वैश्विक जवाबदेही होनी चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता होनी चाहिए। जो लोग पाकिस्तान को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहे हैं, उन्हें देखना चाहिए कि पैसे का इस्तेमाल कहां हो रहा है। अब समय आ गया है कि पूरी दुनिया जागरूक हो और पाकिस्तान को उसकी असलियत बताए। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा है कि मैं खुद मुंबई से आती हूं, जहां 26/11 हुआ था। 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसमें इजरायल, अमेरिका और बाकी देशों के भी लोग थे। मिशन सिंदूर का हिस्सा बनकर पाकिस्तान के करतूत के बारे में पूरी दुनिया को आगाह करूंगी। ताकि सभी के सामने सच आ सके।

असम में 11.5 करोड़ की ड्रग्स जब्त, चार गिरफ्तार

गुवाहाटी, 25 मई (एजेंसियां)। असम में 11.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स के साथ चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य के दो जिलों से 11.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं और चार मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि असम पुलिस ने कार्बी आंगलोंग और कछार जिलों में दो अभियानों के जरिए नशीली दवाओं के कारोबार को बड़ा झटका दिया है। पुलिस ने खटखटी चेकपोस्ट पर एक वाहन को रोका और 5 करोड़ रुपये मूल्य की 4.899 किलोग्राम मॉर्फिन जब्त की। एक तस्कर को गिरफ्तार किया। वहीं सोनाबारीघाट में पुलिस एक और वाहन को रोका और 6.15 करोड़ रुपये मूल्य की 1.239 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

ठाणे में कोरोना से पहली मौत

21 साल के युवक ने तोड़ा दम

ठाणे, 25 मई (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मुंबई, पुणे और ठाणे जैसे शहरों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी बीच अब ठाणे जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां 21 साल के युवक की कोरोना से मृत्यु हो गई है। इस घटना के बाद सभी नागरिकों से सतर्क रहने और सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, ठाणे में यह युवक कोरोना से मरने वाला पहला मरीज है। ठाणे के कलवा छत्रपती शिवाजी महाराज अस्पताल में उसका पिछले कुछ दिनों से इलाज चल रहा था। लेकिन इलाज के दौरान आज सुबह उसने अस्पताल में अंतिम सांस ली। युवक मुंब्रा का निवासी था। उसका दुर्भाग्यपूर्ण निधन आज सुबह 6.00 बजे के करीब हुआ। उसे 22 मई को छत्रपती शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी कोरोना जांच की गई थी और उसकी रिपोर्ट कल पॉजिटिव आई थी। इसके बाद आज सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मुंबई में कोरोना की स्थिति क्या है?

मुंबई में फिलहाल कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। 23 मई को राज्य में 45 नए मरीज मिले, जिनमें से अकेले मुंबई में 35 नए मरीज पाए गए हैं। वर्तमान में मुंबई में कुल संक्रमितों की संख्या 185 तक पहुंच चुकी है, और आज भी इसमें कुछ बढ़ोतरी होने की संभावना है। मई महीने से ही मुंबई में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा लोगों से सतर्क रहने और जरूरी सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

अंतरिक्ष में एक और दुनिया के मिले 'सबूत'

वैज्ञानिकों के चौंकाने वाली खोज के क्या हैं मायने?

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दुनिया के वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में जीवन के 'सबूत' मिले हैं। जी हां, जिस बुध ग्रह को हम सूर्य के सबसे करीब और बेहद गर्म मानते थे, वहां वैज्ञानिकों को पानी की बर्फ मिली है! यह खोज चौंकाने वाली है, क्योंकि बुध का वातावरण इतना पतला है कि वहां पानी का होना लगभग नामुमकिन लगता था, लेकिन नासा के मैसेंजर मिशन ने 2012 में ही बुध के ध्रुवों पर बर्फ के संकेत पकड़े थे। अब वैज्ञानिकों ने इसकी पुष्टि कर दी है। वैज्ञानिकों ने एरेसिबो टेलिस्कोप और गोल्डस्टोन एंटीना जैसे खास उपकरणों का इस्तेमाल किया। उन्होंने बुध पर उतरे बिना ही रेडियो सिग्नल के जरिए वहां बर्फ होने का पता लगा लिया। ये सिग्नल बिल्कुल वैसे थे जैसे पानी की बर्फ से मिलते हैं। बुध के ध्रुवों पर कुछ ऐसे गहरे गड्ढे हैं, जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंच पाती। इन जगहों पर तापमान इतना कम रहता है कि बर्फ अरबों सालों तक जमी रह सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बर्फ या तो उल्कापिंडों और धूमकेतुओं के जरिए बुध पर आई होगी, या फिर बुध ने खुद अपने अंदर से जलवाष्प छोड़ी होगी जो इन ठंडे गड्ढों में जम गई। यह खोज सिर्फ बुध के लिए नहीं, बल्कि पूरे सौरमंडल के लिए बहुत अहम है। पहले माना जाता था कि पानी के लिए घना वातावरण या बहुत कम तापमान जरूरी है, लेकिन बुध पर बर्फ मिलने से यह साबित हो गया है कि ऐसा हमेशा नहीं होता। ग्रहों की खास भौगोलिक स्थिति और उनकी चाल भी इसमें अहम भूमिका निभाती है। मंगल के बाद बुध पर पानी का मिलना यह दिखाता है कि ब्रह्मांड में और भी कई जगहों पर पानी और शायद जीवन भी हो सकता है, जहां हमने पहले कभी सोचा भी नहीं था।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साहस और स्पष्टता का मैसेज दिया

अभिषेक बनर्जी ने बताया कैसा रहा जापान का दौरा

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी सहित भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जापान यात्रा समाप्त कर ली है। इस प्रतिनिधिमंडल का मिशन 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के आतंकवाद के खिलाफ अटल संकल्प को दुनिया के सामने रखना था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। दुनिया की 33 राजधानियों में भेजे गए सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक, इस दल ने टोक्यो में भारतीय दूतावास में चर्चा की। यह दौरा ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुआ। जिसमें 7 मई 2025 को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे। इन हमलों को नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आतंकी नेटवर्क को नष्ट करने के लिए अंजाम दिया गया था।

जापान-भारत आतंकवाद के खिलाफ एक साथ

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'जापान में हमारी चर्चा बहुत सार्थक रही। हमने पहलगाम हमले पर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया को एक साफ संदेश दिया। यह वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जापान में भारतीय समुदाय द्वारा हमले में मारे लोगों को दी गई श्रद्धांजलि की भी सराहना की।' बनर्जी ने कहा, 'सियोल में इस मिशन को आगे बढ़ाते हुए कि भारत का संकल्प अटल है। हम आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में साहस के साथ उनका सामना करेंगे। यह वैश्विक पहल भारत के आतंकवाद से निपटने में नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आतंकवाद के खिलाफ हम केंद्र के साथः ममता

वहीं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की वैश्विक पहल के तहत विभिन्न देशों का दौरा कर रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को देखकर मुझे खुशी हो रही है। जैसा कि मैंने हमेशा कहा है कि टीएमसी राष्ट्रीय हित और हमारी संप्रभुता की रक्षा में केंद्र द्वारा उठाए गए किसी भी कदम के साथ मजबूती से खड़ी है। मैं केंद्र सरकार से प्रतिनिधिमंडल की वापसी पर संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह करती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि इस देश के लोगों को हाल के संघर्ष के बारे में किसी और से पहले जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

पुलिस नाके पर पशु तस्करों ने जवानों को मारी टक्कर

एक अधिकारी की मौत और एक जवान घायल

सांबा, 25 मई (एजेंसियां)। सांबा जिला के हरमंदिर के निकट फूलपुर में पुलिस नाके पर पशु तस्करों ने जवानों को वाहन से टक्कर मार दी। जिससे एक अधिकारी की मौत हो गई है और एक जवान घायल है। इसी को लेकर राजपुरा कस्बे में लोग पशु तस्करों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। तस्करों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गोवंश तस्करी के प्रयास को रोकने के लिए फूलपुर में बैरिकेड्स लगाए थे। रिपोर्ट के अनुसार, जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया, तो तस्करों ने गाड़ी की गति बढ़ा दी और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को कुचलने के लिए बैरिकेड्स में टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुए एएसआई योगराज ने एम्स विजयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि एक अन्य घायल पुलिस अधिकारी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बाद तस्कर भागने में सफल रहे। इस बीच, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी जारी है।

पहलगाम हमला: भाजपा सांसद के बयान को लेकर बिफरी कांग्रेस

कहा- माफी मांगें पीएम मोदी, जांगड़ा को बर्खास्त करें

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के बयान का कांग्रेस ने विरोध किया। कांग्रेस ने सांसद को बर्खास्त करने और पीएम नरेंद्र मोदी से माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस ने कहा कि जांगड़ा के बयान पर प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व की चुप्पी को मौन स्वीकृति के तौर पर देखा जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा नेता पहलगाम पीड़ितों और सशस्त्र बलों को बदनाम करने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। खरगे ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के शर्मनाक बयान ने एक बार फिर आरएसएस-भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर कर दिया है। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हमारी बहादुर सेना का अपमान किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने हमारे बहादुर कर्नल पर अभद्र टिप्पणी की, लेकिन उन्हें आज तक बर्खास्त नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जब पहलगाम में शहीद हुए नौसेना अधिकारी की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था, तब भी मोदी जी चुप थे। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि आपकी रगों में सिंदूर है। अगर ऐसा है तो आपको महिलाओं के सम्मान के लिए अपने इन बदजुबान नेताओं को बर्खास्त कर देना चाहिए। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता लगातार भारतीय सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं। जो उनकी क्षुद्र और नीच मानसिकता को उजागर करता है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जांगड़ा का यह शर्मनाक बयान दर्शाता है कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा इतनी असंवेदनशील हो गई है कि पहलगाम में सुरक्षा चूक को दोष देने के बजाय भाजपा सांसद शहीदों और उनकी पत्नियों पर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा ने शाह और देवड़ा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेतृत्व की चुप्पी को इन बयानों की मौन स्वीकृति क्यों न माना जाए? हमारी स्पष्ट मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस शर्मनाक बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए और सांसद राम चंद्र जांगड़ा को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए।

क्या कहा था सांसद जांगड़ा ने

भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने शनिवार को कहा था कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के आतंकवादी हमले की चपेट में आए पर्यटकों को लड़ना चाहिए था और जिन महिलाओं ने अपने पतियों को खो दिया था, उन्हें वीरांगना की तरह काम करना चाहिए था। यदि पर्यटकों ने अग्निवीर प्रशिक्षण लिया होता, तो हताहतों की संख्या कम होती तथा महिलाओं में योद्धा महिलाओं की भावना का अभाव होता।

सड़क पार कर रहे एक ही परिवार के 7 लोगों को कार ने मारी टक्कर 4 की मौत, 3 घायल

मदुरै, 25 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै जिले में उसिलामपट्टी के पास कुंजमपट्टी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब एक तेज रफ्तार कार सड़क पार कर रहे एक ही परिवार के सात सदस्यों को टक्कर मार दी। मदुरै के पुलिस अधीक्षक अरविंद ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हादसा शाम को हुआ। परिवार के सदस्य सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अनियंत्रित कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, राजस्थान के जैसलमेर जिले में शुक्रवार रात एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक वन्यजीव प्रेमी, एक वन विभाग के कर्मचारी और दो अन्य जागरूक नागरिक शामिल हैं,

लाइबेरियाई जहाज हुआ दुर्घटनाग्रस्त

सभी 24 लोगों को निकाला गया बाहर

कोच्चि, 25 मई (एजेंसियां)। केरल में समुद्र तट के पास एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। यहां तट से लगभग 38 समुद्री मील दूर लाइबेरियाई मालवाहक जहाज अचानक से झुक गया। इससे जहाज पर लोड किए गए कई कंटेनर समुद्र में गिर गए। इस घटना के बाद पर्यावरणीय क्षति का खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों ने रविवार को इस घटना के बारे में जानकारी दी। हालांकि भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया और मौके पर पहुंच कर बचाव अभियान शुरू कर दिया। जहाज में सवार सभी 24 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें से 21 को भारतीय तटरक्षक बल जबकि 03 को आईएनएस सुजाता द्वारा बचाया गया। रविवार की सुबह एक रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''जहाज के चालक दल के तीन सदस्यों को 'आईएनएस सुजाता' की मदद से बचा लिया गया है।'' उन्होंने बताया कि कुछ और कंटेनर पानी में गिर गए हैं तथा जहाज और अधिक पानी में डूब चुका है। इस घटना से पर्यावरणीय क्षति का खतरा बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल द्वारा जहाज को खींचने के उपायों पर काम किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहाज की मालिकाना कंपनी का एक और जहाज सहायता के लिए इलाके में पहुंच चुका है। वहीं रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने यह भी बताया कि इस बात का आकलन किया जा रहा है कि क्या जहाज को खींचकर सुरक्षित स्थान तक ले जाया जा सकता है जिसके लिए पेशेवर मूल्यांकन जारी है। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि जहाज पर मौजूद चालक दल के 24 सदस्यों में से 21 को बचा लिया गया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी कंटेनर या तेल के रिसाव को न छुएं, जो समुद्र के किनारे आ सकता है। केएसडीएमए ने लोगों से यह भी कहा है कि यदि वे किनारे पर कंटेनर या तेल देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। बता दें कि एमएससी ईएलएसए-3 जहाज शुक्रवार को विझिगम बंदरगाह से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। दोपहर करीब एक बजकर 25 मिनट पर जहाज की मालिकाना कंपनी ने भारतीय अधिकारियों को सूचित किया था कि उसका जहाज 26 डिग्री तक झुक गया है। उन्होंने तत्काल सहायता की मांग की थी। इस जहाज पर 24 सदस्यीय चालक दल में एक रूसी (कप्तान), 20 फिलीपीनी, दो यूक्रेनी और एक जॉर्जियाई के नागरिक शामिल हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

सब चीज़ व्यर्थ हो सकती है पर आपका अनुभव कभी व्यर्थ नहीं हो सकता ।

अगर हम पर दोबारा आतंकी हमला हुआ तो हम सौ बार हमला करेंगे : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब देश के लोगों के आतंकी हमलों में जान गंवाने पर गुलाब के फूल और मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देने की नीति को खत्म कर दिया है और उन्हें (पाकिस्तानी आतंकियों को) दिखा दिया है कि अगर वे हमला करेंगे तो आतंकियों के खिलाफ ऐसे 100 जवाबी हमले होंगे। उन्होंने रविवार को सनत नगर विधानसभा क्षेत्र में लोगों, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 122वें एपिसोड को देखा। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने सभी से कार्यक्रम देखने का आग्रह किया और प्रधानमंत्री द्वारा अपने कार्यक्रम में बताए गए स्वच्छता, योग और मधुमेह जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को व्यवहार में लाने की अपील की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'मन की बात' लोगों को जागृत करेगी, उन्हें एकजुट करेगी और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करेगी। उन्होंने सभी से प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सुझावों और सलाह का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि पाकिस्तान पिछले 46 वर्षों से लुंबिनी पार्क, गोकुल चाट, साईं बाबा मंदिर, दिलसुख नगर विस्फोट, मुंबई ट्रेन हमले, संसद हमले और कई अन्य जैसे कई हमलों के साथ भारत के खिलाफ आतंकवाद फैला रहा है। उन्होंने कहा कि इन हमलों के दौरान, लोग श्रद्धांजलि अर्पित करते थे और शांति बनाते थे। लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद, प्रधानमंत्री ने एक मजबूत संदेश दिया कि आतंकवाद और आतंकवाद को पोषित करने वाले देश को पठानकोट-सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा-एयर स्ट्राइक, पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से नष्ट कर दिया जाएगा। यह ऐसे समय में है जब पूरे देश को पार्टियों, जातियों, धर्मों, समुदायों और रंगों को अलग करके एकजुट होने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तानी क्षेत्र में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया था और बदला लिया था, उन्होंने याद करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में भारतीय सैनिकों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि इस ऑपरेशन में विशाखापट्टनम के एक सैनिक ने भी अपनी जान गंवा दी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे समय में आयोजित की जा रही तिरंगा यात्राओं और रैलियों में सभी को भाग लेने और देश की एकता दिखाने की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अंबरपेट, जुबली हिल्स, नामपल्ली और मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्रों में भी रैलियां आयोजित की हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि पहलगाम हमला बेहद क्रूर था। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि न केवल एक पिता को उसके बच्चों के सामने और एक पति को उसकी पत्नी के सामने मार दिया गया, बल्कि हिंदुओं को भी एक तरफ ले जाकर मार दिया गया। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि आतंकवादियों द्वारा मोदी को बताने की चेतावनी भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उनके हमलों का कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अब से भारत में होने वाले हर हमले का जवाब दिया जाएगा। किशन रेड्डी ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान 'टेढ़ी पूंछ वाले कुत्ते' की तरह व्यवहार करता है, तो आतंकी हमलों के जवाब में उसकी पूंछ ही काट दी जाएगी।

प्लम्बर की मौत

कथित तौर पर पारिवारिक समस्याओं के कारण हुई मौत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात को मलकपेट स्थित अपने घर में एक प्लम्बर ने आत्महत्या कर ली। ऐसा कथित तौर पर पारिवारिक समस्याओं के कारण हुआ।

मलकपेट के मूसारामबाग निवासी पी. मल्लेश (41) का शनिवार रात को पारिवारिक मुद्दों को लेकर अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ। बाद में उसने अपनी पत्नी को डांटा, पीटा और घर से बाहर निकाल दिया।

मलकपेट पुलिस ने बताया कि इसके बाद मल्लेश घर के एक कमरे में गया और रस्सी का इस्तेमाल करके छत के पंखे से लटक गया। एक घंटे बाद, उसकी पत्नी ने घर में घुसने की कोशिश की और पाया कि मुख्य दरवाज़ा अंदर से बंद था। पड़ोसियों की मदद से दरवाज़ा खोला गया और मल्लेश को लटका हुआ पाया गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

कविता अपने पत्र के माध्यम से केटीआर को चुनौती देना चाहती थीं : भाजपा सांसद लक्ष्मण

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य लक्ष्मण ने आज बीआरएस पार्टी एमएलसी कविता द्वारा पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम केसीआर को लिखे गए पत्र पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

उन्होंने दावा किया कि कविता यह सोचकर केटीआर के नेतृत्व का विरोध कर रही थीं कि पार्टी को केटीआर को सौंप दिया जाएगा और उन्होंने कहा कि कविता अपने भाई के प्रभुत्व को चुनौती देना चाहती थीं। आंध्र प्रदेश में वाईएस शर्मिला अपने भाई वाईएस जगन को निशाना बना रही हैं और तेलंगाना में कविता अपने भाई केटीआर को निशाना बना रही हैं। संपत्ति और सत्ता का इस्तेमाल वाईएस जगन और केटीआर कर रहे हैं और वाईएसआर परिवार और केसीआर परिवार अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए सार्वजनिक हितों के बजाय अपने हितों के लिए लड़ रहे हैं। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि यह संपत्ति का विवाद है या सत्ता का विवाद।

आंध्र प्रदेश में कांग्रेस ने शर्मिला को मोहरे की तरह इस्तेमाल किया। अब एक अभियान चल रहा है कि कांग्रेस तेलंगाना में कविता को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करेगी, उन्होंने कहा। लक्ष्मण ने भविष्यवाणी की कि देश में कांग्रेस कमजोर होगी और भाजपा में आग लग जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों का मानना है कि कांग्रेस तेलंगाना में भाजपा के सत्ता में आने का पता चलने के बाद कविता के साथ अपने मोहरे घुमा रही है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कविता द्वारा केसीआर को लिखे गए पत्र का खुलासा तीसरे व्यक्ति के माध्यम से कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा कि कविता का तेलंगाना की राजनीति में कोई प्रभाव नहीं होगा और कहा कि कविता एक ऐसी व्यक्ति हैं जो भ्रष्टाचार और घोटालों में डूबी हुई हैं। लक्ष्मण ने सवाल किया कि जब वह दस साल तक सत्ता में थीं, तब उन्हें महात्मा ज्योतिबा पुले की मूर्ति का मुद्दा क्यों याद नहीं आया?

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में संगारेड्डी की महिलाओं का जिक्र किया

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम में संगारेड्डी की महिलाओं का जिक्र किया।

उन्होंने खेती में ड्रोन के अभिनव इस्तेमाल के लिए उनकी सराहना की और उन्हें सिर्फ ड्रोन ऑपरेटर नहीं बल्कि 'आसमान योद्धा' बताया। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में कुछ समय पहले तक महिलाओं को दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। आज वे महिलाएं ड्रोन की मदद से 50 एकड़ जमीन पर कीटनाशकों के छिड़काव का काम पूरा कर रही हैं। सुबह तीन घंटे, शाम को दो घंटे और काम हो जाता है। न चिलचिलाती धूप, न ही जहरीले रसायनों का खतरा। गांव वालों ने भी इस बदलाव को दिल से स्वीकार किया है। अब ये महिलाएं 'ड्रोन ऑपरेटर' नहीं बल्कि 'आसमान योद्धा' के तौर पर जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन महिलाओं को ड्रोन ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है और वे बगीचों और अन्य उद्देश्यों पर कीटनाशकों का छिड़काव करने के लिए ड्रोन का उपयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा, महिलाएं लोगों को बता रही हैं कि जब तकनीक और दृढ़ संकल्प एक साथ चलते हैं तो बदलाव आता है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय का नया परिसर राजेन्द्र नगर में बनेगा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने हाई कोर्ट निर्माण परियोजना का ठेका डीईसी इंफ्रा को दिया है। कंपनी ने हाल ही में एक घोषणा में इसकी पुष्टि की। नया न्यायिक परिसर राजेंद्रनगर में बनाया जाएगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले ही राजेंद्रनगर में उच्च न्यायालय परियोजना के लिए 100 एकड़ भूमि आवंटित कर दी थी। इस महत्वाकांक्षी विकास परियोजना पर 2600 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जिसमें मुख्य उच्च न्यायालय भवन और न्यायाधीशों के लिए आवासीय क्वार्टर दोनों शामिल होंगे। तेलंगाना के उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा, हम नए उच्च न्यायालय और न्यायाधीशों के लिए आवासीय परिसरों के निर्माण के लिए 2600 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। हालांकि निर्माण कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है, लेकिन डीईसी इन्फ्रा को परियोजना का ठेका दिया जाना राजेंद्रनगर में एक आधुनिक न्यायिक केंद्र की स्थापना की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। नये उच्च न्यायालय परिसर के पूरा हो जाने पर कानूनी कार्यवाही और अदालती कामकाज में सुधार आने की उम्मीद है।

गुरुकुलम के छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपने पूर्व छात्रों की करियर संभावनाओं को सुरक्षित करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक पहल में, तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी ने राज्य भर में अपने पूर्व और अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एक गहन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करने के लिए एसजीबीएस उन्नति फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में, डीएसडब्ल्यूआरईआईएस की सचिव डॉ. अलगु वर्सिनी ने कहा, जिस तरह माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा में एक स्थिर भविष्य के सपने के साथ निवेश करते हैं, उसी तरह सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है कि हमारे गुरुकुलम के छात्र सम्मानजनक रोजगार और दीर्घकालिक स्थिरता हासिल करें। यह प्रशिक्षण पहल शिक्षा और आजीविका के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जून के तीसरे सप्ताह में शुरू होने वाला यह कार्यक्रम तेलंगाना भर में 238 प्रशिक्षण केंद्रों पर शुरू किया जाएगा। इसे एसएससी, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, डिग्री छात्रों और बेरोजगार पूर्व छात्रों के लाभ के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम को 165 घंटे के प्रशिक्षण मॉड्यूल के रूप में संरचित किया गया है और इसमें 18 से 25 वर्ष की आयु के उम्मीदवारों के लिए 90 घंटे का व्यक्तिगत कक्षा निर्देश और 75 घंटे का स्व-शिक्षण शामिल होगा। पाठ्यक्रम में बोली जाने वाली अंग्रेजी, जीवन कौशल, मूल्य-आधारित व्यक्तिगत विकास, मानव संसाधन अंतर्दृष्टि और नौकरी के लिए साक्षात्कार की तैयारी शामिल है। प्रतिभागियों की प्रोफाइल एक समर्पित रोजगार पोर्टल पर सूचीबद्ध की जाएगी, जिसे बहुराष्ट्रीय निगमों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों द्वारा संभावित भर्ती के लिए एक्सेस किया जाएगा। प्रत्येक बैच में 40 छात्र होंगे, और प्रशिक्षण 45 दिनों तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सालाना 36,000 छात्रों का समर्थन करना है, जिससे शिक्षा से रोजगार तक का सीधा रास्ता बनेगा। अलगू वर्सिनी ने इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि गुरुकुलम का हर छात्र सुरक्षित भविष्य बनाए, आत्मनिर्भर बने और आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार का समर्थन करे। यह पहल उन्हें लक्ष्य हासिल करने के लिए सही मंच प्रदान करती है। पात्र उम्मीदवार अपने पूर्व गुरुकुलम संस्थानों के प्राचार्यों से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें जल्द से जल्द पंजीकरण करने की सलाह दी जाती है।

विशेष नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान, 252 आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में विशेष नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया, जिसके दौरान कुल 252 अपराधी शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़े गए। अभियान के तहत पुलिस ने 199 दोपहिया वाहन, 10 तिपहिया वाहन, 43 चार पहिया वाहन और कोई भारी वाहन जब्त नहीं किया। पकड़े गए अपराधियों में से 228 अपराधियों के रक्त में अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) का स्तर 35 मिलीग्राम/100 मिली और 200 मिलीग्राम/100 मिली के बीच पाया गया। अन्य 18 अपराधियों के रक्त में अल्कोहल सांद्रता का स्तर 201 मिलीग्राम/100 मिली और 300 मिलीग्राम/100 मिली के बीच पाया गया, जबकि 6 अपराधियों के रक्त में अल्कोहल सांद्रता का स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिली और 500 मिलीग्राम/100 मिली के बीच पाया गया। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस के अनुसार सभी अपराधियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस सभी वाहन चालकों से नशे में गाड़ी चलाने से बचने का आग्रह करती है, क्योंकि इससे न केवल उनकी बल्कि सड़क पर अन्य लोगों की जान को भी खतरा होता है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में जहां नशे में गाड़ी चलाने से जानलेवा दुर्घटनाएं होती हैं, आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत आरोप लगाया जाएगा, जिसमें जुर्माने के साथ अधिकतम 10 साल की कैद की सजा हो सकती है।

केटीआर ने एर्रावेल्ली फार्म हाउस में केसीआर से मुलाकात की

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने आज पार्टी अध्यक्ष केसीआर से मुलाकात की। वे सिद्दीपेट जिले के एर्रावेल्ली में केसीआर के फार्म हाउस गए और उनसे अलग से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि वे एमएलसी कविता के पत्र, उसके बाद की टिप्पणियों, संबंधित घटनाक्रम और 2 जून को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करेंगे। ज्ञातव्य है कि केसीआर की बेटी कविता ने हाल ही में गोपनीय तरीके से केसीआर को एक पत्र लिखा था। पत्र की विषय-वस्तु और मीडिया के सामने उनकी यह टिप्पणी कि केसीआर भगवान हैं, लेकिन उनके इर्द-गिर्द राक्षस हैं, पूरे तेलंगाना राज्य में राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई। बताया जा रहा है कि इसी संदर्भ में केसीआर और केटीआर की मुलाकात हुई। केटीआर इस महीने की 28 तारीख को अमेरिका के लिए रवाना होंगे, जहां वे 1 जून को अमेरिका में होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इस बीच, केसीआर उनके साथ चर्चा कर पार्टी को राज्य स्थापना दिवस समारोह के आयोजन के लिए कार्ययोजना बनाने में मदद कर सकते हैं।

प्रमुख पेयजल स्रोतों का स्तर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद को पीने का पानी उपलब्ध कराने वाले सभी प्रमुख पेयजल स्रोतों में जल स्तर में गिरावट आई है, जबाबूकि शहर के अधिकांश हिस्सों में भूजल भंडार में भारी कमी आई है। इस स्थिति को देखते हुए, पानी की आरामदायक उपलब्धता बनाए रखने के लिए, इस मानसून में भरपूर बारिश एक महत्वपूर्ण कारक है।

गोदावरी, कृष्णा, मंजीरा, सिंगुर, उस्मान सागर और हिमायत सागर सहित सभी छह प्रमुख पेयजल स्रोत अपने पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) से नीचे गिर गए हैं। जनवरी के आखिरी सप्ताह तक जलाशयों में पानी का स्तर आरामदायक था, लेकिन मार्च की शुरूआत से इसमें गिरावट आई है। एचएमडब्ल्यूएसएसबी द्वारा जारी जल स्तर के नवीनतम बयान के अनुसार कि पेयजल जलाशयों की वर्तमान भंडारण स्थिति पिछले साल की तुलना में कम है। उदाहरण के लिए, गोदावरी पेयजल जलाशय, जहां श्रीपदा येल्लमपल्ली से पानी लिया जाता है, ग्रेटर हैदराबाद को प्रतिदिन 172 मिलियन गैलन पानी (एमजीडी) की आपूर्ति करता है। वर्तमान में, जलाशयों का जल स्तर 467 मीटर है, जबकि इसका एफटीएल 485 मीटर है। फिर कृष्णा नदी का पानी, जिसे अपतटीय बिंदु अक्कमपल्ली से लिया जाता है, शहर को 270 एमजीडी की आपूर्ति करता है। एचएमडब्ल्यूएसएसबी के बयान में जल स्तर 244 मीटर दिखाया गया है, जबकि इसका एफटीएल 245 मीटर है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Roma Yadav daughter of Mr Manoj Kumar presently residing at Vill- Naya Chhawani, PO- Bariar Pur, Teh- Munger , Distt- Munger (Bihar) PIN- 811211 have changed my name from Roman Yadav to Roma Yadav vide affidavit dt 21th May 2025 before Katlurari Ravinder Rao Advocate and Notary, Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और विधायक पद्मावती ने तुम्मला से मुलाकात की

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और कोडाद विधायक श्रीमती पद्मावती ने आज हैदराबाद में कोडाद और नेरेदुचर्ला मार्केट कमेटियों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और निदेशकों के साथ कृषि एवं विपणन मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव से मुलाकात की।

कोडाद और नेरेदुचर्ला मार्केट यार्ड की विभिन्न आवश्यकताओं को विपणन मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने आश्वासन दिया कि वे दोनों मार्केट यार्डों में जो भी कार्य/सुविधाएं आवश्यक होंगी, उन्हें स्वीकृत करेंगे।

कंदुकुर में सड़क दुर्घटना

एक की मौत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के कंदुकुर में शनिवार रात सड़क दुर्घटना में एक किसान की मौत हो गई।

पीड़ित, रामावतार देव सिंह (24), कंदुकुर निवासी, किसी काम से कंदुकुर मंडल के बेगमपेट गांव जा रहा था, जब बेगमपेट गांव की सड़क पर एक लॉरी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। देव सिंह को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

कंदुकुर पुलिस ने कहा कि अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह दुर्घटना स्पष्ट रूप से ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

अब देशभर में होगी राजगीर की चर्चा

नीतीश सरकार ने कर दिया बड़ा काम

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। राजगीर में खेल परिसर सह खेल विश्वविद्यालय में इनडोर व आउटडोर खेलों की सुविधाएं भवन निर्माण विभाग ने चरणबद्ध तरीके से विकसित की है। यहां बिहार का पहला और देश का छठा खेल विश्वविद्यालय है। सचिव कुमार रवि ने बताया कि राजगीर खेल परिसर विभाग की महत्वकांक्षी परियोजना है। एक ही परिसर में खेलों के मैदान के साथ-साथ प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए खेल मैदानों का निर्माण किया गया है। कोविड-19 महामारी और अन्य चुनौतियों के बावजूद विभाग के अधिकारियों और अभियंताओं ने समयबद्ध तरीके से इस शानदार खेल परिसर को तैयार किया है।

निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसमें मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम का निर्माण जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

33 तरह के इनडोर-आउटडोर खेल की सुविधा

सचिव ने कहा कि, खेल परिसर में कुश्ती, भारोत्तोलन, वालीबाल, बैडमिंटन, तीरंदाजी, शूटिंग, कबड्डी, जूडो, तायक्वांडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, बास्केटबाल, हैंडबाल, वालीबाल, साइकिलिंग, एथलेटिक्स ट्रैक, शाटपुट, लंबी कूद, ट्रिपल जंप, पोल वाल्ट, सेपक टाकरा एवं तैराकी समेत 33 तरह के इनडोर और आउटडोर खेल शामिल हैं।

हॉकी प्रैक्टिस टर्फ का भी निर्माण किया गया है। परिसर में एक आधुनिक शैक्षणिक भवन बनाया गया है, जिसमें बिहार खेल विश्वविद्यालय का कार्यालय, पदाधिकारियों के लिए कार्यालय और 242 की क्षमता वाला एक ऑडिटोरियम शामिल है। खिलाड़ियों के लिए 149 कमरों वाला बालक छात्रावास, 78 कमरों वाला बालिका छात्रावास, 100 क्षमता वाला ट्रांजिट हास्टल, प्रशिक्षकों के लिए आवास और 324 क्षमता वाला मेस भी निर्मित किया गया है। निदेशक, उप निदेशक और स्टाफ के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। खिलाड़ियों के लिए खेल के दौरान लगी चोट के साथ साथ अन्य प्रकार के इलाज की भी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि अधिकतर खेल सुविधाओं का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। कई तरह के मल्टीपर्पस इनडोर हाल का निर्माण किया गया है, जिसमें विभिन्न तरह के खेल आयोजित हो रहे हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान राजगीर खेल परिसर में पांच खेल आयोजित किए गए थे।

खेल परिसर में निर्मित विश्वस्तरीय हॉकी टर्फ, ऑस्ट्रेलिया से आयातित एस्ट्रो-टर्फ और जर्मनी के ऑटोमेटेड स्प्रिंकलर सिस्टम से सुसज्जित है। सचिव ने कहा कि यह परिसर किसी भी वैश्विक खेल आयोजन के लिए आदर्श स्थल है। हमारा लक्ष्य बिहार के युवाओं को विश्वस्तरीय मंच प्रदान करना है। इस साल हाकी टर्फ पर पुरुष एशिया कप 2025 खेला जाना है।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

पारिवारिक अदालतें नहीं मान रहीं सुप्रीम आदेश कैसे बचेगी न्याय व्यवस्था

प्रयागराज, 25 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तारीख पर तारीख में उलझी भरण-पोषण की कानूनी लड़ाई पर चिंता जताई है। कहा कि पारिवारिक अदालतों की सुस्ती सुप्रीम आदेशों की अवहेलना है। अगर संविधान की शपथ लेकर बैठे न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानेंगे तो न्याय व्यवस्था कैसे बचेगी? इससे पीड़ित महिलाओं का गरिमामयी जीवन प्रभावित हो रहा है। इस तल्ख टिप्पणी संग न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की अदालत ने औरैया के याची पति की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। साथ ही मुख्य न्यायाधीश से पारिवारिक अदालतों की लेटलतीफी का संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। कोर्ट ने कहा, 'यह समझ से परे है कि प्रशिक्षित न्यायिक अधिकारी सुप्रीम कोर्ट जैसे सांविधानिक न्यायालय के आदेशों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। न्यायिक निर्देश कोई सलाह नहीं, बल्कि बाध्यकारी आदेश होते हैं।' इससे पहले कोर्ट ने प्रदेश के सभी परिवार न्यायालयों में लंबित मुकदमों की जानकारी तलब की थी। कोर्ट ने पाया कि प्रयागराज, आगरा और महराजगंज जैसे जिलों में 1,500 से 2,000 तक मुकदमे एक-एक जज के पास लंबित हैं। 23 मई 2024 तक 74 में से केवल 48 अदालतों ने अनुपालन रिपोर्ट सौंपी, जिसमें से कई ने सिर्फ औपचारिक हलफनामे पेश किए। सुनवाई को बार-बार टालना 'प्रक्रियात्मक कुप्रबंधन' ही नहीं, बल्कि न्याय देने से इन्कार करने के बराबर है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से रजनीश बनाम नेहा के फैसलों का जिक्र कर कहा कि भरण-पोषण के मामले में पति-पत्नी की आय, संपत्ति और दायित्व का हलफनामा लेकर ही गुजारा-भत्ता तय किया जाना चाहिए। लेकिन, प्रदेश की अदालतें न इस प्रक्रिया का पालन कर रही हैं और न ही जिम्मेदारी निभा रही हैं।

बक्सर गोलीकांड का आरजेडी से जुड़ा संबंध

जेडीयू ने जारी किया फोटो, तेजस्वी यादव से पूछ लिए ये सवाल

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। चुनावी वर्ष में विपक्ष कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आक्रामक है। सत्ता पक्ष और राजद में जमकर वार पलटवार हो रहा है। हमले की कमान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने संभाली है। चुनावी वर्ष में उठ रहे सवालों से नीतीश सरकार भी बैकफुट पर है। अब बक्सर गोलीकांड पर सियासत शुरू हो गई है। जदयू ने एक्स पर फोटो शेयर कर गोलीकांड का मुख्य आरोपी संतोष यादव को बताया है। पोस्ट में दावा किया गया कि संतोष तेजस्वी यादव और आरजेडी का करीबी है। जदयू नेता नीरज कुमार ने दोनों की तस्वीर शेयर कर पलवटवार किया। उन्होंने पूछा कि अब इस बार तेजस्वी यादव कौन सी स्क्रिप्ट पढ़ेंगे? दरअसल बक्सर में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। बालू रखने के विवाद में जमकर फायरिंग की गई। भीषण गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। आपराधिक घटनाओं पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए मंत्री नीरज बबलू ने कहा कि सुशासन की सरकार है। सुशासन की सरकार में अपराधी बचते नहीं हैं। घटना के बाद पुलिस गिरफ्तारी भी करती है। अब जदयू नेता नीरज कुमार ने राजद और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बक्सर गोलीकांड का तार राजद और तेजस्वी यादव से जोड़ दिया। कथित आरोपी संतोष यादव की तेजस्वी यादव के साथ फोटो शेयर कर उन्होंने पलटवार किया। उन्होंने पूछा कि बक्सर पर बकार निकालेंगे? नीरज कुमार ने जदयू के सवाल का जवाब देने की मांग की। उन्होंने कहा, रीतलाल पर साजिश का राग था, अब आपके 'दुलरुआ' अपराधी संतोष यादव ने तिवारी सिंह समेत एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या कर दी।

काले हिरणों के लिए बन रहा पहला नेशनल पार्क

12 एकड़ जमीन उपलब्ध कराएगी सरकार

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। बिहार में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बक्सर जिले के नावानगर प्रखंड स्थित बारालेव (पीलापुर) मौजा में काले हिरणों के लिए पहला अभ्यारण्य बनाया जा रहा है। राज्य कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने इसके निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी है। यह अभ्यारण्य न सिर्फ दुर्लभ प्रजातियों को सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि जिले के पर्यटन को भी एक नई पहचान देगा।

12 एकड़ भूमि देने का फैसला

भटौली पंचायत के अंतर्गत आने वाले बारालेव मौजा की 12 एकड़ आनावाद जमीन को सरकार ने निःशुल्क अभ्यारण्य निर्माण के लिए विभाग को सौंपने का फैसला लिया है। हालांकि, इस जमीन पर पूर्व में अंचल कार्यालय द्वारा भूमिहीनों को पर्चा काटे जाने से विवाद खड़ा हो गया है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। विभाग को अब तक यह भूमि औपचारिक रूप से हस्तांतरित नहीं हो सकी है।

वन्य प्राणियों को सुरक्षित और संरक्षित वातावरण मिलेगा

इस अभ्यारण्य के निर्माण से आसपास के चार सौ एकड़ में फैले जंगल में रहने वाले काले हिरणों, नीलगायों और अन्य वन्य प्राणियों को एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण मिलेगा। यह कदम जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय पर्यटन उद्योग के लिए भी लाभकारी साबित होगा।

बसपा में पावरफुल हो रहे आकाश आनंद

यूपी में शुरू की 2027 की तैयारी, ऐसे बना रहे अपनी टीम

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद पर विश्वास जताया है। पिछले दिनों आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी का कॉर्डिनेटर बनाया गया था। अब जब आकाश फिर से पार्टी नंबर-2 की भूमिका में आ गए तो टीम भी उसी हिसाब से बनाई जा रही है। आकाश ने कोऑर्डिनेटर बनने के बाद अपनी टीम का सिरे से चयन शुरू कर दिया है। बसपा ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। आकाश आनंद के मुख्य समन्वयक बनने के बाद, काम नहीं करने वाले मंडल प्रभारियों को हटाकर नए लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, विधानसभा और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। मंडल स्तर पर तीन से चार प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है, और निष्क्रिय प्रभारियों को छह महीने में हटाने की चेतावनी दी गई है। उत्तर प्रदेश में भले ही साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। अभी चुनाव में करीब 2 साल का समय है, लेकिन तमाम राजनीतिक दलों के साथ बहुजन समाज पार्टी ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी बूथ स्तर पर अपनी तैयारियां मजबूत करने में जुटी है। यही कारण है कि मंडल स्तर पर तीन से चार प्रभारियों को जिम्मेदारी जा रही है। पार्टी में काम न करने वाले या फिर जो पदाधिकारी एक्टिव नहीं हैं। उनको हटाने में भी पार्टी जुट गई है। इसी के तहत मंडल प्रभारी को 6 माह में हटाने की चेतावनी दी है। लखनऊ में घनश्याम चंद्र खरवार, शमसुद्दीन राइन, मौजी लाल गौतम को मंडल का प्रभार दिया गया है। झांसी चित्रकूट में लालाराम अहिरवार और प्रयागराज में घनश्याम चंद्र खरवार, राजू गौतम को मंडल का प्रभार मिला। वाराणसी में दिनेश चंद्र, रामचंद्र गौतम, डॉ विनोद कुमार को मंडल का प्रभार, मिर्जापुर में अमरेंद्र बहादुर पासी, गुड्डू राम, विनोद बागड़ी को मंडल का प्रभार दिया गया है।

गंगा में डूबने से तीन युवकों की मौत

रायबरेली, 25 मई (एजेंसियां)। रायबरेली के डलमऊ घाट पर तीन युवकों की गंगा में डूबने से मौत हो गई है। गोताखोरों की मदद से शवों को बाहर निकाल लिया गया है। मौके पर भारी मात्रा में पुलिस मौजूद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डलमऊ के रानी शिवाला घाट के सामने गंगा स्नान के दौरान तीन युवकों की मौत हुई है। चार युवक गंगा में नहा रहे थे। एक के बाद एक सभी डूबने लगे। इसमें से एक को बचा लिया गया, जबकि तीन की डूबकर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यहां युवक नहाते-नहाते गहरे पानी में चले गए थे। मरने वाले तीनों अमेठी के जगदीशपुर के रहने वाले हैं।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर कहा आतंकवाद को खत्म करेंगे

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने महागठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 'माई बहिन मान' योजना लाने की बात कहने वाले खुद इज्जत लूट रहे हैं। जीतन राम मांझी ने गया आवास पर रविवार (25 मई, 2025) को कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम पर भी बयान दिया। केंद्रीय मंत्री ने तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया हैक और विरोधी की साजिश बताने पर कहा कि जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर गर्लफ्रेंड के साथ वायरल फोटो और रिलेशनशिप पोस्ट जग जाहिर है। केंद्रीय मंत्री ने पीएम मोदी की शान में कसीदे पढ़े। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का संकल्प 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है। जीतन राम मांझी ने कहा कि पीएम मोदी का विजन आर्थिक अनुशासन है। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों को कोई क्षति नहीं पहुंचाया है। पहलगाम हमले का जवाब आतंकियों को मारकर लिया गया।

भारत आतंकवाद का देगा जवाब -केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिहार की धरती से पीएम मोदी ने सबक सिखाने का संकल्प लिया था। पाकिस्तान की जनता से भारत को कोई मतलब नहीं है। मतलब सिर्फ आतंकियों से है। भारतीय सेना ने आतंक पर प्रहार किया है। भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी।

संघर्ष विराम पर क्या बोले जीतन राम मांझी?

जीतन राम मांझी ने कहा, संघर्ष विराम इसी शर्त पर हुआ कि हम आतंकी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमला होने की सूरत में जवाब दिया जाएगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भारत का रुख साफ करने के लिए विदेश भेजा गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'पलटू' बताए जाने पर उन्होंने कहा कि राजद को सिर्फ सत्ता परिवर्तन से मतलब है। इसलिए फालतू का पोस्टर जारी किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 20 वर्षों से सरकार चला रहे हैं। 2025 का चुनाव मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने एनडीए गठबंधन को 225 सीट मिलने की उम्मीद जताई।

पत्नी अनुष्का संग अचानक अयोध्या पहुंचे विराट कोहली

रामलला और बजरंग बली के किए दर्शन

अयोध्या, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने रविवार को अयोध्या पहुंचकर पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ रामलला व बजरंगबली का दर्शन पूजन किया। इस दौरान दोनों ने मीडिया कर्मियों से दूरी बनाए रखी। दूसरी ओर प्रशंसक अपने पसंदीदा क्रिकेटर के साथ सेल्फी लेने के लिए उतावले दिखे, लेकिन सुरक्षा कारणों से पुलिसकर्मियों ने रोक दिया। हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले क्रिकेटर विराट कोहली रविवार सुबह करीब नौ बजे पत्नी व अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ अयोध्या पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने राम मंदिर पहुंचकर रामलला का दर्शन किया।

इस दौरान ट्रस्ट के प्रतिनिधि ने दोनों का मंदिर परिसर में स्वागत किया और रामलला का विशेष प्रसाद भेंट किया। दोनों ने लगभग पांच मिनट मंदिर प्रांगण में खड़े होकर रामजन्मभूमि परिसर का अवलोकन किया और कर्मियों से मंदिर से जुड़ी जानकारियां प्राप्त की। साथ रहे मजिस्ट्रेट व सुरक्षा कर्मियों ने भी उनकी जिज्ञासा शांत की। दोनों ने बाद में मंदिर की भव्यता की प्रशंसा की।इसके बाद कोहली व अनुष्का कड़ी सुरक्षा में हनुमानगढ़ी पहुंचे और बजरंगबली का दर्शन पूजन किया। इसके बाद कोहली ने हनुमानगढ़ी से जुड़े कुछ साधु संतों से भी मुलाकात की।

बिहार में पुलिस ही बनी चोर

थाने से एक महिला सब इंस्पेक्टर और 2 सहायक सब इंस्पेक्टर ने चोरी की शराब, हुए निलंबित

पटना, 25 मई (एजेंसियां)। बिहार में एक थाने की पुलिस ही चोर बन गई। ऐसे में सवाल ये है कि जब पुलिसकर्मी ही चोरी करने लगेंगे तो चोरों को कौन पकड़ेगा? मामला बिहार की राजधानी पटना के एक पुलिस थाने का है। यहां एक महिला सब इंस्पेक्टर और दो सहायक सब इंस्पेक्टर ने शराब चोरी की है। इस घटना के सामने आने के बाद तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

पटना में एक थाने से एक महिला सब इंस्पेक्टर और दो सहायक सब इंस्पेक्टर ने शराब चोरी की है। पुलिस स्टेशन में इस घटना से हड़कंप मच गया है। मामला पटना के पाटलिपुत्र थाने का है। तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें एक महिला सब इंस्पेक्टर आशा कुमारी और दो सहायक सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार व राजेश कुमार शामिल हैं। सिटी एसपी ने आरोपियों को निलंबित करने के साथ विभागीय कार्रवाई का भी आदेश दिया है। बिहार की राजधानी पटना में जिन पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर सुरक्षा की जिम्मेवारी मिली है वही पुलिस पदाधिकारी थाने के अंदर रखे मालखाने के अंदर से शराब चोरी कर रहे हैं। पूरा मामला पटना के पाटलिपुत्र थाना का है। थाने के अंदर मालखाने में रखी शराब को पुलिस पदाधिकारी चोरी कर रहे हैं। पूरी घटना थाने के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पटना के एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि पाटलिपुत्र थाना के मालखाना से शराब चोरी मामले में तीन पुलिसकर्मियों पर प्राथमिकी की गई है। इसके साथ ही तीनों को निलंबित भी कर दिया गया है। इनमें महिला सब इंस्पेक्टर आशा कुमारी और दो सहायक सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार व राजेश कुमार शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पंकज कुमार पाटलिपुत्र थाने में मुंशी का काम भी देखते थे। महिला सब इंस्पेक्टर पर जब्त शराब को रखने में लापरवाही करने का आरोप है। इस कार्रवाई के बाद से दूसरे थानों में भी हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले दीघा थाने में ऐसी हरकत की गई थी। इसके बाद बड़े पैमाने पर कार्रवाई हुई थी।

गाजियाबाद में एसीपी ऑफिस की छत गिरी दरोगा की मौत

गाजियाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में रविवार तड़के भयंकर आंधी-बारिश के चलते एसीपी ऑफिस की छत गिर गई। ऑफिस के अंदर सो रहे दरोगा की मलबे में दबकर मौत हो गई। सुबह जब अन्य पुलिस कर्मी ऑफिस पहुंचे, तब घटना का पता चला। पुलिसकर्मियों ने मलबे में दबे वीरेंद्र कुमार मिश्रा मुश्किल से बाहर निकाला। नाईपुरा स्थित संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक दरोगा के परिजनों और पुलिस विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी गई। एसीपी अंकुर विहार का यह ऑफिस लोनी इलाके के दिल्ली-सहारनपुर रोड पर स्थित इंद्रापुरी में है। इटावा के ग्राम व पोस्ट चित्तभवन थाना एकदिल निवासी दरोगा वीरेंद्र मिश्रा (65) परिवार के साथ दिल्ली में रहते थे। वह वर्तमान में एसीपी अंकुर विहार के रीडर थे। रात वह ड्यूटी पर थे। देर रात काम खत्म होने के बाद वीरेंद्र ऑफिस में ही सो गए थे।

ग्राम पंचायतों में डिजिटल क्रांति लाएगी योगी सरकार

278 करोड़ से बनेगा वर्कफोर्स और लर्निंग सेंटर

लखनऊ, 25 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अब गांवों को डिजिटल रूप से और मज़बूत बनाने जा रही है। सरकार की योजना है कि ग्राम पंचायतों को तकनीक से जोड़कर न सिर्फ जन सुविधाएं बेहतर की जाएं, बल्कि गांव के लोगों को भी नई तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष बनाया जाए। इसी उद्देश्य से प्रदेश में 278 करोड़ रुपये की लागत से एक बड़ी योजना शुरू की जा रही है, जिसमें डिजिटल वर्कफोर्स तैयार की जाएगी और जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर तथा पंचायत लर्निंग सेंटर की स्थापना की जाएगी। यह पूरी योजना राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत चल रही है, जिसका मकसद गांवों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पंचायती राज विभाग ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत राज्य, जिले और विकास खंड स्तर पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे डिजिटल प्लेटफार्मों पर बेहतर काम कर सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक सही तरीके से पहुंचा सकें।

पंचायत कर्मचारियों को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

प्रदेश सरकार की इस योजना का फोकस पंचायत कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने और तकनीकी प्रशिक्षण पर है। पंचायत लर्निंग सेंटरों के ज़रिए कर्मचारियों को कंप्यूटर, मोबाइल ऐप्स और अन्य डिजिटल टूल्स के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए अलग-अलग स्तरों पर मानव संसाधनों की तैनाती की जाएगी। इससे योजनाओं को लागू करने की रफ्तार भी बढ़ेगी और ग्राम पंचायतें पहले से अधिक सक्षम हो सकेंगी।

गांवों में भी बढ़ेगी एआई की समझ

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने हाल ही में प्रदेश में एआई प्रज्ञा कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत 10 लाख लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपकरणों और तकनीकों में दक्ष बनाया जाएगा। अब यह योजना गांवों तक भी पहुंचेगी। ग्राम पंचायतों, ब्लॉकों और जिलों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी एआई टूल्स की जानकारी दी जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी समझ बढ़ेगी और काम की गुणवत्ता में सुधार होगा।

चार स्तरीय निगरानी से होगी योजना की कड़ी निगरानी

इस योजना को सुचारु रूप से लागू करने के लिए चार स्तरों पर समितियां बनाई जाएंगी। इनमें राज्य स्तर पर पंचायती राज मंत्री की अध्यक्षता में सलाहकार समिति, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति, प्रमुख सचिव पंचायती राज की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति और निदेशक पंचायती राज की अध्यक्षता में अनुश्रवण समिति कार्य करेंगी

क्या है राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान?

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान केंद्र सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों को सशक्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। इसकी शुरुआत वर्ष 2018 में की गई थी और इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में स्थानीय शासन प्रणाली को मजबूत करना है। उत्तर प्रदेश में इस योजना के तहत पहले भी कई तरह के प्रशिक्षण और डिजिटल पहलें चलाई जा चुकी हैं।

नरसिंहपुर में 3 दिवसीय कृषि उद्योग समागम कल से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे उद्घाटन

भोपाल, 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान मंत्र को धरातल पर लागू करने के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नित नये नवाचार कर रहे हैं। निवेश और रोजगार के लिए इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के सफल आयोजन के बाद उन्होंने प्रदेश के किसानों की खुशहाली और समृद्धी के संकल्प को दोहराया है। इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राज्य के सभी संभागों में कृषि मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। कृषि उद्योग समागम 2025 का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि एवं उद्यानिकी पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों, कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है।

2025 उद्योग-रोजगार वर्ष

मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव की मंशानुसार मध्यप्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम नरसिंहपुर का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने, और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उद्योग इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण तथा उद्योगपतियों को भूमि आवंटन पत्र एवं आशय पत्रों का वितरण भी होगा।

समागम में हर दिन कुछ नया

इस बार आयोजित होने जा रहे तीन दिवसीय समागम में हर दिन कुछ नया और खास होगा। किसानों को उन्नत कृषि उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, हैप्पी सीडर, और सिंप्रिंकलर की जानकारी दी जाएगी। इन उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी और किसान इन्हें खरीदने के लिए बुकिंग भी कर सकेंगे। दूध उत्पादन, मत्स्य पालन, और शाक-सब्जी उत्पादन की नई तकनीकों पर चर्चा होगी। श्रीअन्न (मोटे अनाज), बागवानी, और उन्नत किस्म के बीजों व उर्वरकों पर फोकस रहेगा। मेले में कृषि आधारित स्टार्टअप्स की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि युवा किसान अपने नए व्यवसाय शुरू कर सकें। ये सारी जानकारी किसानों को कम लागत में ज़्यादा पैदावार लेने में मदद करेगी। खेती-किसानी को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रदेश सरकार किसानों को नई तकनीकों और तरीकों से जोड़ रही है। नरसिंहपुर की काली मिट्टी दलहन, तिलहन, और गेहूँ जैसी फसलों के लिए मशहूर है। मेले में मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए जैविक खाद और उर्वरकों के इस्तेमाल पर जोर दिया जाएगा। नरसिंहपुर में सोयाबीन और गन्ना जैसी फसलें बड़े पैमाने पर होती हैं। मेले में इन फसलों से जुड़े उद्योगों जैसे तेल निकालने, चीनी बनाने, और गुर उत्पादन की नई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, बागवानी और उद्यानिकी में नए प्रयोगों पर भी चर्चा होगी। इस कृषि समागम के माध्यम से सरकार किसानों को कृषि आधारित उद्योगों से जोड़ने में निश्चित रूप से कामयाब होगी।

कृषि आधारित उद्योग से अर्थव्यवस्था मजबूत

मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव का मानना है कि कृषि आधारित उद्योग न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे, बल्कि किसानों की आय को भी दोगुना कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने विभिन्न मंचों पर इस बात को दोहराया हैं कि यदि राज्य में कृषि आधारित उद्योगों का विकास होता है तो न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन के जरिए किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा।

कृषि आधारित उद्योगों में निवेश पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ।यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने प्रदेश के हर संभाग में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों में कृषि आधारित उद्योगों में निवेश पर जोर दिया जा रहा है। एक माह पूर्व मंदसौर जिले के सीतामऊ में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को कृषि के आधुनिक यंत्रों और तकनीक से अवगत कराया गया। इस तरह के इन समागमों के माध्यम से किसानों को अधिक और बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। प्रदेश भर मेंअन्य स्थानों पर भी विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन आयोजित होंगे।

उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में पेश किया प्रस्ताव, ' जम्मू कश्मीर में टूरिज्म बढ़ाया जाए'

जम्मू, 25 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकवादी हमले से बुरी तरह प्रभावित जम्मू कश्मीर के पर्यटन कारोबार को फिर से पटरी पर लाने के लिए नीति आयोग की बैठक में नया प्रस्ताव रखा। उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी से आग्रह किया कि जम्मू कश्मीर के लोगों के हित में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की बैठक कश्मीर में आयोजित करवाए। उन्होंने केंद्र सरकार से यह निर्देश देने की मांग की कि संसदीय समिति की भी बैठकें जम्मू कश्मीर की आयोजित किए जाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की ओर से हाल ही में की गई गोलाबारी का मुद्दा भी उठाया जिसमें पुंछ, राजौरी और उत्तरी कश्मीर में 23 लोगों की जान चली गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवासियों के लिए निजी बंकरों का निर्माण आवश्यक है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'सरकार के इन ठोस प्रयासों से जनता का भय काफी हद तक कम होगा, सुरक्षा और विश्वास की नई भावना पैदा होगी। कश्मीर घाटी में पर्यटन कारोबार को फिर से पटरी पर लाने का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे बहुप्रतीक्षित आर्थिक राहत मिलेगी और सामान्य स्थिति बहाल होगी।' जम्मू कश्मीर मुख्यमंत्री ने अपने भाषण के दौरान 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के खिलाफ जनता के विरोध की सराहना की। साथ ही क्षेत्र की सुरक्षा, पर्यटन और आर्थिक पुनरुद्धार के लिए केंद्र का ध्यान आकर्षित किया। अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र पहलगाम नरसंहार में जान गंवाने वालों पर शोक मना रहा है, लेकिन सीमा पार से गोलीबारी में जान गंवाने वाले 23 लोगों को भी नहीं भूलना चाहिए।

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान, चुनाव आयोग ने जारी किया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। देश के चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। चुनाव आयोग ने नॉटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। भारत निर्वाचन आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख का भी ऐलान कर दिया है। इन सभी पांच सीटों पर 19 जून को मतदान होगा। वहीं मतों की गणना 23 जून को की जाएगी। बता दें कि गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। यहां की कडी सीट पर विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी की मृत्यु के बाद उपचुनाव कराया जा रहा है। इसके अलावा राज्य की विसावदर सीट पर भी भयानी भूपेंद्रभाई गंडूभाई के इस्तीफे के कारण उपचुनाव कराया जा रहा है। वहीं अन्य राज्यों की बात करें तो केरल की नीलांबुर सीट पर पी वी अनवर के इस्तीफे के बाद उपचुनाव कराया जा रहा है। वहीं पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर मौजूदा सदस्य गुरप्रीत बस्सी गोगी की मृत्यु के कारण उपचुनाव होना है। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर मौजूदा विधानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के कारण उपचुनाव जरूरी हो गया है। वहीं उपचुनाव की घोषणा से पहले ही गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने घोषणा कर दी थी कि पार्टी अपने इंडिया ब्लॉक सहयोगी आम आदमी पार्टी (आप) के साथ साझेदारी किए बिना विसावदर और कडी विधानसभा सीटों पर स्वतंत्र रूप से उपचुनाव लड़ेगी। गोहिल ने स्पष्ट किया कि राज्य में पिछले चुनावी रुझानों का विश्लेषण करने के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा, गुजरातियों ने कभी तीसरे मोर्चे के लिए वोट नहीं किया है। यहां या तो कांग्रेस है या भाजपा। वहीं कांग्रेस पार्टी ने पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर उपचुनाव के लिए भारत भूषण आशु को उम्मीदवार घोषित किया था। उपचुनाव लड़ने के लिए उनकी उम्मीदवारी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंजूरी दी थी। एआईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 64-लुधियाना पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से पंजाब विधानसभा के आगामी उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में भारत भूषण आशु की उम्मीदवारी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वहीं 26 फरवरी को आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर उपचुनाव के लिए राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को अपना उम्मीदवार बनाया था।

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर हादसा: पंतगांव के पास सड़क पर पलटी नोएडा के यात्रियों की कार

देवप्रयाग, 25 मई (एजेंसियां)। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। पंतगांव के पास नोएडा के यात्रियों की एक कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। कार के पलटते ही चीख पुकार मच गई। गनीमत रही कि कार खाई की तरफ नहीं गिरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। परिवार के लोग सुरक्षित हैं। थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत के अनुसार, नोएडा निवासी अनुभव प्रसाद डिमरी पुत्र वीरेंद्र प्रसाद अपनी पत्नी और बच्चों के साथ श्रीकोट गंगानली, श्रीनगर की ओर आ रहे थे। पंतगांव के पास ड्राइवर अनुभव को अचानक झपकी आ गई, जिसके बाद उन्होंने हैंडब्रेक खींच लिया। इससे कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। सौभाग्य से वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने क्रेन की मदद से कार को सीधा कर सड़क किनारे खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि रात के समय लंबी यात्रा करने से बचें, खासकर थकान या नींद आने की स्थिति में। थानाध्यक्ष रावत ने कहा ऐसी अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए यात्रा के दौरान ब्रेक लेना और सतर्क रहना जरूरी है।

दिल्ली में इंटरनेशनल ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश पुलिस ने 10 करोड़ की ड्रग्स की बरामद

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल की। दिल्ली पुलिस ने एक इंटरनैशनल स्तर पर काम कर रहे ड्रग रैकेट का भांडा फोड़ किया है । इस कार्रवाई में अफ्रीकी मूल की एक महिला समेत दो आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है । जिनके कब्जे में करीब आठ किलो मेथामफेटामाइन बरामद की गई है। आरोपियों से जब्त की गई नशीले पदार्थ की इंटरनेशनल मार्केट में कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को दिल्ली एनसीआर में अफ्रीकी मूल के कुछ लोगों के द्वारा नशीले पदार्थ की तस्करी की हम जानकारी मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने 26 अप्रैल को एक महिला के धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास ड्रग्स के साथ पहुंचने की सूचना पर अपना जाल बिछाया। रात अफ्रीकी महिला यासमीन टोरे को एक लाल रंग की ट्रॉली बैग और हैंडबैग के साथ पकड़ा गया। वहीं दिल्ली पुलिस के द्वारा जब तलाशी ली गई तो महिला के बैग से 6 किलो में मेथामफेटामाइन बरामद की गई। मौके पर उसे दिल्ली पुलिस के द्वारा महिला को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। दिल्ली पुलिस की पूछताछ में अफ्रीकी मूल की महिला यासमीन ने खुलासा किया कि वह एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा है । और उसे यह खेप तिलक नगर रहने वाले एक अन्य अफ्रीकी नागरिक एनोंच टार उर्फ पीटर से मिली थी। पुलिस ने 6 में को ऐनोच को तिलक नगर से गिरफ्तार किया और उसके फ्लैट से 2 किलो मेथामफेटामाइन और बरामद किया। दिल्ली पुलिस की पूछताछ में यासमीन ने बताया कि वह पिछले दो सालों से ड्रग तस्करी में शामिल है । वह नशीले पदार्थों को बैग में बने एक गुप्त पॉकेट में छुपा कर लंबी दूरी की बसों से अहमदाबाद होते हुए बेंगलुरु और मुंबई भेजती थी जबकि वापसी में वह फ्लाइट से दिल्ली आती थी। दिल्ली पुलिस की जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी भारत में अवैध रूप से रह रहे थे । उनके पास वैध ट्रैवल दस्तावेज नहीं थे । यासमीन मार्च 2024 में टूरिस्ट वीजा पर आई थी, जबकि एनोच मार्च 2023 में बिजनेस वीजा पर भारत आया था। लेकिन दोनों पुलिस को वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। एनोच तिलक नगर में कपड़े और खाने का कारोबार करता था। पुलिस ने फिलहाल दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अलावा विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की है। पुलिस अब अन्य सदस्यों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी में जुट गई है।

रेप पीड़िता हुई प्रेग्नेंट तो कोर्ट से बोली- मैं अबॉर्शन नहीं करवाऊंगी जज ने सुनाया फैसला

भोपाल, 25 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में एक अनोखा मामला सामने आया है। आमतौर पर जब दुष्कर्म पीड़ित महिलाएं या लड़कियां गर्भवती होती हैं तो वह अदालत से अबॉर्शन की इजाजत मांगती हैं। लेकिन मंडला जिले की एक नाबालिग लड़की, जो दुष्कर्म की शिकार हुई थी। उसने अपने परिवार के साथ मिलकर हाई कोर्ट से बच्चे को जन्म देने और पालने की अनुमति मांगी। कोर्ट ने न सिर्फ इस अनुरोध को स्वीकार किया। बल्कि सरकार को भी पीड़ितों के कल्याण के लिए ठोस नीति बनाने के निर्देश दिए। यह मामला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच के जस्टिस विनय सराफ के सामने पेश किया गया। जानकारी के मुताबिक मंडला जिले के एक गांव में कुछ समय पहले इस नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म हुआ था। आरोपी के खिलाफ मुकदमा चला और उसे दोषी ठहराते हुए सजा भी सुनाई गई। बाद में पता चला कि लड़की गर्भवती है। यह खबर सामने आने के बाद परिवार ने मिलकर फैसला लिया कि वह इस बच्चे को जन्म देकर उसका पालन-पोषण करेंगे। यहां पीड़िता ने कोर्ट से गर्भपात की नहीं बल्कि बच्चे को जीवन देने की इजाजत मांगी। इस याचिका को गंभीरता से लेते हुए न्यायमूर्ति विनय सराफ ने इस पर सहानुभूति से विचार किया। कोर्ट ने मेडिकल बोर्ड की देखरेख में लड़की को सुरक्षित डिलीवरी की इजाजत दी और आदेश दिया कि उसके स्वास्थ्य की पूरी जिम्मेदारी मेडिकल टीम उठाएगी। हाई कोर्ट ने इस मामले में सिर्फ अनुमति देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि एक बड़ी पहल करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह ऐसे मामलों में पीड़ित महिलाओं और लड़कियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सुरक्षा की दिशा में ठोस और स्पष्ट नीति बनाए। साथ ही कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि इस नवजात बच्चे की 12वीं तक की पढ़ाई का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इस फैसले ने न्यायिक दृष्टिकोण में करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल कायम की है।

चैरिटी कमिश्नर की वेबसाइट चालू करने के लिए कदम उठाने का आदेश; बॉम्बे हाईकोर्ट का अहम फैसला

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर की वेबसाइट में गंभीर समस्याओं का संज्ञान लिया है। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और कमिश्नर कार्यालय को इसे तत्काल चालू करने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है। आदेश अधिकारियों की ओर से एक-दूसरे पर आरोपों की बौछार के बीच आया। दरअसल, चैरिटी कमिश्नर कार्यालय ने दावा किया कि राज्य सरकार वेबसाइट के सुचारू संचालन के लिए मदद नहीं कर रही है, जबकि सरकार के महाराष्ट्र सूचना प्रौद्योगिकी निगम लिमिटेड (एमएएचए आईटी) ने कहा कि कमिश्नर कार्यालय ने आवश्यक विवरण नहीं दिया है। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने इस महीने की शुरुआत में पारित आदेशों में चैरिटी कमिश्नर कार्यालय को निर्देश दिया कि वह वेबसाइट से संबंधित सभी मुद्दों को हल करने के लिए महा आईटी के साथ संपर्क करने के लिए एक अधिकारी को नियुक्त करे। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि चैरिटी कमिश्नर की वेबसाइट में गंभीर समस्याएं हैं। कोर्ट ने कहा कि हालांकि, चैरिटी कमिश्नर के कार्यालय ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी कि उसकी वेबसाइट काम कर रही है, लेकिन यह झूठ है। कोर्ट श्रद्धा मोरे द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राज्य चैरिटी कमिश्नर के अधीन नामित अधिकारियों के समक्ष मामलों को ई-फाइल करने के विकल्प की अनुपलब्धता के बारे में चिंता जताई गई थी। इसके बाद ही चैरिटी कमिश्नर ने अदालत के सामने एक रिपोर्ट पेश की, जिसमें कहा गया कि संगठन की वेबसाइट अगस्त 2016 से चालू है। महा आईटी इसका प्रबंधन कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि चैरिटी संगठन को राज्य डेटा सेंटर के सर्वर पर प्रति माह लगभग 500 जीबी स्थान की आवश्यकता होती है। हालांकि, इसे प्रदान नहीं किया जा रहा था और इसलिए वेबसाइट कई दिनों तक काम नहीं करती थी। महा आईटी ने हाईकोर्ट की पीठ को सूचित किया कि चैरिटी कमिश्नर के कार्यालय से कई मुद्दों पर देरी से जवाब मिल रहे हैं, जिसके कारण वह आवश्यक कार्य करने में असमर्थ है। इसके बाद कोर्ट ने चैरिटी कमिश्नर को निर्देश दिया कि वह महा आईटी कर्मचारियों के साथ वार्षिक रखरखाव अनुबंध फाइनल करने के लिए एक अधिकारी को नियुक्त करे। कोर्ट ने आदेश दिया कि सर्वर को अपग्रेड करने और अप-टू-डेट तकनीकी आवश्यकताओं को स्थापित करने के लिए सभी आवश्यक आवश्यकताओं को यथासंभव शीघ्रता से और तीन सप्ताह के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को सर्वर को अपग्रेड करने और क्लाउड स्पेस खरीदने के लिए तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, 'चैरिटी कमिश्नर को निर्देश दिया जाता है कि वह अपने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को सभी कार्यवाहियों का डेटा अपडेट करने का निर्देश दें। ऐसे आदेशों या कार्यवाहियों को अपलोड करने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए।' पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 जून को तय की। कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई तक चूंकि वेबसाइट चालू नहीं है, इसलिए पक्षों को अपनी कार्यवाही मैन्युअल या ऑफलाइन दाखिल करने की अनुमति है।

शाहदरा में ई-चार्जिंग स्टेशन में लगी भयानक आग, दो लोगों की जिंदा जलकर मौत; चार घायल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आग लगने का मामला सामने आया है। यहां एक ई-चार्जिंग स्टेशन में अचानक आग लग गई। आग लगने की इस घटना में दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई है। ये पूरी घटना शाहदरा इलाके की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक रविवार की सुबह-सुबह ई-चार्जिंग स्टेशन में आग लगी। हालांकि सूचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की पांच गाड़ियों को रवाना किया गया। थोड़ी देर में आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में दो की मौत, जबकि चार लोग घायल बताए जा रहे हैं। दरअसल, दिल्ली के शाहदरा इलाके में रविवार (25 मई) को एक ई-चार्जिंग स्टेशन में भीषण आग लग गई। आग लगने की घटना सुबह करीब 6:40 बजे शाहदरा के मोती राम रोड के पास हुई। दमकल विभाग को सूचना मिली और करीब पांच दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

प्री मानसून बारिश से महाराष्ट्र में हजारों एकड़ प्याज की फसल बर्बाद, किसानों को भारी नुकसान

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में प्री मानूसन बारिश ने प्याज किसानों की मुसीबत बढ़ा दी है। बारिश के चलते प्याज उत्पादक आठ राज्यों में हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई। इसके चलते किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक किसान संघ के संस्थापक अध्यक्ष भारत दिघोल्ड ने बताया कि बारिश के कारण हजारों एकड़ में प्याज की फसल बर्बाद हो गई है। बारिश जारी है। ऐसे में नुकसान का आकलन नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि धुले, नासिक, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे, सोलापुर, बीड, धाराशिव, अकोला, जालना, बुलढाणा और जलगांव जैसे प्याज उत्पादक जिलों में बेमौसम बारिश हुई है। प्याज की कीमतें पहले से ही नीचे थीं और बेमौसम बारिश के कारण और गिर गई हैं। उन्होंने कहा कि लासलगांव बाजार में 20 मई तक औसत कीमत 1,150 रुपये प्रति क्विंटल थी। उन्होंने कहा कि प्याज उत्पादक किसान रबी सीजन के लिए एक साल पहले से तैयारी शुरू कर देते हैं। नर्सरी अगस्त-सितंबर में स्थापित की जाती है और नवंबर से जनवरी तक इसकी दोबारा बोवाई होती है। इस साल जिन किसानों ने मार्च से पहले फसल काट ली है, उन्हें प्रति एकड़ अच्छी उपज मिली है। जबकि अप्रैल-मई में कटाई करने वाले किसान भाग्यशाली नहीं रहे। क्योंकि फसल को अत्यधिक गर्मी और बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ा है। कई किसानों के पास भंडारण की सुविधा नहीं है और जो लोग खेतों में अपनी उपज का भंडारण करते हैं, वे बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इन किसानों की कटी हुई फसल भीग गई। जबकि कई इलाकों में खड़ी फसलें भी नष्ट हो गई। दिघोल्ड ने कहा कि नासिक देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक क्षेत्र है और 2024-25 में 2,90,136 हेक्टेयर में फसल की खेती की गई, जबकि 2023-24 में 1,67,285 हेक्टेयर और 2022-23 में 2,48,417 हेक्टेयर में फसल की खेती की गई। 2019 से केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद निर्यात मजबूत रहा है और पर्याप्त राजस्व प्राप्त हुआ है। प्याज उत्पादन में महाराष्ट्र देश में अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि 2018-19 में 21.83 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया, जिससे 3,468 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई। 2019-20 में 11.49 लाख टन निर्यात किया गया और राजस्व 2,320 करोड़ रुपये था। 2021-22 में यह 15.73 लाख टन और 3,432 करोड़ रुपये था और 2022-23 में हमने 25.25 लाख टन प्याज का निर्यात किया और 4,522 करोड़ रुपये कमाए। 2023-24 के लिए यह आंकड़ा 17.17 लाख टन और 3,922 करोड़ रुपये था। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक किसान संघ के संस्थापक अध्यक्ष भारत दिघोल्ड ने कहा कि केंद्र सरकार को देश में आवश्यक वार्षिक उत्पादन को सार्वजनिक करना चाहिए ताकि किसान इसके मुताबिक योजना बना सकें और अतिरिक्त उपज का निर्यात किया जा सके। ऐसी स्थिति में प्याज की कोई कमी नहीं होगी और उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर प्याज मिल सकेगा। जब प्याज की कीमतें बढ़ती हैं, तो सरकार निर्यात शुल्क, न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाकर और निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाती है। इससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है।

जलभराव से डूबे वाहन-ट्रैफिक जाम बारिश से बिगड़ी दिल्ली की सूरत, आप बोली- 4 इंजन वाली सरकार का कमाल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में रातभर भारी बारिश और आंधी की वजह से कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए तथा कई इलाकों में जलभराव की स्थिति का सामना करना पड़ा। इस वजह से विमान सेवाएं भी बाधित हुईं। जलभराव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे 'चार इंजन वाली' सरकार की नाकामी करार दिया। आप पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट के जरिए राजधानी के कई जलमग्न इलाकों जैसे धौला कुआं, दिल्ली कैंटोनमेंट और आईटीओ की कई तस्वीरें साझा कीं। पोस्ट में कहा, "दिल्ली में थोड़ी देर की बारिश होती है और सड़कें लबालब भर जाती हैं। ये सड़कें बीजेपी के चार खटारा इंजन वाली सरकार की कहानी बता रही हैं..." आम आदमी पार्टी के अनुसार, दिल्ली में ऐसा कोई इलाका नहीं है जहां जलभराव न हुआ हो, जो बीजेपी की चार इंजन वाली सरकार की नाकामी की कहानी बयां करता है।" मिंटो ब्रिज का वीडियो पोस्ट कर आप ने कहा, मिंटो ब्रिज के नीचे जरा सी बारिश में ऐसा जलभराव हो गया, जिसमें एक कार ही डूब गई। पिछले दिनों मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री परवेश वर्मा यहां फोटोशूट करवाकर गए थे। लेकिन उन्होंने यहां सिर्फ फोटोशूट कराया, कोई काम नहीं किया। यह इसी का नतीजा है कि जलभराव में कार डूब गई। दिल्ली के वीआईपी इलाकों में गिने जाने वाले चाणक्यपुरी में भी जलजमाव की स्थिति दिखी। आप ने पोस्ट कर कहा, "चाणक्यपुरी दिल्ली के सबसे वीआईपी इलाकों में से एक है और यहां कई देशों के दूतावास हैं। चार इंजन की सरकार में यहां भी जरा सी बारिश में जलभराव हो गया है।" हालांकि आप के कई आरोपों पर बीजेपी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी मिंटो ब्रिज का एक वीडियो साझा किया – यह एक ऐसा स्थान है जहां हमेशा जलभराव रहता है। इससे पहले दिल्ली में रातभर भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान की वजह से काफी तबाही हुई। पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। यही नहीं कई इलाके जलमग्न भी हो गए। मौसम विभाग के अनुसार, शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र ने रात 11.30 बजे से सुबह 5.30 बजे के बीच 6 घंटों में 82 किलोमीटर की स्पीड से तेज हवाएं चलने और 81.2 मिमी बारिश दर्ज की।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 26 मई - 2025

चीन को रणनीतिक संदेश

भारत ने चीन की विस्तारवादी रणनीति को देखते हुए उसके पेंच कसने शुरू कर दिए हैं। योजना अनुसार नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी 2026 को, अरुणाचल प्रदेश और पूरे भारत से हजारों लोग सूर्य नमस्कार उस डोंग गांव में करेंगे जहां भारतीय धरती पर पहला सूर्योदय होता है। यह भव्य आयोजन रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्व से भरा होगा। डोंग गांव भारत-चीन-म्यांमार के त्रिकोणीय जंक्शन के पास एक पहाड़ी गांव है। यह फेस्टिवल 13 मई को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृत किया गया था। यह बैठक किबिथू में हुई थी। किबिथू एक फॉरवर्ड आर्मी पोस्ट है जो चीनी सीमा से लगा हुआ है। पहला सनराइज फेस्टिवल पूर्वी हिमालय के बैकग्राउंड में होगा। यह सीमा के पास 29 दिसंबर, 2025 से 3 जनवरी, 2026 तक चलेगा। मुख्य आकर्षण में स्थानीय बैंड का संगीत, वाटर स्पोर्ट्स, ट्रेकिंग और नए साल के दिन हजारों लोगों द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार शामिल होगा। किबिथू में कैबिनेट बैठक और सीमावर्ती गांव में फेस्टिवल का प्रस्ताव चीन को रणनीतिक संदेश देने के लिए महत्वपूर्ण है। शिलॉन्ग (मेघालय) और सिलचर (असम) के बीच 166 किलोमीटर के ग्रीनफील्ड राजमार्ग को मंजूरी दी गई है। इससे मिजोरम और म्यांमार में सिटवे पोर्ट तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। डोंग में सीमा उत्सव के जरिए एक रणनीतिक योजना बनाई गई है। यह सड़क, बंदरगाह और सीमा उत्सव भारत के पूर्वोत्तर को सुरक्षित करने और उपमहाद्वीप में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। 2017 में, भारतीय सेना का चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ डोकलाम में टकराव हुआ था। पीएलए भूटान के अंदर एक सड़क का विस्तार करने के लिए उपकरण लाया था। नई दिल्ली की मुख्य चिंता बीजिंग द्वारा कमजोर सिलीगुड़ी कॉरिडोर के करीब आने का प्रयास था। सिलीगुड़ी कॉरिडोर को चिकन नेक के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तरी बंगाल में लगभग 22 किलोमीटर की एक संकरी पट्टी है। यह पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र भूमि मार्ग है। भारत ने चीनी सेना को सड़क बनाने से रोक दिया। इसके बाद भारत ने कॉरिडोर पर निर्भरता कम करने के लिए एक रणनीतिक विकल्प पर काम करना शुरू कर दिया। एक महत्वपूर्ण कदम जमुना नदी (बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र का नाम) में ड्रेजिंग मशीनें भेजना था। सिराजगंज और दैखावा के बीच 175 किलोमीटर का एक खंड कार्गो जहाजों के लिए बहुत उथला पाया गया। चैनल को गहरा करने और एक नया व्यापार मार्ग खोलने के प्रयास किए गए। भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल हमले शुरू करने से एक सप्ताह पहले, पूर्वोत्तर में एक बड़े बुनियादी ढांचे को मंजूरी दी। यह मेघालय में मावलिंगखुंग (शिलॉन्ग के पास) से असम में पांचग्राम (सिलचर के पास) तक एक चार लेन का ग्रीनफील्ड राजमार्ग है। प्रस्तावित 166 किलोमीटर के खंड में से 144 किलोमीटर मेघालय की पहाड़ियों से होकर गुजरेगा। एक ऐसे क्षेत्र में जहां पहले से ही एक मौजूदा शिलॉन्ग-सिलचर सड़क है, वहां एक एक्सेस-नियंत्रित राजमार्ग की योजना बनाना असामान्य लग सकता है। लेकिन रणनीतिक रूप से, इसका महत्वपूर्ण मूल्य है।

गांवों की राजनीति से शुरू होगा 2027 का सियासी महाकुंभ

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में दो साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले 2026 में होने वाले पंचायत चुनाव को राजनीतिक दलों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट कहा जा रहा है, क्योंकि इसके नतीजे आने के बाद ही प्रदेश की सियासी तस्वीर साफ होगी। चुनाव आयोग ने पंचायत चुनाव के लिए पूरी तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही अधिसूचना जारी करने की संभावना है। ऐसे में राजनीतिक दल भी अपनी-अपनी रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं। पंचायत चुनाव से न केवल दलों की लोकल पकड़ का पता चलेगा, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए उनकी रणनीतियों की दिशा भी तय होगी। उत्तर प्रदेश के गांवों में पंचायत चुनाव को लेकर जो सरगर्मी दिख रही है, उससे यह साफ हो गया है कि ये चुनाव प्रदेश की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। उत्तर प्रदेश के ग्राम पंचायतों के मौजूदा प्रधानों का कार्यकाल 2026 में खत्म हो रहा है।

लगभग 57,691 ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, 826 ब्लॉक प्रमुख, 3,200 जिला पंचायत सदस्य और 75 जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव होने हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए करीब 1.27 लाख सीआर1 ग्रेड की मतपेटियों की खरीद के लिए ई-टेंडर भी जारी कर दिया है। पिछले चुनाव अप्रैल-मई 2021 में हुए थे, इसलिए इस बार चुनाव की अधिसूचना जनवरी या फरवरी 2026 के दूसरे या तीसरे हफ्ते में जारी होने की उम्मीद है। पंचायत चुनाव तीन स्तरों पर होते हैं – ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा और सियासी रसगुल्ले गांव के प्रधान चुनाव को लेकर होती है, क्योंकि ग्राम प्रधान सीधे गांव की राजनीति पर प्रभाव डालते हैं। पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सभी दल यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आरक्षण के बाद किस सीट पर कौन उम्मीदवार खड़ा हो सकता है। आरक्षण के बाद उम्मीदवारों की संभावनाओं का आकलन करना जरूरी होता है ताकि सही रणनीति बनाई जा सके। बीडीसी सदस्य और जिला पंचायत सदस्य भी होर्डिंग-पोस्टर के जरिए अपनी दावेदारी जताने लगे हैं। नेताओं और निर्वाचन आयोग की इस सक्रियता से साफ है कि पंचायत चुनाव को लेकर सियासी मशीनरी पूरी तरह से सक्रिय हो चुकी है। पिछले पंचायत चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि पंचायत चुनावों में सत्ताधारी दल का ही दबदबा रहता है।

2021 के पंचायत चुनाव में भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस, आरएलडी, आम आदमी पार्टी और कई निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। कुल 3050 जिला पंचायत सदस्य सीटों पर हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी खासा दम दिखाया। भाजपा ने 768 सीटें जीतीं, सपा ने 759, बसपा ने 319, कांग्रेस 125, आरएलडी 69 और आम आदमी पार्टी 64 सीटों पर जीत हासिल की। निर्दलीयों की संख्या 944 रही। भाजपा ने निर्दलीयों को अपने साथ जोड़कर 67 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी अपने नाम कर ली, जबकि सपा महज पांच जिलों में ही अध्यक्ष बना सकी। यह आंकड़ा यह बताता है कि पंचायत स्तर पर भी सत्ता का प्रभाव कितना महत्वपूर्ण होता है। पंचायत चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जाता है, क्योंकि इस चुनाव में ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी संख्या की सीटें शामिल होती हैं।

न्यायपालिका को अपनी साख खुद बचाना है

रघु ठाकुर

जस्टिस वर्मा के घर पर आग के बाद जो खबरें देश में आईं उनसे आम लोगों के दिमाग में एक ही बात उठी है कि न्यायपालिका भी अब ईमानदार नहीं बची है और संदेह के घेरे में है। वैसे भी यह चर्चा आमजन में हो रही है कि न्यायपालिका ईमानदार नहीं है, और न्यायपालिका के भ्रष्टाचार के किस्से आमजनों की जुबान पर चर्चा में होते हैं। अपने 60 के दशक से वकालत के कार्यकाल में मैंने स्वतरू भी ऐसी कई घटनायें सुनी और जानी हैं जिनमें न्यायपालिका के भ्रष्टाचार और ईमानदारी के उच्चतम मूल्यों की भी घटनायें थीं। वैसे भी कोई संस्था चाहे व राजनैतिक हो, न्यायपालिका हो, उच्च सेवा की हो, न संपूर्णतरू ईमानदार होती है न संपूर्णतरू भ्रष्टाचारी। दोनों प्रकार के उदाहरण मिल जाते हैं परंतु दिल्ली हाईकोर्ट के जज श्री वर्मा के घर में लगी आग ने देश की न्यायपालिका की साख को भी आग से जलाया है। उसके कई प्रकार के परिणाम संभावित हैं। एक तरफ न्यायपालिका के भ्रष्टाचार व उनकी कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न चिन्ह लगना शुरू हुये। जस्टिस वर्मा ने जो सफाई दी है कि जो जले नोटों की गड्डी जो उनके स्टोर रूम में थी, उससे उनका कोई संबंध नहीं है। यह बात आम लोगों के गले नहीं उतर रही है। यद्यपि सुप्रीम कोर्ट ने इन हाउस जांच कराई है जिसकी रपट सी.जे.आई. को सौंप दी गई है। परंतु आम लोगों में बहस यह है कि जो जज साहब कड़ी सुरक्षा में रहते हैं, जिनके घर में कोई बिना अनुमति के प्रवेश भी नहीं कर सकता तो नोटों से भरी बोरियां कैसे पहुँची होगी? अगर कोई सुरक्षाकर्मी या सेवाकर्मी की यह बोरियां हैं तो क्या वे बगैर जज साहब की जानकारी के आई होंगी? या वे लोग जज साहब के सौरभ शर्मा हैं कि जो सिपाही रहते हुये 50 करोड़ का सोना अपनी गाड़ी में रख सकता है और कह सकता है कि यह मेरा नहीं है। हालांकि दोनों जांचों के यानि मप्र के सौरभ शर्मा प्रकरण और जस्टिस वर्मा के प्रकरण में फर्क है। सौरभ शर्मा के प्रकरण की जांच राज्य की जांच एजेंसियां राज्य सरकार की निगरानी में कर रही है इसलिये यह चमत्कार संभव है कि इतने बड़े सोने के जखीरे के मालिक का पुलिस पता न लगा सके, वह डायरी ही लापता हो जाये जिसमें सांकेतिक नाम थे और सरकार भी बरी हो जाये कि सौरभ शर्मा की नियुक्ति नियमानुसार हुई है। मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच इतनी चमत्कारी नहीं होगी। देश के वाचाल उपराष्ट्रपति श्री जगदीश धनखड़ ने यह कहकर कि किसी और के घर पर मिलते तो वह जेल में होता, इस बहस को और हवा दे दी है। जस्टिर वर्मा अग्निकांड के पहले जब-जब उच्च न्यायपालिका के माननीय न्यायाधीशों के खिलाफ कोई शिकायतें आयी हैं तो केवल एक जस्टिस कर्णन को छोड़कर किसी और प्रकरण में कोई कार्यवाही हुई हो ऐसा मुझे ध्यान नहीं आ रहा। एक जज साहब के खिलाफ तो संसद में महाभियोग पारित होने वाला था परंतु यह सूचना देकर कि वे इस्तीफा देंगे, महाभियोग वापिस हो गया और जज साहब ने अपना कार्यकाल बगैर इस्तीफा दिये पूरा किया। यद्यपि जस्टिस कर्णन के ऊपर हुई कार्यवाही में सही मानता हूँ। पर न अनुसूचित जाति के लोगों के मन में यह भावना है कि उनके ऊपर कार्यवाही इसलिये हुई क्योंकि वे दलित थे। वैसे भी कई जज साहबान अपने आप को देवपुरुष तो क्या देवता मानने लगे हैं जिनके पास कुछ भी कहने और करने का अधिकार है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज राममनोहर नारायण मिश्रा ने एक प्रकरण की सुनवाई करते हुये अपराधी को बरी किया और कहा कि किसी बच्ची के निजी अंग पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी को तोड़ना, उसे घसीटने की कोशिश करना, यह पास्को अपराध की व्याख्या में नहीं आता, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ समय पहले एक निर्णय में कहा था कि किसी बच्ची को आपराधिक तरीके से स्पर्श करना भी पास्को कानून की श्रेणी जैसा अपराध है। यह एक प्रकार से जज साहब की अराजक मानसिकता और न्यायप्रणाली की आंतरिक अराजकता का भी संकेत है। ऐसी अशोभनीय टिप्पणियां या अव्यवहारिक, अनुचित टिप्पणियां न्यायपालिका के जज साहबान अमूमन करते हैं। पिछले कई दशकों से जजों के चयन का कॉलेजियम सिस्टम बहस के घेरे में है। कॉलेजियम सिस्टम में जज साहब ही जजों की नियुक्ति करते हैं और जाति-परिवार और चौम्बर तीनों बीमारियाँ इस चयन में देखी जाती है। कॉलेजियम सिस्टम जातिवाद के संरक्षण का एक मजबूत कवच भी बना हुआ है, जो उच्च न्यायपालिका को जाति-परिवार और चौम्बर, के आरोप से बचाता है। परिणामस्वरूप उनके फैसलों में भी चतुराई से जाति श्रेष्ठता और हिस्सेदारी को बचाया जाता है। यद्यपि सरकार के हस्तक्षेप से काफी हद तक यह मुक्त रहते हैं और सरकार तथा न्याय पालिका में एक अंतर टकराव भी नजर आता है। पिछले कई दशकों से सरकारें यह प्रयास कर रही हैं कि कॉलेजियम सिस्टम को हटाकर राष्ट्रीय न्यायिक आयोग बनाया जाये जिसके माध्यम से न्यायाधीशों का चयन हो। और जस्टिस वर्मा, जस्टिस मिश्रा की घटना के बाद यह बहस फिर शुरू हुई। दरअसल हमारे देश और संविधान में न्यायाधीशों के लिये अपने सेवाकाल या कार्यकाल में आपराधिक कार्यवाही से मुक्ति दी गई है और उस समय की संविधान सभा की यह सोच थी कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सरकार के भय व दबाव से मुक्ति के लिये उन्हें यह मुक्ति दी जाना चाहिये। परंतु इस प्रावधान का प्रयोग न्यायपालिका के अपराधों को छिपाने या बचाने के लिये होता है। जस्टिस वर्मा जैसी घटनाओं के बाद अब सरकार को न्यायपालिका के चयन के कॉलेजियम सिस्टम जो न्यायपालिका का स्वयं निर्मित सिस्टम था जो कि संवैधानिक नहीं था, को बदलने के छिपे मंसूबे को तर्क मिल गया है। अब न्यायपालिका का सिर झुका होगा और सरकार का सिर उठा होगा। बहुत संभवतरू यह है कि सरकार स्वतरू भी स्वयं कॉलेजियम सिस्टम को बदलनान चाहे क्योंकि जज जातीय श्रेष्ठता के ढांचे को बचाने का कवच भी है, परंतु न्यायिक चयन में सरकार का हस्तक्षेप बढ़ेगा, विशिष्ट विचार और जाति की भागीदारी बढ़ेगी । इसी प्रकार भारत की उच्च नौकरशाही को भी विशेष संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। केंद्रीय सेवा के अधिकारियों को जिस राज्य में वे काम करते हैं उस राज्य की सरकार निलंबित कर सकती हैं परंतु कितना ही बड़ा अपराध क्यों न हो उन्हें दंडित नहीं कर सकती। और इसका लाभ उच्च नौकरशाही उठाती है। सरकारें बदलती हैं तो अधिकारी यहां से वहां बदल जाते हैं। हो सकता है कि मलाईदार सीट कुछ समय को छूट जाती हो परंतु आपस में अदला-बदली का खेल होता रहता है। भ्रष्ट अपराधी अधिकारी अपने बचाव के लिये केंद्र की शरण में जाकर जी हुजूरी करने लगते हैं या फिर दूसरी विपक्ष की सरकार के संभावित मुख्यमंत्रियों की सेवा में लग जाते हैं और राजनैतिक बदलाव के बाद उनके खास बन जाते हैं और मलाईदार सीट पर वापिस आ जाते हैं। राजनैतिक सरकारें तो बदल जाती हैं परंतु ट्रिब्यूनल न्यायिक ब्यूरोक्रेट की सरकार यथावत रहती है। अब समय है कि उनकी नाभि के संभावित अमरत्व को समाप्त करने के लिये कुछ संवैधानिक कदम उठाये जायें जैसे किरू- 1. यह विशेष सुरक्षा कवच समाप्त किया जाये। चयन प्रक्रिया कितनी ही बेहतर हो अगर संवैधानिक रक्षा कवच को नहीं हटाया जायेगा तो हल नहीं निकलेगा। 2. अनकों ऐसी संस्थायें वैधानिक रूप से गठिन कर दी गई हैं कि जो अपराधी अधिकारियों को दंड से बचाने का माध्यम बन जाती है। राज्य प्रशासनिक प्राधिकरण इसी प्रकार की एक गैर जरूरी संस्था हैं। अगर सरकार किसी अधिकारी के विरुद्ध जायज कार्रवाई करे तो वह इन संस्थाओं में अपील कर वर्षों क्या दशकों तक बचने का समय निकाल लेता है और तब तक सेवानिवृत्त होकर सारी सुविधाओं और लाभ के साथ ससम्मान घर पहुँच जाता है। 3. अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने एक एफिशिएंसी विभाग बनाया है जो उच्च अधिकारियों की कार्य क्षमता के आधार पर उन्हें हटाने का निर्णय करेगा। अभी हाल में वहां 30 हजार ऐसे कर्मचारियों को एक कलम से हटा दिया गया। हो सकता है कि कुछ पक्षपात हुआ हो परंतु बेहतर प्रशासन के लिये ऐसे कदम जरूरी है।

26 मई की क्रांति : नया भारत, नया विश्वास

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

एक सामान्य व्यक्ति जब असाधारण संकल्प लेकर उठता है, तो इतिहास स्वयं रास्ता बनाता है - यह कथन 26 मई 2014 को उस ऐतिहासिक पल में साकार हुआ, जब नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह दिन केवल एक शपथ ग्रहण समारोह नहीं था, बल्कि एक नए भारत की नींव, एक नई आशा और एक नई दिशा का प्रतीक था। यह वह क्षण था जब भारत ने न केवल एक नेता चुना, बल्कि एक दृष्टिकोण, एक ऊर्जा और एक क्रांति को गले लगाया। उस दिन राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गूंजी शपथ की आवाज़ देश के 125 करोड़ दिलों में उम्मीद की लहर बनकर दौड़ी। अब, 2025 में, जब हम उनके 11 वर्षों के नेतृत्व को देखते हैं, तो यह स्पष्ट है कि यह दिन केवल एक शुरुआत थी—एक ऐसे युग की, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त, आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर बनाया। नरेंद्र मोदी की कहानी किसी परीकथा से कम नहीं।

गुजरात के वडनगर में एक साधारण परिवार में जन्मे, रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले उस बालक ने कभी सपने देखे थे, जो असंभव लगते थे। लेकिन उनकी कहानी हमें सिखाती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के आगे कोई बाधा टिक नहीं सकती। चाय की केतली से लेकर देश की कमान तक का उनका सफर हर भारतीय को प्रेरित करता है। यह केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं, बल्कि उस विश्वास की कहानी है जो कहता है—सपने वो नहीं जो सोते वक्त देखे जाते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने न दें।

मोदी का व्यक्तित्व केवल प्रभावशाली नहीं, बल्कि प्रेरणादायी है। उनकी सादगी, स्पष्टवादिता और जनता से सीधा संवाद उन्हें आम नेताओं से अलग करता है। 2014 के चुनावों में उनकी आवाज़—"मैं 125 करोड़ भारतीयों के सपनों का प्रतिनिधि हूं"—हर घर, हर गाँव तक पहुंची। यह नारा नहीं, बल्कि एक विश्वास था, जिसने देश को एकजुट किया। जनता ने उनमें एक ऐसे नेता को देखा, जो सिर्फ वादे नहीं करता, बल्कि उन्हें पूरा करने का जज़्बा रखता है।

26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी ने शपथ ली, तो यह केवल एक सरकार का गठन नहीं था, बल्कि एक नए युग का प्रारंभ था। इस दिन की सबसे खास बात थी सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करना। यह कदम न केवल कूटनीतिक था, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और वैश्विक मंच पर उसकी नई भूमिका का प्रतीक था। यह संदेश था कि भारत अब केवल अपने विकास पर ध्यान नहीं देगा, बल्कि अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग और समृद्धि की नई कहानी लिखेगा। मोदी सरकार का पहला कार्यकाल परिवर्तनकारी नीतियों और निर्णायक नेतृत्व का गवाह बना। जन धन योजना ने करोड़ों गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा, जिससे वित्तीय समावेशन का सपना साकार हुआ। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाया, जिसने न केवल शहरों बल्कि गाँवों की तस्वीर बदली। उज्ज्वला योजना ने लाखों महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल ने भारत को आत्मनिर्भरता और आधुनिकता की राह पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

मोदी का प्रशासनिक कौशल उनकी नीतियों की गति और स्पष्टता में झलकता है। उन्होंने लालफीताशाही को चुनौती दी, सरकारी तंत्र को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज किया। चाहे वह जीएसटी के माध्यम से कर प्रणाली में सुधार हो या आयुष्मान भारत के जरिए गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा देना, हर कदम में उनकी सोच स्पष्ट थी—भारत को सशक्त और समृद्ध बनाना। विदेश नीति में नरेंद्र मोदी ने भारत को एक ऐसी शक्ति के रूप में स्थापित किया, जो न केवल अपनी बात रखती है, बल्कि दुनिया को दिशा भी देती है। संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता हो या जलवायु परिवर्तन पर भारत का नेतृत्व, मोदी ने वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज़ को बुलंद किया। उनकी कूटनीति में संतुलन और आत्मविश्वास का अनूठा संगम दिखता है। चाहे वह अमेरिका, रूस, जापान या अरब देशों के साथ संबंध हों, हर कदम पर भारत की गरिमा और हित सर्वोपरि रहे। उनकी जीरो टॉलरेंस नीति ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को एक सशक्त और जवाबदेह राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। ऑपरेशन सिंदूर इस दृढ़ संकल्प का ज्वलंत उदाहरण है, जिसने न केवल आतंकवाद पर करारा प्रहार किया, बल्कि विश्व पटल पर भारत की निर्णायक और निडर छवि को और मजबूत किया।नरेंद्र मोदी का नेतृत्व केवल योजनाओं और नीतियों तक सीमित नहीं है। उनका दृष्टिकोण हर भारतीय को सशक्त बनाने का है। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और अब सबका प्रयास" उनका वह मंत्र है, जो भारत के समावेशी विकास को परिभाषित करता है। यह मंत्र केवल शब्द नहीं, बल्कि एक ऐसा विचार है जो हर भारतीय को यह विश्वास दिलाता है कि वह देश के विकास का हिस्सा है। 26 मई 2014 का दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारत के नवजागरण का प्रतीक है।

यह वह दिन था जब देश ने अतीत की जड़ता को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर कदम बढ़ाया। नरेंद्र मोदी ने न केवल प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली, बल्कि 125 करोड़ भारतीयों के सपनों को अपने कंधों पर उठाया। उनकी यात्रा हमें सिखाती है कि अगर इरादे पक्के हों, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। आज जब हम उस दिन को याद करते हैं, तो गर्व से सीना चौड़ा होता है। 26 मई 2014 ने भारत को एक नया आत्मविश्वास दिया, एक नया जोश भरा और एक नई उम्मीद जगाई। नरेंद्र मोदी केवल एक नेता नहीं, बल्कि उस विश्वास का नाम हैं, जो हर भारतीय के दिल में गूंजता है—"मैं भारत हूं, और मैं बदल रहा हूं।" यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब संकल्प और नेतृत्व एक साथ मिलते हैं, तो इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य रचा जाता है। आज जब हम उस ऐतिहासिक दिन को याद करते हैं, तो गर्व से सीना चौड़ा होता है। नरेंद्र मोदी केवल एक नेता नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। उनकी यात्रा हमें सिखाती है कि अगर इरादे पक्के हों और नेतृत्व में दृढ़ता हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। 2025 में, भारत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल बदल रहा है, बल्कि विश्व मंच पर अपनी एक नई पहचान रच रहा है। यह वह भारत है, जो कहता है—"हम भारत हैं, और हमारा भविष्य उज्ज्वल है।

पवित्रता के ठेकेदार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गाँव के कोने में एक बुज़ुर्ग रहते हैं जिन्हें सब 'पवित्रता के ठेकेदार' कहते हैं। उनकी बातों में ऐसा ठंडापन और कठोर नियम होता है मानो वे किसी प्राचीन नियम-पुस्तक से सीधे उतर आए हों। शादी-ब्याह हो या पूजा-पाठ, यहाँ तक कि छींकने के नियम भी उनके पास दर्ज हैं। उनकी पत्नी ने सात जन्मों तक किसी पुरुष को नहीं देखा, वे अपनी संतानों की शादी मंडप में ही करते हैं, दहेज देने और लेने का नियम कड़ाई से निभाते हैं। अगर कोई अपनी मर्जी से कदम उठाए, तो वे इसे पवित्रता का उल्लंघन मानते हैं। गाँव की कलंक-चर्चा उनका सबसे बड़ा मनोरंजन है। दिनभर वो दूसरों की बुराइयाँ गिनाते, लोगों के कुकर्म गढ़ते और उन घटनाओं पर चूर्ण फूँकते रहते हैं जिससे उनका दिल खुश होता है। बचा-खुचा वक्त वे अपनी मूँछों के सफेद बाल उखाड़ते हुए बिताते हैं, या फिर बर्तन बेचनेवाली की राह देखते रहते हैं, शायद अपने अकेलेपन को भुलाने के लिए। वे अपनी पवित्रता का पूरा ठेका संभाले बैठे हैं, मानो इस ठेकेदारी में उनका जीवन ही समाया हो। खाने के बाद उनका पहला काम कलंक-चर्चा का चूर्ण फूँकना होता है। उनका हाजमा इससे उत्तम रहता है। वे बीते दिनों की कथाएँ बताकर अपनी आत्मा को संतुष्ट करते हैं — दो लड़कियाँ भाग गईं, तीन स्त्रियाँ गर्भपात कर चुकी हैं, चार शादियाँ गैर-बिरादरी में हो गईं, और दो पतिव्रता लोग प्रणय-प्रसंग में फँस गए। हाल ही में तो दांत की तकलीफ़ लेकर आए और फिर भी खबरों का ताना-बाना बुनना नहीं छोड़ा। कहते हैं, "अमुक साहब की लड़की अमुक लड़के के साथ भाग गई है, इलाहाबाद में शादी कर ली। देखो, कितना बुरा ज़माना आ गया।" पर मैं जानता हूँ, वे सच में बुरे ज़माने से दुखी नहीं, बल्कि खुश हैं। जितना ज़्यादा पतन होगा, उन्हें उतना ही गर्व होगा यह कहते हुए कि इतने बुरे समय में भी वे सही राह पर हैं। ये लोग बड़ी चतुराई से अपने पतन को समूह के पतन में बदल देते हैं, ताकि उनकी गलती छुप जाए और वे खुद को सही साबित कर सकें। ये लोग अपनी गिरावट की कहानी खुद गढ़ते हैं और उसपर गर्व करते हैं, जबकि असल में वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से कतराते हैं। मेरी आदत है कि मैं उनकी बातों का पुराण उल्टा-पुल्टा जवाब देता हूँ। एक बार मैंने कहा, "देश में अच्छी शादियाँ तो लड़की भगाकर ही हुई हैं। कृष्ण ने रुक्मिणी का हरण किया था, अर्जुन ने सुभद्रा से शादी की। इसमें उनकी मंजूरी थी, और अगर भाई सहयोग करे तो लड़कियाँ आसानी से भाग जाती हैं।" ये सुन वे चौंक गए, "भगवान कृष्ण की बात अलग है।" मैंने जवाब दिया, "हाँ, भगवान अलग हैं।

भर्ती में समानता की वापसी: सामाजिक-आर्थिक बोनस अंकों पर हाईकोर्ट की सख्ती

प्रियंका सौरभ

भारतीय प्रशासनिक ढांचे में सामाजिक न्याय को एक महत्वपूर्ण स्थान मिला है, लेकिन इसके नाम पर समय-समय पर ऐसे कदम उठाए जाते हैं जो समानता की भावना से टकराते हैं। हरियाणा सरकार द्वारा 2019 में सामाजिक-आर्थिक आधार पर 10 अतिरिक्त अंक देने की नीति इसी प्रकार का निर्णय था। यह नीति उन अभ्यर्थियों को लाभ देती थी जो या तो अनाथ हैं, विधवा मां के पुत्र हैं, परिवार में सरकारी नौकरी नहीं है आदि। यद्यपि यह नीति सहानुभूति के आधार पर प्रेरित थी, लेकिन इससे मेरिट के सिद्धांत को गहरी चोट पहुंची। कई योग्य अभ्यर्थी जिन्होंने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था, वे इस बोनस सिस्टम के कारण बाहर हो गए।

जब कोई छात्र 90 में से 90 अंक लाकर भी चयन से वंचित रह जाए, तो यह सिर्फ परीक्षा की असफलता नहीं, सिस्टम की विफलता होती है। और जब यह गड़बड़ी साफ दिखती हो लेकिन सब चुप हों – तो यह चुप्पी भी अपराध की साझेदार होती है। उस समय बहुतों ने सवाल नहीं उठाए, लेकिन कुछ लोगों ने आवाज़ बुलंद की। मैंने बोल-बोलकर अपना गला फाड़ लिया था कि यह सामाजिक-आर्थिक बोनस अंक प्रणाली असंवैधानिक है, और यह फैसला एक दिन पलटेगा – और उस दिन हजारों ज़िंदगियाँ प्रभावित होंगी। लेकिन उस समय वोट बैंक की राजनीति ने सबकी आंखों पर पर्दा डाल दिया।

मैंने सबसे पहले इस नीति पर संपादकीय लिखे। विरोध सहा, लेकिन बोलती रही। क्योंकि जानती थी – यह फैसला सबको ले डूबेगा। आज जब कोर्ट ने इस पर रोक लगाई है, तो वे बच्चे जीत गए हैं – जिन्होंने सालों तक नौकरी के अधिकार से वंचित होकर लड़ाई लड़ी। लेकिन जो चयनित होकर सेवा दे रहे थे – उनका क्या दोष? वे भी बलि चढ़ा दिए गए।इस पूरी त्रासदी की जड़ है – वोट बैंक की घटिया राजनीति। पहले सहानुभूति के नाम पर नीतियां बनाईं, अब उनका खामियाज़ा भुगतने के लिए निर्दोष युवा छोड़ दिए। बागड़ बिल्लों का तो आज भी कुछ नहीं बिगड़ा – जो भी भुगते, सिर्फ आम छात्र। जो आज अधिकार लेकर खड़े हैं – उन्होंने वो अधिकार लड़कर लिया है, भीख में नहीं।अब सवाल यह है कि उन कर्मचारियों का क्या होगा जो कोर्ट के फैसले के कारण बाहर होंगे? क्या उन्हें कोई पुनर्वास मिलेगा? क्या यह सिस्टम उनसे माफी मांगेगा? गलत का परिणाम गलत ही होता है – और सही का सही। देर-सवेर ही सही। धिक्कार है ऐसी नीतियों पर, जिन्होंने हजारों को प्रताड़ित किया – और जिन्हें हक मिला, वह भी सिर्फ संघर्ष से मिला।

अदालत का हस्तक्षेप और स्पष्ट रुख

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस नीति को संविधान की भावना के विपरीत बताया। अदालत ने आदेश दिया किः भविष्य में इस प्रकार के बोनस अंक नहीं दिए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों को इन अंकों के चलते नियुक्ति मिली, उन्हें वरिष्ठता सूची में नीचे किया जाएगा। तीन माह के भीतर नई मेरिट सूची बनाकर फिर से परिणाम घोषित किए जाएं। यह निर्णय केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि न्याय की दिशा में एक नैतिक सुधार भी है।

लगभग 25 से 30 हजार अभ्यर्थियों को इस नीति से लाभ हुआ। अनेक ऐसे मामले सामने आए जहाँ 90 में से 90 अंक लाने वाले अभ्यर्थी भी चयन से बाहर हो गए, जबकि दूसरों को बोनस के कारण लाभ मिला। यह स्थिति न केवल अयोग्यता को बढ़ावा दे रही थी, बल्कि व्यवस्था में असंतोष भी भर रही थी।

हैरानी की बात यह है कि हरियाणा सरकार ने पिछले वर्ष ही यह बोनस अंक देना बंद कर दिया था। परंतु पहले से हुई नियुक्तियों में इसे लागू नहीं किया गया। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि ऐसे मामले में फैसला भविष्य में लागू होगा जैसे बहाने स्वीकार्य नहीं होंगे, और जो नुकसान मेरिट पर आधारित अभ्यर्थियों को हुआ है, उसकी भरपाई होनी चाहिए।

सवाल यह है कि क्या ऐसे निर्णय व्यावहारिक हैं? जो लोग पिछले 2-3 वर्षों से नौकरी कर रहे हैं, क्या उन्हें नीचे किया जाएगा? क्या इससे प्रशासनिक ढांचे में अव्यवस्था नहीं फैलेगी? जवाब है – यदि शुरुआत ही गलत हो, तो व्यवस्था का टिकना अन्याय पर होगा। न्याय की गाड़ी को अस्थायी हानि सहकर भी सही ट्रैक पर लाना जरूरी है। यह विषय उन हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है जो बिना किसी विशेष लाभ के मेहनत से आगे बढ़ना चाहते हैं। परंतु दुर्भाग्य से अधिकांश राजनीतिक दल इस पर मौन हैं क्योंकि ये नीतियाँ अक्सर वोट बैंक को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। एक अभ्यर्थी की यह टिप्पणी इस स्थिति को बखूबी दर्शाती हैः हमने मेहनत की, टॉप किया, फिर भी नौकरी नहीं मिली, क्योंकि हम 'सामाजिक-आर्थिक रूप से विशेष' नहीं थे। अब कोर्ट ने हमारी बात सुनी है।

नीतियों की समीक्षा होनी चाहिएः किसी भी सरकारी नीति को लागू करने से पहले यह देखा जाना चाहिए कि क्या वह समानता के सिद्धांत से मेल खाती है। बोनस अंक की बजाय विशेष प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, और परामर्श सुविधाएं दी जा सकती हैं।

घटता-बढ़ता चमत्कारी शिवलिंग, चढ़ाएं एक लोटा पानी, पाएं हर मुसीबत से मुक्ति

पूरी दुनिया में भोलेनाथ के सभी शिवलिंग आकाश मुखी है, लेकिन कनखल हरिद्वार दक्षेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग पाताल मुखी है। ये जगह भोलेनाथ की ससुराल भी है। यहां एक लोटा जल चढ़ाने मात्र से सभी समस्याएं खत्म हो जाती हैं। सावन में यहां पूजा-पाठ अधिक फल देता है।

कुंडी सोटेश्वर महादेव मंदिर हरिद्वार के नजीबाबाद रोड पर एक छोटी सी पहाड़ी पर है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, यहां स्वयंभू शिवलिंग है। कहा जाता है कि आज भी भगवान शिव के गण यहां रहते हैं। प्राचीन काल में जब भगवान शिव की बारात आई तो इसी स्थान पर जलपान कराया गया। यहां भगवान शिव का जलाभिषेक करने पर खास फल मिलता है। नीलेश्वर महादेव मंदिर का वर्णन शिव महापुराण समेत कई धार्मिक ग्रंथों में है। समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने मानव कल्याण के लिए इसी स्थान पर पिया था। इस कारण आज भी ये शिवलिंग नीला है। ये शिवलिंग हरिद्वार के नील पर्वत पर है। ये शिवलिंग स्वयंभू है और इस मंदिर के सामने बहने वाली गंगा नीली है। गौरी शंकर महादेव मंदिर हरिद्वार में नील पर्वत की तलहटी में है। इस मंदिर का वर्णन शिव महापुराण और कई धार्मिक ग्रंथों में है। यहां जलाभिषेक करने और पूजा पाठ से भगवान शिव, माता पार्वती की विशेष कृपा बनी रहती है। इस स्थान पर भगवान शिव और माता पार्वती के दो हवन कुंड हैं, जो द्वापर और त्रेता युग के बताए गए हैं। इस स्थान से जुड़ा एक प्राचीन गौरी कुंड मंदिर से कुछ दूरी पर है।

भीमेश्वर महादेव मंदिर हर की पौड़ी से एक किलोमीटर की दूरी पर भीमगोडा में है। ये शिवलिंग पांडवों से जुड़ा है। जब पांडव अपना राज-पाठ पूरा करके हिमालय जा रहे थे तो इस स्थान पर उन्होंने रात गुजारी थी। पांडवों ने भगवान शिव की आराधना करने के लिए रेत से शिवलिंग बनाया था। रेत से बना ये शिवलिंग आज भी है। यहां सभी मनोकामना पूरी होती हैं। इस स्थान पर गुप्त गंगा भी है।

तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव की ससुराल कनखल में गंगा किनारे है। यहां भगवान शिव का चमत्कारी शिवलिंग है, जिसका वर्णन शिव महापुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में किया गया है। जब राजा दक्ष ने भगवान शिव का अपमान किया था तो उनकी बातों से दुःखी होकर माता सती ने हवन कुंड में अपना शरीर त्याग दिया था। इससे क्रोधित होकर भगवान शिव अपने महाकाल रूप में कनखल आए थे। इसी स्थान पर अपना विशाल महाकाल रूप सूक्ष्म रूप में किया था। इस स्थान पर पूजा पाठ और भगवान शिव का अभिषेक करने से सभी समस्याएं तिल-तिल कर खत्म हो जाती हैं। ये चमत्कारी शिवलिंग हर महीने घटता और बढ़ता है।

धन प्राप्ति के करें ये 5 आसान टोटके, मां लक्ष्मी की होगी कृपा! धन-दौलत से भर जाएगी तिजोरी

कौन नहीं चाहता कि मां लक्ष्मी की कृपा उन पर हो। क्योंकि, धन और वैभव की देवी माता लक्ष्मी की कृपा जिस पर हो जाती है, उसका घर धन, दौलत, वैभव से भर जाता है। ऐसे जातक के जीवन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहती है। बहुत से ऐसे भी लोग हैं जिनके पास धन आता तो है, लेकिन रुकता नहीं है। ऐसे लोग भी हमेशा परेशान और घर में दरिद्रता बनी रहती है। इसके लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं। लेकिन, वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनका पालन करने से घर में मां लक्ष्मी कृपा होती है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा और धन की कमी नहीं होती है।

मां लक्ष्मी की कृपा पाने के सबसे कारगर उपाय

– ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए अपने पास सुंदर और शांत मुद्रा वाली मूर्ति रखें। या आप चाहें तो इस तस्वीर को घर के पूजा स्थल या उत्तर-पूर्व दिशा में भी रख सकते हैं। इसके बाद उनकी रोज श्रद्धा से पूजा करने से घर में बरकत बनी रहती है और दरिद्रता दूर होती है। उनकी कृपा से जीवन में स्थायित्व और आर्थिक प्रगति मिलती है।

– अगर आप चाहते हैं कि आपके घर की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहे, तो कुबेर जी की मूर्ति को उत्तर दिशा में रखें। यह दिशा स्वयं कुबेर की मानी जाती है। उनकी उपस्थिति घर में स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक होती है और यह उपाय आर्थिक परेशानियों को दूर करने में सहायक होता है।

– पूजा स्थल पर शंख रखना और उसे रोज सुबह-शाम बजाना घर में नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। यह घर के वातावरण को पवित्र बनाता है और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। वास्तु में शंख को लक्ष्मीजी का प्रतीक भी माना गया है, इसलिए यह विशेष रूप से शुभ होता है।

– घर में एक्वेरियम रखना और उसमें सुनहरी या रंगीन मछलियों का जोड़ा रखना अत्यंत शुभ होता है। खासकर दो मछलियों का जोड़ा प्रेम, संतुलन और धन-संपत्ति का सूचक होता है। यह उपाय न सिर्फ घर को सजावटी रूप देता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है।

– वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर हाथी की जोड़ी मूर्तियां रखने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश रुकता है और घर की सुरक्षा बनी रहती है। साथ ही, हाथी की प्रतिमा मानसिक शक्ति और पारिवारिक एकता को भी बढ़ावा देती है।

जो व्यक्ति आलस छोड़कर समय और नियमों का पालन करता है, वह सफल जरूर होता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हमारी शक्तियां कैसे जागती हैं?

हमें आध्यात्मिक जीवन अपनाना चाहिए और प्रकृति के निकट रहना चाहिए। आलस छोड़कर समय का पालन करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। जो व्यक्ति स्वाभाविक और नियमों का पालन करता है, सत्य को अपनाता है, सेवाभावी है, वह अपने जीवन में सभी सिद्धियां प्राप्त करता है। हमें बाहरी दिखावे से बचें और अपने स्वभाव में सरलता बनाए रखें।

अमृत बन जाएगा यहां का पानी पितरों को मिलेगा सीधा मोक्ष

हिंदू धर्म में गंगा दशहरे के पर्व को खास माना गया है। गंगा दशहरा के दिन मां गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं। इस दिन को हिंदू धर्म के लोग धूमधाम से मनाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मां गंगा का धरती पर आगमन मानव कल्याण के लिए हुआ था। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या के बाद मां गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी लोक पर आई थीं। मां गंगा के धरती पर अवतरित होने के बाद ही राजा भागीरथ के पूर्वज और राजा सागर के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इस दिन गंगा में स्नान करने और अपने पितरों, पूर्वजों के निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करने की बात कही गई है। साल 2025 में गंगा दशहरा 5 जून बृहस्पतिवार को पड़ रहा है। खास नक्षत्र और खास योग में होने से इसका कई गुना लाभ मिलेगा।

करें ये काम

गंगा दशहरे के पर्व का आगमन किस नक्षत्र और योग में होगा, इस बारे में ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि इस बार गंगा दशहरा हस्त नक्षत्र और सिद्धि योग में होगा। इस दिन गंगा में स्नान करने और गंगा के मंत्रों का जाप करने से सभी कार्यों में सफलता और सिद्धि मिलेगी। गंगा दशहरे के दिन सफलता और सिद्धि प्राप्त करने के कई उपाय बताए गए हैं। जैसे ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने दैनिक कार्यों से निवृत होकर गंगा स्नान कर और गंगा के मंत्रों का जाप करें। गंगा स्नान के बाद गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनके दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुएं दान दें। ऐसा करने से सभी रुके हुए काम बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाते हैं। पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि मां गंगा का सबसे अधिक महत्त्व हरिद्वार हर की पौड़ी पर है। भगवान ब्रह्मा की तपोस्थली और अमृत वर्षा होने के कारण गंगा दशहरे के दिन हर की पौड़ी का जल अमृत के समान हो जाता है।

इस दिन हर की पौड़ी पर स्नान ध्यान करने का कई गुना फल प्राप्त होता है। हस्त नक्षत्र और सिद्धि योग होने के कारण अपने पितरों पूर्वजों को मोक्ष देने के लिए श्राद्ध कर पिंडदान आदि करने पर उसका संपूर्ण से अधिक लाभ मिलता है।

इससे पितृ सदैव अपने वंशजों पर आशीर्वाद बनाए रखते हैं। हस्त नक्षत्र में सभी रुके हुए कार्य, शत्रुओं पर विजय, विद्या की प्राप्ति, धन की प्राप्ति और शत्रु बाधा समेत अनेक समस्याएं खत्म हो जाती हैं। साल 2025 में गंगा दशहरे का पर्व अद्भुत संयोग में आ रहा है।

हरे रंग से सजाएं किचन का वॉटर-एयर ज़ोन, पाएं वास्तु की सकारात्मकता

घर बनाते समय हर चीज़ का ध्यान रखना ज़रूरी होता है, खासकर जब बात किचन की हो। किचन सिर्फ खाना बनाने की जगह नहीं होती, यह पूरे घर की ऊर्जा का केंद्र होता है। इसी वजह से लोग वास्तु के अनुसार चीज़ों को सही जगह और सही रंग में लगाने की कोशिश करते हैं। आज हम बात करेंगे किचन में ग्रीन कलर के पत्थर लगाने के बारे में, खासतौर पर वाटर और एयर ज़ोन में। कुछ लोग पूछते हैं कि "क्या पत्थर ही ज़रूरी है?" तो जवाब है नहीं। आप चाहें तो ग्रीन रंग का कोई भी सामान इस्तेमाल कर सकते हैं। पेंट हो, कपड़ा हो, टेप हो या कोई और चीज़ अगर वह हरे रंग की है तो चल सकती है।

वास्तु के मुताबिक़ किचन में पानी और हवा वाले हिस्सों पर ग्रीन कलर सकारात्मक असर डालता है। इससे संतुलन बना रहता है और घर में शांति का माहौल रहता है। यह रंग ताज़गी, शांति और सेहत का प्रतीक माना जाता है। अब सवाल यह है कि लोग क्या-क्या इस्तेमाल करते हैं? कुछ लोग वहां हरे रंग की विनाइल शीट लगा देते हैं। कुछ लोग पत्थर लगवाते हैं जो दिखने में भी अच्छा लगता है और टिकाऊ भी होता है। कुछ लोग तो पूरा ग्रेनाइट ही हरे रंग का करवा देते हैं, ये सब आपकी पसंद पर निर्भर करता है। ज़रूरी यह नहीं है कि आप ज़रूर पत्थर ही लगाएं, ज़रूरी यह है कि वह हिस्सा हरे रंग में दिखे।

अक्सर देखा गया है कि लोग चूल्हा उठाकर उसके नीचे ग्रीन कलर का पत्थर रख देते हैं।

इससे यह संकेत मिलता है कि आपने वास्तु का ध्यान रखा है और किचन का संतुलन बना हुआ है। यह तरीका बहुत आम हो गया है और लोग इसे बिना ज्यादा खर्च के अपना लेते हैं।

अगर आप घर बना रहे हैं या किचन रेनोवेट करवा रहे हैं, तो इन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना फायदेमंद रहेगा। वास्तु शास्त्र चाहे आप मानें या न मानें, लेकिन यह तय है कि अगर आपका किचन साफ-सुथरा और रंगों के हिसाब से संतुलित है, तो वहां काम करने का मन भी अच्छा रहता है।

घर के मुख्य दरवाजे को बनाएं समृद्धि का प्रवेश द्वार स्वास्तिक, नेमप्लेट और सिंदूर के चमत्कारी उपाय

हर व्यक्ति चाहता है कि उसका घर सुख, शांति और समृद्धि से भरा हो। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि घर की सकारात्मकता केवल उसकी सजावट या स्थान से नहीं आती, बल्कि उस ऊर्जा से आती है जो वहां प्रवेश करती है और इस ऊर्जा का मुख्य रास्ता होता है घर का प्रवेश द्वार। यह वह जगह है जहां से बाहरी वातावरण की अच्छी या बुरी तरंगें घर के भीतर आती हैं।

स्वास्तिक बनाएं

घर के मुख्य दरवाजे के दोनों ओर स्वास्तिक बनाना एक बहुत पुराना और प्रभावशाली तरीका है। यह चिन्ह घर में सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करता है और नकारात्मकता को बाहर ही रोक देता है। इसे लाल रंग से बनाना ज्यादा प्रभावी माना गया है। यह सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि एक ऊर्जावान संकेत है, जो घर को बुरी शक्तियों से बचाता है।

हनुमान मंदिर से सिंदूर लाया

मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर जाकर वहां चढ़ाया गया सिंदूर लाना बहुत शुभ माना जाता है। इस सिंदूर को एक लाल कपड़े में बांधकर गांठ लगा दें और इसे घर के भीतर किसी सुरक्षित स्थान पर रखें। चाहें तो इसे मुख्य दरवाजे के पास भी लटका सकते हैं। यह उपाय न केवल घर को नकारात्मक शक्तियों से बचाता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक सुरक्षा भी देता है।

नेम प्लेट जरूर लगाएं

कई घरों में केवल घर का नंबर ही लिखा होता है, लेकिन नाम नहीं। यह देखा गया है कि घर के बाहर नेम प्लेट लगाने से ऊर्जा का प्रवाह बेहतर होता है। यह आपके घर की पहचान बनाता है और मेहमानों को एक आत्मीयता का अहसास कराता है। अगर आपके घर का नंबर भी शुभ नहीं है, तब भी नाम की प्लेट लगाने से सकारात्मक असर होता है।

नज़र दोष से बचाव

घर के बाहर कुछ ऐसा जरूर टांगें जो नज़र से बचा सके। यह कोई छोटा सा काला धागा, नींबू-मिर्च, या अन्य पारंपरिक वस्तु हो सकती है जो बुरी दृष्टि को दूर रखे। यह खासकर तब जरूरी है जब घर में बार-बार मेहमान आते हैं या घर बहुत आकर्षक बना हुआ है। बाहर से आने वाली ऊर्जा अच्छी भी हो सकती है और नकारात्मक भी इसीलिए सुरक्षा जरूरी है।

कम से कम वो हिंदी तो हम बचाएं, जो पुरखे छोड़ गए हैं

पिछले दिनों एक समाचार आया और चला भी गया। लेकिन संवेदनशील लोगों के लिए चिंता छोड़ गया। हमारे देश में लगभग 50% लोग जिस हिंदी भाषा को बोलते हैं, उसकी दुर्गति के संकेत सामने आए। स्कूल की परीक्षा का नतीजा आया और उसमें 15 लाख बच्चों में से 127 को 100 में से 100 अंक मिले। ये अच्छी बात है, लेकिन बहुत कम बच्चे निकले, जिन्हें हिंदी का ठीक से ज्ञान है। कहते हैं संस्कृत से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश और अपभ्रंश से हिंदी बनी। लेकिन हिंदी हमारे देश का प्राण है और उसको यूं ना निचोड़ा जाए।

नई हिंदी के जनक भारतेंदु हरिश्चंद्र जी थे। कम से कम वो हिंदी तो हम बचाएं, जो वो छोड़ गए। जो हिंदी कभी दो भाग में थी- पुरानी हिंदी और नई हिंदी- उसका तीसरा संस्करण आरंभ हो गया है- सोशल मीडिया की हिंदी। धीरे-धीरे बच्चे हिंदी के सामान्य शब्दों का भी अंग्रेजी में अनुवाद चाह रहे हैं। पिछले दिनों मैं एक रिकॉर्डिंग के लिए स्टूडियो में गया तो चौंक गया कि हिंदी के गाने की तैयारी भी अंग्रेजी में हो रही थी!

बिना किसी स्वार्थ के करें दूसरों की मदद, भविष्य को ध्यान में रखकर लेना चाहिए निर्णय

महाभारत के प्रसंगों में जीवन प्रबंधन के सूत्र छिपे हैं। इन सूत्रों को समझकर जीवन में उतार लेने से हमारी सभी समस्याएं खत्म हो जाती हैं। महाभारत का एक प्रसंग खांडव वन दहन के समय का है। इंद्रप्रस्थ के पास खांडव वन में जब आग लग गई। उस अग्नि में एक राक्षस, जिसका नाम मयासुर था, वह भी जलने को था। अर्जुन ने उसे देखा और बिना भेदभाव के उसे बचा लिया।

मयासुर ने कहा कि आपने मुझे जीवनदान दिया है। बताइए, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं?

अर्जुन ने उत्तर दिया कि आपका यह भाव ही मेरे लिए पर्याप्त है। अब आप मुक्त हैं और प्रेमपूर्वक जीवन बिताइए।

लेकिन मयासुर ने फिर से विनम्रतापूर्वक आग्रह किया कि मैं दानवों का विश्वकर्मा हूं। मैं अद्भुत निर्माण करने में निपुण हूं। मैं आपके लिए कुछ सेवा अवश्य करना चाहता हूं।

अर्जुन ने फिर मना कर दिया, लेकिन सुझाया कि यदि आप सेवा करना ही चाहते हैं तो श्रीकृष्ण से पूछिए।

श्रीकृष्ण सदा दूरदृष्टि से निर्णय लेते हैं, वे मुस्कराए और बोले कि तुम पांडवों के ज्येष्ठ भ्राता धर्मराज युधिष्ठिर के लिए एक अद्वितीय सभा भवन बना दो, ऐसा भवन कि संसार उसे देखकर विस्मित रह जाए।

मयासुर ने उस समय की सबसे अद्भुत वास्तुकला के साथ एक सभा भवन का निर्माण किया। यही सभा भवन बाद में महाभारत की महत्वपूर्ण घटनाओं का केंद्र बना, लेकिन इसी भवन ने इंद्रप्रस्थ को समृद्धि और पांडवों को प्रतिष्ठा दी थी।

प्रसंग की सीख

उपकार बिना किसी स्वार्थ के करें: अर्जुन ने बिना किसी स्वार्थ के मयासुर को बचाया। यही सच्ची मानवीयता है, जब हम किसी की सहायता करें तो बदले की अपेक्षा न रखें।

अपने कर्तव्य को ईश्वर या मार्गदर्शक से जोड़ें: अर्जुन ने सेवा का अवसर स्वयं न लेकर उसे श्रीकृष्ण की ओर मोड़ा। यह दिखाता है कि जब हम निर्णय नहीं ले पाते तो हमें अपने से श्रेष्ठ या मार्गदर्शक की ओर देखना चाहिए।

दूरदृष्टि से निर्णय लें: श्रीकृष्ण ने सिर्फ एक भवन नहीं बनवाया, उन्होंने पांडवों के साम्राज्य को एक मजबूत सांस्कृतिक और राजनैतिक पहचान दी। यही बुद्धिमान व्यक्ति की असली पहचान है, वह जो वर्तमान में नहीं, भविष्य में परिणाम देख सके।

हर व्यक्ति में गुण की पहचान करें: मयासुर भले ही राक्षस कुल का था, लेकिन उसमें अद्भुत निर्माण क्षमता थी। श्रीकृष्ण ने उस क्षमता को पहचानकर एक बड़े उद्देश्य के लिए उपयोग किया। जीवन में भी हमें लोगों के गुणों को पहचानकर उन्हें उचित दिशा देनी चाहिए।

समय के संकेतों को समझें: खांडव वन की आग केवल एक घटना नहीं थी, वह बदलाव का प्रतीक थी। अर्जुन और श्रीकृष्ण ने उसे एक अवसर की तरह लिया। जीवन के संकटों में अवसरों को खोजना चाहिए।

सही दिशा में रखें मिट्टी का घड़ा, सारे नाराज ग्रह देंगे शुभ परिणाम

ग्लास या स्टील की तुलना में मिट्टी से बनी वस्तुएं ऊर्जा को अवशोषित नहीं करतीं, बल्कि उसे धीरे-धीरे स्थिर रूप में प्रसारित करती हैं। इसलिए घर में सुखद गति वाली सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। फेंगशुई के अनुसार, मिट्टी और जल का संयोजन अंदर की उलझनों को शमन करता है इसलिए घर में मटका रखना भावनात्मक स्तर पर स्थिरता लाता है।

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में मिट्टी का मटका रखना जलधारण, ऊर्जा-संतुलन और मानसिक शांति का एक अदृश्य यंत्र है। वास्तुशास्त्र में मटका प्राकृतिक जल-स्थिरता यंत्र है। मटका स्वयं प्राकृतिक पृथ्वी तत्व से बना होता है और उसमें जल रखा जाता है। यह संयोजन पृथ्वी + जल = स्थिरता + पोषण का प्रतीक होता है।

वास्तु के अनुसार मटका पूर्व या उत्तर दिशा में रखने से मन की उग्रता, मानसिक अशांति और पारिवारिक विवाद कम होते हैं। यदि किसी घर में अग्निकोण (दक्षिण-पूर्व) या वायव्य कोण (उत्तर-पश्चिम) में दोष हो तो मटका रखना एक प्रकार का तात्त्विक बैलेंसर का काम करता है।

घर में मिट्टी का मटका रखने के लाभ:

गहराई में जाएं तो मटका एक ऊर्जा कंटेनर है। यह केवल पानी रखने का बर्तन नहीं है बल्कि एक ऊर्जा नियंत्रण यंत्र की तरह काम करता है।

ये घर के तापमान और मानसिक तनाव को शांत करता है।

गति करती ऊर्जा को संयत करता है, घर को बेस देता है

खड़कते बर्तनों के मुकाबले शांत जल ध्वनि देता है।

मिट्टी की सूक्ष्म विद्युत आवृत्ति आसपास की अशुद्धता सोखती है।

धन और स्वास्थ्य का प्रतीक है घर में रखा मिट्टी का मटका। यदि मटके में तुलसी पत्र या चांदी का सिक्का डाल दिया जाए, तो यह धन की गति और शुद्धता को बढ़ाता है यह फेंगशुई के ₹वॉटर बाउल₹ सिद्धांत से मेल खाता है।

संतान के स्वास्थ्य में सुधार होता है। यदि बच्चे चिड़चिड़े या बार-बार बीमार होते हैं तो पूर्व दिशा में रखा गया मटका उनके मन और शरीर दोनों को शांत करता है।

रात को नींद बेहतर आती है। अगर मटका घर के उत्तर-पूर्व कोने में हो, तो घर की लयबद्ध ऊर्जा नींद की गुणवत्ता सुधारती है।

दांपत्य जीवन में सामंजस्य बढ़ता है। मिट्टी के संपर्क से यौन और भावनात्मक ऊर्जा संतुलित होती है।

बोलचाल के टकराव में कमी विशेषकर यदि मटका पास में तुलसी, गुलाब या शंख रखा जाए तो वाणी की आक्रामकता में कमी आती है।

रवीना टंडन की 24 साल बाद तमिल सिनेमा में वापसी

बॉलीवुड की 'मस्त-मस्त गर्ल' यानी रवीना टंडन 90 के दशक की उन अभिनेत्रियों में से हैं जो आज भी सक्रिय हैं और फिल्में कर रही हैं। अब रवीना 24 साल बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। वो निर्देशक जोशुआ सेथुरमन की नई फिल्म में नजर आएंगी। अब निर्देशक ने रवीना के फिल्म में शामिल किए जाने को लेकर बात की है।

निर्देशक ने ऐसे किया रवीना से संपर्क

हाल ही में रवीना टंडन के तमिल फिल्म 'लॉयर' में शामिल किए जाने की घोषणा हुई थी। इस फिल्म में तमिल स्टार विजय एंटनी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। अब फिल्म के निर्देशक जोशुआ सेथुरमन ने फिल्म में रवीना के लिए जाने को लेकर बात की। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में निर्देशक ने कहा, "मेरे कुछ दोस्त बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, जिनके जरिए मैंने रवीना से संपर्क किया। मैंने उनसे कहा कि जब वह मेरी पहली फिल्म जेंटलवुमेन देखेंगी, तो उन्हें मेरे काम का अंदाजा हो जाएगा। उनके इस फिल्म को देखने के बाद, मैंने तुरंत उन्हें इस फिल्म की कहानी सुनाई और उन्होंने इसमें दिलचस्पी दिखाई।"

2001 में आखिरी बार तमिल फिल्म में आई थीं नजर

'लॉयर' के जरिए रवीना टंडन तकरीबन 24 साल बाद तमिल सिनेमा में वापस आ रही हैं। आखिरी बार वो 2001 में आई फिल्म 'आलवंधन' में नजर आई थीं। सुरेश कृष्ण द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कमल हासन, मनीषा कोइराला, अनु हसन, किटू गिडवानी और सरथ बाबू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई हैं।

'केजीएफ 2' में दिखा था रवीना का दमदार अंदाज

रवीन टंडन ने अपने करियर में बॉलीवुड के अलावा तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। साउथ की फिल्मों में उनकी सबसे बड़ी हिट फिल्म यश स्टारर कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ 2' है। इसमें उनके साथ संजय दत्त भी नजर आए थे। फिल्म में रवीना के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी।

'हाउसफुल 5' में नजर आएंगी रवीना

रवीना टंडन के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस तमिल फिल्म के अलावा वो बॉलीवुड की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' और 'इन गलियों में' भी नजर आएंगी।

प्रभास की फिल्म छोड़ दीपिका ने थामा अल्लू अर्जुन का दामन

हीरोइन नंबर वन दीपिका पादुकोण की निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से खटक गई है। वह अब

उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में शायद ही काम करें क्योंकि दीपिका के अब एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने के नए नियम से संदीप खुश नहीं थे। 'स्पिरिट' की डेट्स दीपिका ने फिल्म 'जवान' के अपने निर्देशक एटली की झोली में डाल दी हैं, जो जल्द ही अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ एक मेगा बजट फिल्म करने जा रही हैं।

फिल्म 'एनिमल' के बाद इसके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा अब तक दूसरी फिल्म शुरू नहीं कर पाए हैं। लोगों को इसकी सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार है लेकिन उससे पहले संदीप का वादा प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' पूरी करने का है। इस फिल्म की शूटिंग बीते साल ही शुरू हो जानी थी, लेकिन दीपिका के मां बनने की खबरें आने के बाद संदीप ने इस फिल्म की शूटिंग आगे के लिए टाल दी।

अब दीपिका के मां बनने के बाद जो पहली फिल्म शुरू होनी थी, उसमें सबसे पहले 'स्पिरिट' का ही नंबर था। फिल्म के निर्माता इस फिल्म के लिए दीपिका को 20 करोड़ रुपये देने की बात भी मांग गए थे, लेकिन चूंकि संदीप रेड्डी वंगा का काम करने का स्टाइल अलग है तो दीपिका पहले से ही कुछ बातें लिखित में चाह रही थीं। जानकारी के मुताबिक दीपिका ने एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने की शर्त रखी और ये भी कि वह तेलुगु में अपनी डबिंग नहीं करेंगी।

दीपिका पादुकोण - फोटो : अमर उजाला ब्यूरो, मुंबई

चर्चाओं के मुताबिक इसी के बाद संदीप रेड्डी वंगा ने फिल्म 'स्पिरिट' के लिए किसी दूसरी हीरोइन की तलाश शुरू कर दी है। इस बीच पता ये भी चला है कि निर्देशक एटली को दीपिका की खाली हुई तारीखों का पता चला तो वह अपनी अगली फिल्म का प्रस्ताव लेकर उनके पास न सिर्फ पहुंचे बल्कि उन तारीखों पर दीपिका की हां भी ले आए हैं। ये फिल्म एटली इसी साल के आखिर में शुरू करने वाले हैं।

शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' बनाने वाले एटली इसी फिल्म में दीपिका के साथ भी काम कर चुके हैं। दोनों के बीच की ट्यूनिंग भी बढ़िया है और चूंकि एटली पूरी तैयारी के साथ शूटिंग करते हैं तो बताते हैं कि एक शिफ्ट में उनके सेट पर लीड हीरो या हीरोइन के लिए चार घंटे से ज्यादा का काम होता नहीं है। दीपिका भी यही चाहती हैं कि उनके काम के घंटे उनके सेट पर पहुंचने के समय से गिने जाएं न कि पहला शॉट शुरू होने के समय से।

कान्स फिल्म फेस्टिवल के समापन में छाईं आलिया भट्ट, रेड कार्पेट पर एक्ट्रेस ने पहनी गुच्ची की साड़ी

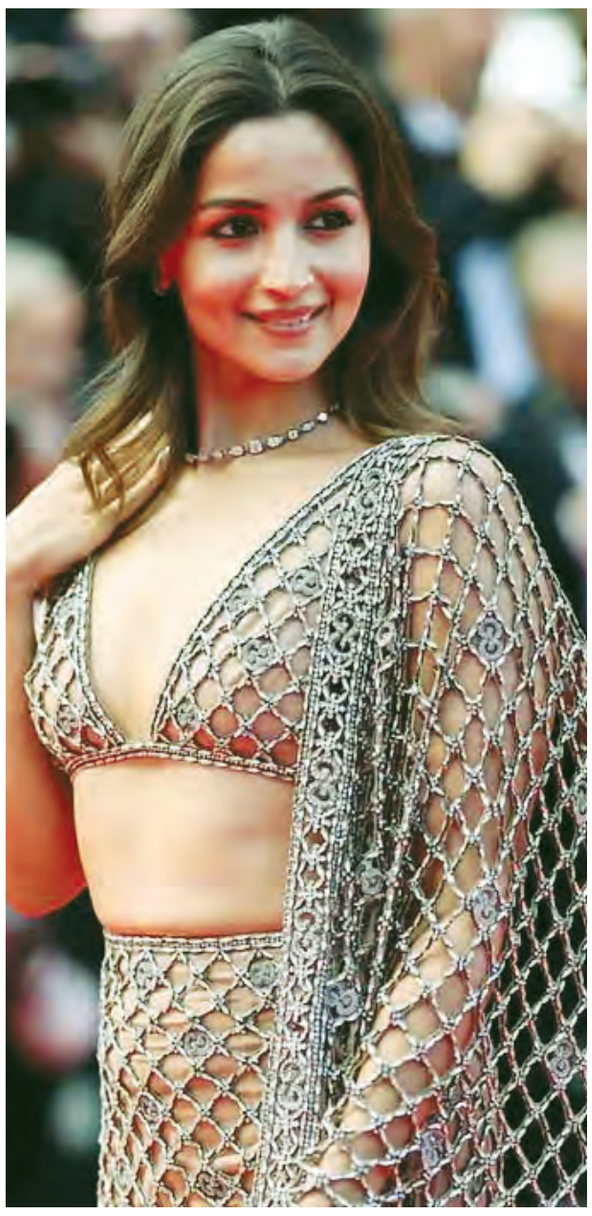

परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' के कानूनी पेंच पर की बात कहा- वकील ने जवाब भेज दिया है

अभिनेता परेश रावल 'हेरा फेरी 3' से निकलने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अक्षय कुमार द्वारा फिल्म 'हेरा फेरी 3' से उनके अचानक बाहर निकलने पर कानूनी कार्यवाही शुरू की। इस पर परेश रावल ने बात की है। अक्षय कुमार 'हेरा फेरी 3' के निर्माता भी हैं। उन्होंने परेश रावल के फिल्म से बाहर निकलने पर केस किया था।

परेश रावल ने दिया जवाब

रविवार की सुबह परेश रावल ने इस मामले पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा 'मेरे वकील अमीत नाइक ने मेरी मेरे फिल्म से बाहर निकलने के बारे में जवाब भेजा है। एक बार जब वे मेरा जवाब पढ़ लेंगे तो सभी मुद्दे शांत हो जाएंगे।' अमीत नाइक को कई मामलों में अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर का प्रतिनिधित्व करने के लिए जाना जाता है।

नतीजे भुगतने की दी थी धमकी

शुक्रवार को अक्षय कुमार के वकील ने परेश रावल के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने पर खुलकर बात की। परिनम लॉ एसोसिएट की संयुक्त प्रबंध भागीदार पूजा तिड़के ने बताया 'मुझे लगता है कि इसके गंभीर कानूनी नतीजे होंगे। इससे निश्चित रूप से फ्रैंचाइज को नुकसान होगा। कलाकारों, क्रू, अभिनेताओं और ट्रेलर की शूटिंग पर खर्च किया गया है।'

परेश रावल ने वापस किए पैसे

अक्षय कुमार की तरफ से बताया गया कि परेश रावल को फिल्म में काम करने से पहले 11 लाख रुपये दिए गए थे। बीते कल बॉलीवुड हंगामा के हवाले से खबर आई कि अभिनेता परेश रावल को 'हेरा फेरी 3' के लिए साइनिंग अमाउंट के तौर पर 11 लाख रुपये मिले थे, जिसे उन्होंने 15 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ जोड़कर वापस कर दिया है।

25 करोड़ का मुकदमा

आपको बता दें कि जब परेश रावन ने फिल्म 'हेरा फेरी 3' छोड़ने का ऐलान किया था, तब अक्षय कुमार की कंपनी 'केप ऑफ गुड फिल्म्स' ने परेश रावल पर 25 करोड़ रुपये का मुकदमा दायर किया था। बताया गया कि इस फिल्म को अचानक छोड़ने के फैसले से फिल्म मेकर्स को काफी नुकसान हुआ है।

करण को करीना ने किया बर्थ डे विश, लिखा, 'तुम जैसा कोई नहीं'

करण जौहर ने बॉलीवुड में कई यंग एक्टर्स को लॉन्च किया है। फिल्म 'कुछ कुछ होता है' से लेकर 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' तक कई रोमांटिक और फैमिली ड्रामा फिल्में करण ने निर्देशित की हैं। कई बेहतरीन फिल्मों का निर्माण भी किया है। जानिए, इस फिल्ममेकर को आज करीना कपूर के अलावा किस-किस सेलिब्रिटी ने बर्थ डे विश किया।

करीना ने लिखा प्यारा संदेश

करीना कपूर ने फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' जैसी फिल्म में करण जौहर के साथ काम किया। दोनों सालों से गहरे दोस्त भी हैं।

करीना ने करण जौहर के जन्मदिन पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की है। जिसमें लिखा है, 'तुम जैसा कोई नहीं है, करण। मेरे शानदार दोस्त और भाई, जन्मदिन की शुभकामनाएं।'

सोनम कपूर ने साझा की करण संग तस्वीर

सोनम कपूर ने करण जौहर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। अपनी और करण की एक फोटो इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट की है।

तमन्ना भाटिया ने भी की पोस्ट

तमन्ना भाटिया ने भी करण को बर्थ डे विश किया है। अपनी और करण की एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। साथ ही मैसेज लिखा है, 'ढेर सारा प्यार करण जौहर, आज और हमेशा।'

नेहा धूपिया ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नेहा धूपिया और करण भी काफी समय से दोस्त हैं। एक्ट्रेस ने करण के जन्मदिन पर एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा की है। साथ ही इसमें जिक्र किया है कि करण ने उन्होंने एक खास तरह का डांस सीखा है।

तृप्ति डिमरी की चमकी किस्मत 'स्पिरिट' मूवी में आयेगी नजर

पिछले काफी समय से संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'स्पिरिट' सुर्खियों में बनी हुई है। पहले दर्शकों को इस मूवी में दीपिका पादुकोण और साउथ स्टार प्रभास की जोड़ी देखने को मिलने वाली थी, लेकिन हाल ही में खबर आई कि दीपिका ने मूवी से किनारा कर लिया है। वहीं, अब मेकर्स को इस मूवी के लिए नई एक्ट्रेस मिल गई है। इसका ऐलान खुद उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए किया। बता दें कि यह एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि तृप्ति डिमरी हैं, जिन्होंने दीपिका को रिप्लेस किया है।

मेकर्स ने किया ऑफिशियल ऐलान

संदीप रेड्डी वांगा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि स्पिरिट में तृप्ति डिमरी दिखाई देने वाली हैं। इस शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन ने लिखा, "मेरी फिल्म की लीड एक्ट्रेस अब ऑफिशियल हो गई है।" बता दें कि यह प्रभास और तृप्ति की साथ में पहली फिल्म होने वाली है, जिसमें दर्शकों को उनकी ऑनलाइन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी।

इस मूवी का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करने वाले हैं। वहीं, भूषण कुमार और प्रणय रेड्डी वांगा फिल्म के निर्माता हैं। बता दें कि इससे पहले तृप्ति ने संदीप रेड्डी वांगा और भूषण कुमार के साथ 'एनिमल' में काम किया था। टी-सीरीज और भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा समर्पित 'स्पिरिट' एक भव्य पैमाने पर पैन-वर्ल्ड एंटरटेनर बनने के लिए तैयार है। फिल्म में प्रभास एक दमदार पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देने वाले हैं। वो फिल्म में ड्रग माफिया से लड़ाई करते हुए नजर आएंगे। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होने वाली है।

बता दें कि 'स्पिरिट' में पहले प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं। मगर फिर खबरें सामने आईं कि दीपिका ने 40 करोड़ फीस के साथ सिर्फ 8 घंटे की शिफ्ट करने की डिमांड रखी, जिससे मेकर्स के साथ उनकी अनबन हुई। इतना ही नहीं, खबरें तो ये भी थीं कि दीपिका ने फिल्म के प्रॉफिट से भी 1 प्रतिशत मांगा था। ऐसे में मेकर्स की तरफ से उन्हें 'अनप्रोफेशनल' कहा गया। हालांकि, दीपिका की तरफ से इस पर कोई रिएक्शन नहीं आया और अब उन्हें तृप्ति ने रिप्लेस कर ही दिया है।

अगर दोषी हूं तो भगवान सजा दें, रवि की रूमर्ड गर्लफ्रेंड ने आरती रवि के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी

साउथ सुपरस्टार रवि मोहन और उनकी पूर्व पत्नी आरती रवि के तलाक के बीच एक नाम जो अचानक सुर्खियों में आ गया है, वो है सिंगर केनिशा का। एक्टर रवि मोहन की करीबी दोस्त मानी जाने वाली सिंगर केनिशा इन दिनों सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल हो रही हैं। इन सभी नफरत भरे कमेंट्स और आरोपों के बीच अब सिंगर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और एक भावुक पोस्ट के जरिए अपनी बात दुनिया के सामने रखी है।

केनिशा ने किया इमोशनल पोस्ट

केनिशा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई पोस्ट शेयर किए, जिनमें उन्होंने उन अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणियों को दिखाया जो उनके खिलाफ की जा रही हैं। उन्होंने लिखा- 'मैं इस बात को समझती हूं कि लोग मेरी सच्चाई और दर्द को नहीं जानते, लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि मुझ पर मनगढ़ंत आरोप लगाए जाएं। अगर मैं गलत हूं, तो मुझे कानूनी सजा मंजूर है, लेकिन बिना सच जाने मुझे इस तरह अपमानित न किया जाए।'

'मेरे पास छुपाने के लिए कुछ नहीं'

केनिशा ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे लिखा- मैं ना तो अपनी सोशल मीडिया टिप्पणियों को बंद करूंगी और न ही किसी से भागूंगी।' उनका दावा है कि उनके पास छुपाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने उन सभी ट्रोल्स को खुली चुनौती दी कि अगर उन्हें लगता है कि वह किसी भी तरह से इस विवाद की वजह हैं, तो वो उन्हें कोर्ट ले जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि वो हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं वो भी सार्वजनिक तौर पर।

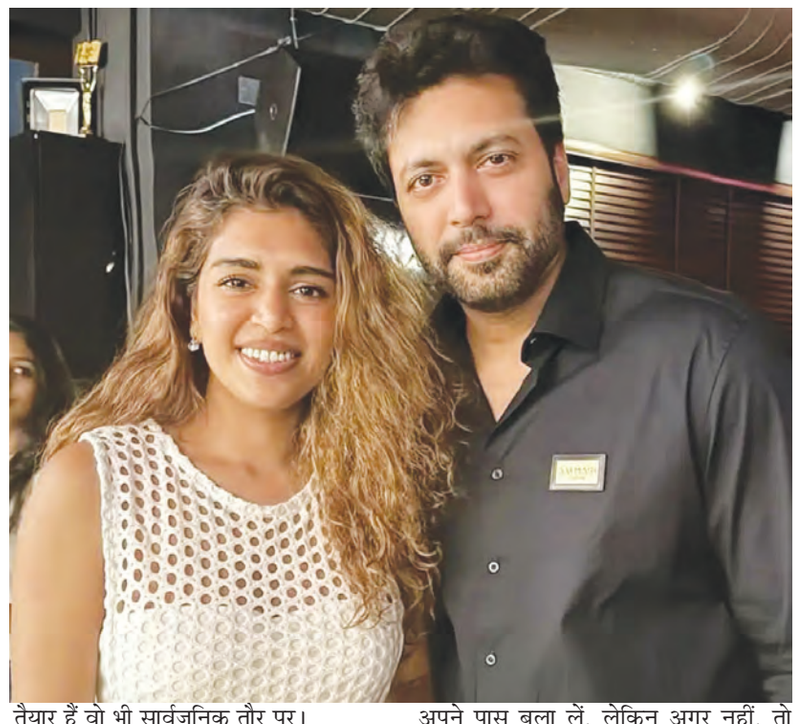

'सच्चाई सभी के सामने आएगी'

केनिशा ने अपने पोस्ट में ये भी दावा किया कि एक ना एक दिन सच जरूर बाहर आएगा। उन्होंने कहा कि लोग कर्म की बात करते हैं, लेकिन भूल जाते हैं कि एक दिन सच्चाई भी सामने आएगी वो भी पूरी कानूनी प्रक्रिया के साथ। केनिशा से भगवान से भी प्रार्थना की कि अगर वो दोषी हैं तो भगवान उन्हें सजा दें या अपने पास बुला लें, लेकिन अगर नहीं, तो उन्हें चैन से जीने दिया जाए।

आरती रवि ने लगाया था आरोप

बता दें कुछ दिन पहले रवि मोहन की पूर्व पत्नी आरती रवि ने आरोप लगाया था कि जिस शख्स को एक्टर ने अपनी जिंदगी बताया था वहीं उनके जीवन में अंधकार का कारण बनी हैं। इसके बाद से ही केनिशा को लगातार सोशल मीडिया पर हेट मिल रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नौकरियों की भरमार

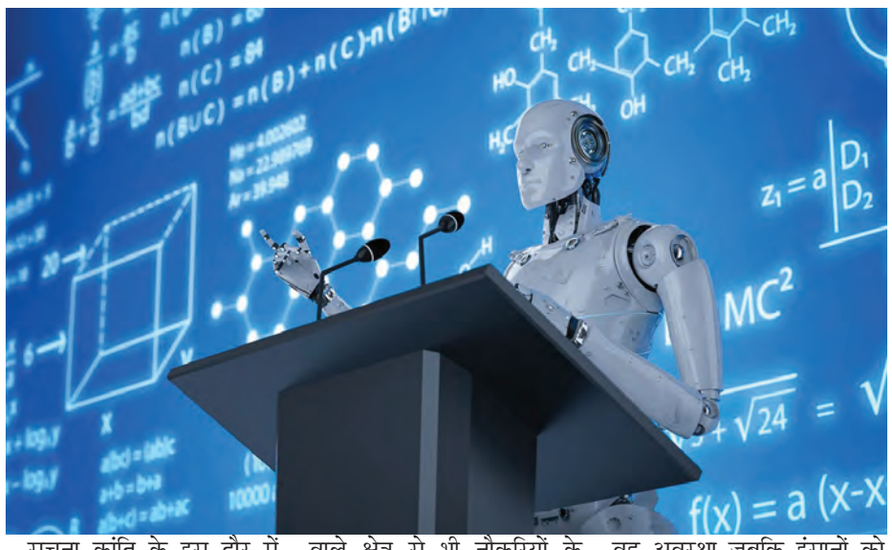

सूचना क्रांति के इस दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ ने दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। हमारे जीवन का ऐसा कोई पहलू बाकी नहीं रह गया है जो एआइ के प्रभाव से अछूता हो । हालांकि सबसे अधिक चर्चा इसके रोजगार के क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों की ही होती है। एआइ रोजगार को बदल रहा है, रोजगार करने के तौर तरीकों को बदल रहा है। साथ ही नियमित कार्यों को स्वचालित भी कर रहा है। वर्ष 2030 तक देश में दो से पांच करोड़ नई नौकरियों के पैदा होने की उम्मीद की जा रही है, तो वहीं कई क्षेत्रों में नौकरियों के समाप्त होने की भी आशंका है। भारत जैसे मानवीय श्रम की अधिकता वाले देश में एआइ के बढ़ते प्रयोग से ऐसे क्षेत्रों में रोजगार समाप्त होने की संभावना है, जहां श्रम के माध्यम से दोहराव वाले कार्य किए जाते हैं। इसके अलावा ग्राहक सेवा वाले क्षेत्र से भी नौकरियों के समाप्त होने का डर है जहां देश का एक बड़ा वर्ग कार्यरत है। साथ ही उपभोक्ता डेटा तक बिना अनुमति पहुंच और उस डेटा की गोपनीयता का बड़ा खतरा है।

क्या है कृत्रिम बुद्धिमत्ता

जब कम्प्यूटर या मशीनें ऐसे कार्यों को करना सीख लेती हैं, जिन्हें करने के लिए मानवीय बुद्धिमता की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाना, योजना बनाना सीखना और समस्याओं का समाधान करना ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ

एआइ का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे मानवीय त्रुटि की संभावना कम हो जाती है, जिससे लागत और समय दोनों की बचत होती है। इसके अलावा एआइ की मदद से चौबीसों घंटे काम को जारी रखा जा सकता है सरल शब्दों में कहें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह अवस्था जबकि इंसानों को काम करने के बीच एक निश्चित समय

उपलब्ध कोर्स

आनलाइन अल्प अवधि प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम एडवांस सर्टिफिकेशन प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आइआइटी हैदराबाद

एडवांस प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आइआइएम कोलकाता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आइआइटी खड़गपुर नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, आइआइटी मुंबई

आफलाइन पूर्णकालिक पाठ्यक्रम

बीएससी इन प्रोग्रामिंग एंड डेटा साइंस, आइआइटी मद्रास

बीटेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आइआइटी हैदराबाद

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐंड मशीन लर्निंग, बिट्स पिलानी

एमसीए इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय

अल्प अवधि आनलाइन पाठ्यक्रम के लिए स्नातक होने भर से काम चल जाता है। कई सारे प्लेटफार्म भौतिक, रसायन और गणित के साथ 12वीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण देते हैं। लेकिन पूर्णकालिक डिग्री और परास्नातक कोर्स के लिए संस्थान द्वारा निर्धारित योग्यताओं को पूरा करना जरूरी है।

अंतराल पर विश्राम की जरूरत पड़ती है। एआइ पूर्वाग्रह, पक्षपात और भेदभाव आदि से इतर अपने प्रोग्रामिंग के आधार पर कार्य को अंजाम देती है। इसके अलावा इंसानों के लिए नीरस, थकाऊ, खतरनाक और अरुचिकर कार्यों को भी एआइ के मदद से पूरा किया जा सकता है। इससे इंसानी सृजनात्मकता को अन्य क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शोध व अन्य रचनात्मक कामों की ओर शिफ्ट कर अधिकतम लाभ हासिल किया जा सकता है। इसलिए एआइ को प्रतिस्पर्धी मानने की बजाय यदि उस पर दक्षता प्राप्त कर ली जाए तो न केवल नौकरियों के

जाने के खतरे से निबटा जा सकता है बल्कि काम को बेहतर तरीके से अंजाम दिया जा सकता है।

वेतन

एआइ विशेषज्ञ को नौकरी के दौरान आरंभिक स्तर पर 5 से 20 लाख प्रतिवर्ष की आय प्राप्त हो सकती है। अनुभव बढ़ने साथ ही साथ खुद को नए ट्रेंड से अपडेट रखने पर आय की असीमित संभावनाएं हैं।

योग में रोजगार की बेहतर संभावनाएं

योग दुनियाभर के हजारों लोगों के लिए एक प्राकृतिक उपचार का माध्यम बनता जा रहा है। भारतीय योग पद्धति का प्रचार- प्रसार आज इतना अधिक हो गया है कि विश्वभर में 350 मिलियन से अधिक लोग नियमित रूप से योग का अभ्यास करते हैं। योग की लोकप्रियता का आलम यह है कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया जाता हैं।

एक अनुमान लगाया गया है कि आने वाले वर्षों में 10 लाख और लोग योग से जुड़ सकते हैं। योग में करिअर आज की दुनिया में बेहतर भुगतान वाली नौकरियों में से एक हो सकता है। दिलचस्प बात यह है कि योग से कमाई शुरू करने के लिए आपको नवउद्यम शुरू करने की जरूरत नहीं है। आइए जानते हैं कि किन पाठ्यक्रमों के जरिए योग में रोजगार के मौके मिल सकते हैं।

योग शिक्षक : एक योग शिक्षक वरिष्ठ पद की श्रेणी में आता है।

एक बार जब आप प्रशिक्षक का पद प्राप्त कर लेते हैं, तो आप एक अनुभवी योग शिक्षक बन सकते हैं।

योग प्रशिक्षक : योग प्रशिक्षकों का उद्देश्य अपने छात्रों को सभी योग आसन सिखाना होता है।

हाइब्रिड योग अनुदेशक : एक हाइब्रिड योगा अनुदेशक कई योगों को एक साथ सम्मिश्रित करके विभिन्न आसनों जैसे अक्व योग, नृत्य, एरोबिक्स, जुम्बा और बहुत कुछ पढ़ाने जैसी अन्य गतिविधियों के साथ जोड़ता जाता है।

योग प्रस्तुतकर्ता यह यूट्यूब, वर्कशाप और टेलीविजन की वजह से सबसे अधिक प्रचलित नौकरियों में से एक है। इसमें प्रोफेशनल्स को अपना योग कौशल दिखाना होता है।

योग पेशेवर कैसे बन सकते हैं।

इसके लिए कई पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिसमें आप डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त

कर एक पेशेवर योग गुरु अथवा प्रशिक्षक बन सकते हैं। इसके लिए कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

यह योग में पाठ्यक्रमों के लिए पात्र होने और योग, ध्यान

ये हैं पाठ्यक्रम

बीएससी इन योग

बीए इन योग एमए इन योग

एमएससी इन योग

यूजी डिप्लोमा इन योग

पीजी डिप्लोमा इन योग

सर्टिफिकेट इन योग

योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स बीएड इन योग

ये हैं संस्थान

स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु

देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

बिहार योग विद्यालय, मुंगेर, बिहार मोरारजी देसाई योग संस्थान, आगरा भारतीय विद्या भवन, दिल्ली

कैवल्यधाम योग संस्थान, पुणे भारतीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, नई दिल्ली

में करिअर शुरू करने का पहला कदम है। यदि आप योग में विशेषज्ञता हासिल करना चाहते हैं, तो आपके पास स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, लेकिन जरूरी नहीं कि योग में ही हो।

योग करने और इसमें करिअर बनाने के लिए व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। योग में करिअर बनाने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति की उम्र कम से कम 15-17 वर्ष होनी चाहिए।

योग में करिअर के लिए परीक्षा

आयुष मंत्रालय ने योग पेशेवरों के लिए प्रमाणित क्यूसीआइ परीक्षा शुरू की है। परीक्षा मुख्य रूप से

उन लोगों के लिए है जो क्यूसीआइ विभाग (भारत का गुणवत्ता नियंत्रण) द्वारा प्रमाणीकरण प्राप्त करना चाहते हैं। इस परीक्षा के दो स्तर हैं। पहले स्तर की परीक्षा प्रशिक्षक से संदर्भित होती है, जबकि दूसरे स्तर की एक शिक्षक के रूप में।

योग पेशेवरों के लिए अवसर

भारत में औसत सरकारी योग शिक्षक का वेतन 25 हजार से 35 हजार प्रति माह है। विदेशों में यह वेतन ज्यादा होता है। इस क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षक के रूप में और एक मास्टर या पीएचडी डिग्री के साथ, एक व्यक्ति प्रति माह एक लाख तक कमा सकता है।

ऑफिस में 'ना' कहने का स्मार्ट तरीका, समाधान के साथ दें जवाब

कई बार कार्यस्थल पर ऐसे लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दबाव डाला जाता है, जिन्हें पूरा करना अमूमन लोगों के लिए असंभव होता है। हालांकि यह जानते हुए कि इस लक्ष्य को हासिल करना मुमकिन नहीं है, बावजूद इसके नौकरी खोने के डर से पेशेवर उसे पूरा करने के लिए हामी भर देते हैं।

यदि आप भी कार्यस्थल पर कुछ इसी तरह का दबाव महसूस कर रहे हैं, तो आपको प्रबंधक को रणनीतिक तरीके से इन्कार करना आना चाहिए। यहां कुछ तरकीबें बताई गई हैं, जिन्हें अपनाकर आप उन कामों को करने से मना कर सकते हैं, जिसे पूरा कर पाना आपके लिए संभव नहीं है।

ना कहने का तरीका सीखें

आप किसी काम को पूरा करने के लिए किस तरीके से मना करते हैं, यह अधिक मायने रखता है। किसी काम के लिए मना करना भी एक कला है। ना कहने के लिए सबसे पहले लक्ष्यों को पूरा करने की चुनौतियों को प्रस्तुत करें।

आपके द्वारा पेश की गई चुनौतियों की रूपरेखा यह दर्शाती है कि आप किसी काम को किस नजरिये से देखते हैं। साथ ही आप यह काम क्यों नहीं कर सकते हैं, कहने के बजाय, बातचीत को इस बात पर केंद्रित करें कि यह कंपनी के लिए फायदेमंद क्यों नहीं है।

परिणामों को स्पष्ट करें

कई बार प्रबंधक समस्याओं को बेहतर ढंग से समझ नहीं पाते हैं। ऐसे में आप उन्हें लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बाधाओं, संसाधनों व चुनौतियों से अवगत कराएं। साथ ही उन्हें बेहतर विकल्पों का सुशव भी दे सकते हैं। यह दृष्टिकोण अपनी मनाही को जिम्मेदार तेतृत्व के रूप में परिभाषित करेगा। जो काम आप नहीं कर सकते, उसे अस्वीकार करने के बजाय जो काम कर सकते हैं, उसकी पेशकश करें। इससे आप प्रबंधक के समक्ष अपनी एक अच्छी छवि बना पाएंगे।

चर्चा करें

लक्ष्यों की मनाही के लिए आप रेड टीम की समीक्षा कर सकते हैं। दरअसल रेड टीम में किसी बड़े कदम को मंजूरी देने से पहले इसके संभावित प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एका क्रॉस-फंक्शनल टीम चर्चा करती है। इसमें किसी प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले संभावित विफलता पर चर्चा की जाती है। सत्र के दौरान इस पर विचार किया जादा है कि अगर यह विफल हो जाता है। तो इसका क्या असर पड़ेगा। इस दौरान टीम के सदस्य चुनौतियों पर खुलकर अपनी बात रखते हैं, जिससे टीम को प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए बेहतर योजनाएं बनाने में मदद मिलती है।

प्रतिरोध को परिभाषित करे

अपने इन्कार को इसके प्रभावों और जोखिमों के इर्द-गिर्द परिभाषित करें। किसी काम को मनाही को व्यक्तिगत रूप से पेश करने के बजाय, भविष्य में उसके परिणामों, या व्यावसायिक चुनौतियों के रूप में प्रस्तुत करें। साथ ही प्रबंधक को यह भी बताएं कि यदि आप अधिक चीजों पर ध्यान देंगे, तो आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे।

कहीं काम न बिगाड़ दे एआई निर्मित रिज्यूमे

किसी भी क्षेत्र में फिर चाहे वह सरकारी हो या प्राइवेट नौकरी पाने के लिए साक्षात्कार के चरणसे गुजरना होता है। साक्षात्कार तक बात पहुंचने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे कंपनी को पसंद आए। यदि आपका रिज्यूमे कंपनी को पसंद नहीं आता है तो आगे की प्रक्रिया के लिए

आपका चयन नहीं होगा। रिज्यूमे बनाने के लिए आजकल एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) का खूब इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एआइ से रिज्यूमे बनाना आपको महंगा पड़ सकता है। एआइ निर्मित रिज्यूमे नौकरी पाने की आपकी संभावना को कम कर सकता है। रिज्यूमे जीनियस के एक ताजा सर्वेक्षण में पाया गया कि भर्ती करने वाले प्रबंधक के लिए एआइ निर्मित रिज्यूमे लाल श्रेणी में आ रहे हैं।

रिज्यूमे जीनियस ने अमेरिका में 625 भर्ती करने वाले प्रबंधकों का सर्वे किया है। इस सर्वे के दौरान पाया गया कि भर्ती करने वाले आधे से अधिक (53%) प्रबंधकों का कहना है कि उन्हें एआइ निर्मित रिज्यूमे प्राप्त होते हैं। इस सर्वे में पाया गया कि एआइ से बने रिज्यूमे देखने में बनावटी और झूठे लगते हैं। जानकारों का कहना है कि जब भी कोई रिज्यूमे देखते हैं तो बहुत जरूरी है कि उसमें दी गई क्षमताओं और अनुभव की जानकारी सच्ची हो। इस सर्वे में एक और बात निकलकर सामने आई। यदि आप रिज्यूमे बनाने के लिए पूरी तरह से एआइ पर भरोसा करते हैं तो यह बताता है कि आप अपनी नौकरी के लिए सचेत नहीं हैं।

आंख बंद करके भरोसा नहीं कर सकते

यदि आप एआइ का उपयोग करना चुनते हैं तो यह संभावित रूप से आपके बायोडाटा प्रभावित कर सकता है। खैर, आपके पास यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि एआइ आपके लक्ष्य या आप जिस नौकरी की तलाश कर रहे हैं उसे समझता भी है या नहीं। इसका मतलब यह हो सकता है कि यह पुराने समाचार स्रोतों या लेखों से प्राप्त पुरानी जानकारी का उपयोग करके आपका बायोडाटा लिखेगा। मूल शब्द और अर्थ गलत हो सकते हैं।

साफ, सरल रिज्यूमे सबसे प्रभावी

आप जो पहले ही लिख चुके हैं उसमें सुधार के लिए एआइ बहुत अच्छा है, लेकिन ये सही रिज्यूमे तैयार करने की गारंटी नहीं देता, आप इनसे थोड़ी बहुत मदद ले सकते हैं, लेकिन आंख बंद कर के भरोसा नहीं कर सकते। ऐसे में किसी भी उम्मीदवार को अपना रिज्यूमे बनाते समय मेहनत करनी चाहिए, आखिरकार ये आपकी नौकरी का सवाल है

कार्यस्थल पर अलग पहचान बनाने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप भविष्य में लोगों द्वारा याद किया जाना चाहते हैं? यदि हां, तो इसके लिए आपको आज से ही प्रयास करना होगा। दरअसल कार्यस्थल पर अधिकतर पेशेवर ऐसे होते हैं, जो केवल अपनी नौकरी में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। वहीं कुछ पेशेवर काम से परे मुश्किल वक्त में अपने सहकर्मियों का समर्थन करके और नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए कुछ नया सीखकर अपने प्रबंधक व सहकर्मियों के दिलों में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे व्यक्ति हमेशा एक अच्छे पेशेवर के रूप में जाने जाते हैं। इसलिए यदि आप भी अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं, तो आप अपने काम में हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहें और अपने व्यवहार को सहज बनाने के लिए प्रतिदिन छोटे-छोटे प्रयास करते रहें।

आत्म चिंतन करें

यदि आप अपने जीवन में कुछ बड़ा करना चाहते हैं, तो इसके लिए सबसे पहले आत्म-चिंतन

करें। अपने सपनों को पूरा करने के लिए स्वयं से यह सवाल पूछें कि मैं अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहता हूं? इस प्रश्न का जवाब लिखने के लिए समय निकालें। इसके अलावा अपनी सूची में उन चीजों के बारे में विस्तार से लिखें, जिन्हें आप हासिल करना चाहते हैं।

प्रतिक्रिया लें

यदि आप वाकई अपने जीवन में सफल होना चाहते हैं, तो आपके लिए यह जानना भी बेहद जरूरी है कि आपके सहकर्मी और प्रबंधक आपके बारे में क्या सोचते हैं। अपने बारे में जानने के लिए कार्यस्थल पर कुछ भरोसेमंद सहकर्मियों से अपने बारे में प्रतिक्रिया लें। ऐसा आप व्यक्तिगत या ई-मेल के जरिये भी कर सकते हैं। अपने बारे में प्रतिक्रिया लेने के लिए उनसे पूछें कि मैं यह विचार कर रहा हूं कि मैं लोगों पर किस तरह का प्रभाव डालता हूं और ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिन पर मुझे कार्य करने की जरूरत है। इसमें मदद के लिए क्या आप मेरे साथ अपने काम के अनुभवों को साझा कर सकते हैं।

साथियों के काम को सराहें

अपने गुणों और कौशल का आत्म-चिंतन करने के साथ-साथ आपको अपने सहकर्मियों के प्रयासों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक अच्छा नेतृत्वकर्ता वह नहीं जो केवल खुद पर काम करता है, बल्कि वह है जो अपनी टीम के अन्य सदस्यों के विचारों को भी तरजीह देता हो। इसके लिए अपने साथियों का समर्थन करें और अपने टीम के सदस्यों की सराहना करें।

रोज प्रयास करें

आप भविष्य में अपनी किस प्रकार की छवि बनाना चाहते हैं, यह आप पर ही निर्भर करता है। अपने सहकर्मियों या अन्य लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए रोजमर्रा छोटे-छोटे ही सही, लेकिन प्रयास जरूर करें। लोगों के विश्वासपात्र बनें और उनके विचारों को ध्यान से सुनें। इसके अलावा, आप अपने मूल्यों के साथ-साथ अपने सहकर्मियों के मूल्यों की भी कदर करें।

कम समय में पूरी होगी डिग्री, साल में दो बार होगा प्रवेश

नामांकन बढ़ाने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव किए हैं। इस सम्बंध में यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। नए प्रावधानों के तहत अब विश्वविद्यालय साल में दो बार प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अभी तक विश्वविद्यालय में जुलाई में प्रवेश होते हैं, लेकिन जो छात्र किसी कारणवश प्रवेश नहीं ले पाए, वे जनवरी में प्रवेश ले सकेंगे। वहीं, यूजीसी ने अब 12वीं के बाद किसी भी यूजी कोर्स में प्रवेश की छूट दी है। यदि छात्र ने 12वीं किसी भी विषय में की हो, वह यूजी के किसी भी कोर्स में प्रवेश ले सकता है। इसके लिए छात्र को विश्वविद्यालय या फिर संयुक्त प्रवेश परीक्षा पास करना होगा। इसी प्रकार छात्र ने यूजी किसी भी विषय में किया है तो वह पीजी के किसी भी कोर्स में प्रवेश ले सकता है। इसके लिए भी छात्र को विश्वविद्यालय या फिर संयुक्त प्रवेश परीक्षा पास करना होगा। बदलेगा उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम

यूजीसी ने देश के विश्वविद्यालयों और कालेजों से आग्रह किया है कि वे अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में समयानुसार बदलाव करें। तेजी से बदलती दुनिया की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आयोग का कहना है कि अब शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसमें छात्रों को व्यावहारिक अनुभव, जीवन कौशल और 'करके सीखने' जैसे

तत्वों को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि विषयवस्तु का अनावश्यक बोझ घटाया जा सके और शिक्षा अधिक प्रभावशाली बन सके। यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों से पाठ्यक्रम संशोधन को प्राथमिकता देने और उनके और उनके संबद्ध कालेजों द्वारा पेश किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को अपडेट, उनकी समीक्षा और कार्यान्वयन के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है।

छात्रों को ये होंगे फायदे

अब वर्ष में दो बार (जनवरी और जुलाई) प्रवेश लेने की सुविधा मिलने से छात्रों को समय की पाबंदी से आजादी मिलेगी। अनुभव और स्वयं अधिगम को मान्यता मिलेगी, जिससे गैर- पारंपरिक छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खुलेंगे।

डीयू में स्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव, नए सत्र से चौथे वर्ष में सभी छात्र ले सकेंगे दाखिला

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 से स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ 2022) के तहत सभी छात्रों को चौथे वर्ष (सातवां सेमेस्टर) में प्रवेश देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में डीयू ने अधिसूचना जारी की है। डीयू के अनुसार यूजीसीएफ 2022 के तहत नामांकित सभी छात्र शैक्षणिक सत्र 2025 2026 से अपने संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों के चौथे वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे। डीयू ने स्पष्ट किया है कि यूजीसीएफ 2022 के तहत छठे से सातवें सेमेस्टर तक नामांकित छात्र की प्रगति सार्वभौमिक है। जो समय-समय पर लागू पदोन्नति नियमों के अधीन और किसी भी तरह से प्रतिबंधात्मक नहीं है।

क्या है स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) 2022 दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किया गया एक नया स्नातक पाठ्यक्रम ढांचा है। इस ढांचे के तहत स्नातक की पढ़ाई को चार वर्षों में विभाजित किया गया है। इसमें छात्रों को अंतिम वर्ष (चौथे वर्ष) में जाकर अनुसंधान या किसी विषय में विशेषज्ञता प्राप्त करने का विकल्प दिया जाता है।

खाने से लेकर व्यापार तक ऐतिहासिक रहे हैं भारत और तुर्की के संबंध

लेकिन कभी नहीं रहा गहरा रिश्ता

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। इस्तांबुल का मिस्र बाजार मसालों के लिए काफी फेमस है। यहां भारतीय लोग 'भरत' नाम के मसाले को देखकर हैरान हो सकते हैं। यह देसी मसाला नहीं है। यह एक मध्य पूर्वी मिश्रण है, जिसे 'बहारत' भी कहा जाता है। यह भारत और तुर्की के रिश्तों का प्रतीक है। आज ये रिश्ते उतने अच्छे नहीं हैं, लेकिन पहले भी हमेशा थोड़े अजीब रहे हैं। भारत और तुर्की का इतिहास मध्य एशिया की तुर्क जनजातियों से जुड़ा है। 11वीं सदी में तुर्कों की एक शाखा ऑटोमन यूरोप की ओर बढ़ी। उन्होंने पूर्वी रोमन साम्राज्य बायजांतियम को जीत लिया। तुर्की को यूरोप और एशिया का मिलन बिंदु कहा जाता है। लेकिन खाने के मामले में, यह मध्य एशियाई और भूमध्यसागरीय दुनिया का मिलन है।

ट्रम्प की धमकी पर नीति आयोग बोला-यहां आईफोन बनाना सस्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था- भारत में आईफोन मत बनाओ, नहीं तो 25% टैरिफ लगाएंगे

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। नीति आयोग ने कहा है कि भारत में दूसरे देशों के मुकाबले आईफोन बनाना सस्ता है। भारत एपल को आईफोन बनाने के लिए सस्ते और बेहतर विकल्प ऑफर करता है। नीति आयोग का यह बयान ट्रम्प की आईफोन को टैरिफ लगाने की धमकी के बाद आया है। ट्रम्प ने एपल के सीईओ टिम कुक से कहा था कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन वहीं बनाएं, वरना 25% टैरिफ लगा देंगे। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि टैरिफ क्या होगा, यह अनिश्चित है। लेकिन मौजूदा वैश्विक हालात को देखें, तो भारत अभी भी एक किफायती और अच्छा मैन्युफैक्चरिंग हब है। उन्होंने रविवार को 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होनी चाहिए। उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा। एपल सीईओ के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी देते हुए ट्रम्प ने 15 मई को कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा। मुझे कल टिम कुक के साथ थोड़ी परेशानी हुई। मैंने उनसे कहा, टिम, तुम मेरे दोस्त हो, तुम 500 बिलियन डॉलर लेकर आ रहे हो, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि तुम पूरे भारत में प्रोडक्शन कर रहे हो। मैं नहीं चाहता कि तुम भारत में प्रोडक्शन करो। उन्होंने आगे कहा कि अगर तुम भारत का ख्याल रखना चाहते हो तो तुम भारत में निर्माण कर सकते हो, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। भारत में बेचना बहुत मुश्किल है और उन्होंने हमें एक डील ऑफर की है। इसके तहत वे हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं। मैंने टिम से कहा, देखो, हमने वर्षों तक चीन में तुम्हारे द्वारा बनाए गए सभी प्रोजेक्ट्स को सहन किया, अब तुम्हें अमेरिका में प्रोडक्शन करना होगा, हम नहीं चाहते कि तुम भारत में निर्माण करो। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद भी एपल भारत में ही आईफोन बनाएगी। सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में आईफोन के प्रोडक्शन से कंपनी को काफी फायदा होगा। इसीलिए कंपनी किसी राजनीतिक दबाव में कोई फैसला नहीं लेगी।

भारत निकालेगा चीन की हेकड़ी

अमेरिका–यूरोप के साथ मिलकर बनाया ये प्लान

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारत अब कई सेक्टर्स में चीन को टक्कर दे रहा है। वो भी ऐसे समय पर जब अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर चल रहा है। साथ ही दोनों देश एक दूसरे साथ आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। खासकर फार्मा सेक्टर में भारत का दबदबा पूरी दुनिया में बढ़ रहा है, जो कभी चीन का हुआ करता था। भारत की फार्मा कंपनियां तेजी के साथ मेडिसिन पर काम कर रही हैं। साथ ह विदेशी कंपनियों के साथ डील कर रही हैं। दुनिया के तमाम देशों में भारतीय दवाओं की तूती बोल रही है। साथ ही दुनिया के तमाम बड़े देश भारत की दवाओं पर भरोसा भी कर रहे हैं। इसका मतलब है कि भारत की दवाएं चीन के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनती जा रही हैं। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल महीने में सुवेन फार्मास्युटिकल्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन विवेक शर्मा विदेशी कंपनी के साथ एक बड़ी डील के बातचीत कर रहे थे। से कंपनी दवाईयों का जरूरी सामान मैन्युफैक्चरिंग करती है। सुवेन फार्मास्युटिकल्स हैदराबाद बेस्ड कंपनी है। सुवेन फार्मा की नजर ऐसी कंपनियों को खरीदने पर है, जोकि तकनीति रूप से सक्षम हों। ताकि वो अमेरिका और यूरोप के देशों के लिए दवा बना सकें।

अमेरिका में बढ़ाई पहुंच

सुवेन फार्मा ने अपनी पहुंच को अमेरिका तक बढ़ा दिया है। दिसंबर के महीने में कंपनी ने अमेरिकी कंपनी एनजे बायो इंक की मैज्योरिटी हिस्सेदारी अपने नाम की थी। एनजे बायो इंक प्रिंसटन में मौजूद एक रिसर्च बेस्ड कंपनी है। जोकि कैंसर की दवाओं पर काम करती है। सुवेन ने इस कंपनी को 65 मिलियन डॉलर यानी करीब 564 करोड़ रुपए में खरीदा है। जिसके बाद सुवेन अनुबंध विकास और विनिर्माण संगठन यानी सीडीएमओएस मार्केट की लीडिंग कंपनियों में से एक हो गई है। सीडीएमओएस वो कंपनियां होती हैं जोकि दूसरे फार्मा कंपनियों के लिए मेडिसिन बनाने का काम करती हैं। खास बात तो ये है कि सीडीएमओएस मेडिसिन मेकिंग से लेकर उसे मार्केट करने तक सारा काम करती हैं। वहीं दूसरी ओर देश की बड़ी फार्मा कंपनियों में शुमार बायोकोन भी पीछे नहीं है। इसकी सिंजीन इंटरनेशनल ने अमेरिकी कंपनी इमर्जेंट बायो सॉल्यूशंस का अधिग्रहण किया है। बाल्टीमोर बेस्ड ये कंपनी प्रोटीन और जीन जैसी मेडिसिन का निर्माण करती है। ये डील 36.5 मिलियन डॉलर में हुई है। सिंजीन इंटरनेशनल के एमडी और सीईओ, पीटर बैंस के अनुसार इस डील से सिंजीन को अमेरिका में पैर जमाने में मदद मिलने के साथ कस्टमर बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

अमेरिका और यूरोप पर नजर

भारत की कई सीडीएमओ कंपनियां वेस्टर्न देशों में बड़ी फार्मा कंपनियों के लिए मेडिसिन बनाने में मदद कर रही हैं। ये सीडीएमओ अमेरिका और यूरोप में ऐसी कंपनियों की तलाश कर रही हैं जिनका अधिग्रहण कर अपनी कैपेसिटी में इजाफा कर सकें। जानकारों की मानें तो भारत की सभी सीडीएमओ के अधिकारी अमेरिका और यूरोप पर ऐसी कंपनियों की तलाश कर रहे हैं, जिन्हें वो खरीद सकें। खास बात तो ये है कि भारत में सीडीएमओं की फैक्ट्रीज सालों से विदेशी फार्मा कंपनियों की मदद कर रही हैं। अब सीडीएमओ कंपनियों उन कंपनियों को अपने हाथों में लेलेनना चाहती हैं जो कैंसर, जीन थेरेपी और बायोलॉजी के सेक्टर में काम कर रही हैं।

चीन की हेकड़ी कम करना जरूरी

भारत समेत कई देश अब चीन की इस सेक्टर में हेकड़ी कम करना चाहते हैं। जिसकी वजह से वो अब अपनी सप्लाई चेन को बदलना चाहते हैं। इसका एक और कारण भी है। ग्लोबल मार्केअ में चीन की विश्वसनीयता भी काफी कम हो गई है। वहीं दूसरी ओर चीन और अमेरिका साथ ही यूरोप के रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे हैं। ऐसे में अमेरिका और यूरोप अपने देश के करीब ही दवाएं बनाना चाहती हैं। कंसल्टिंग फर्म लोएस्ट्रो की रिपोर्ट के अनुसार वेस्टर्न देशों की फार्मा कंपनियां अपने देश में ही फैक्ट्रीज लगा रही हैं। ताकि सप्लाई चेन कोई परेशानी ना हो, नियम का ठीक से पालन हो सके साथ ही दवा बनाने में कोई परेशानी ना हो। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा कंपनियों को 30 दिनों में दवाओं के दाम कम करने के आदेश दिए थे। जानकारों का मानना है कि इससे फार्मा कंपनियां भारत में अपने पार्टनर्स की तलाश करेंगी ताकि रिसर्च और प्रोडक्शन दोनों की कॉस्ट में कमी आ सके।

दिल्ली-मुंबई नहीं, गुजरात में सबसे पहले दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

सामने आई बड़ी जानकारी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। बुलेट ट्रेन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। जिसके मुताबिक साल 2028 तक दिल्ली-मुंबई नहीं बल्कि गुजरात में बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। गुजरात के साबरमती से वापी के बीच में यह ट्रेन चल सकती है। इसके अलावा अहमदाबाद से लेकर मुंबई के बीच 508 किलोमीटर के बीच यह साल 2030 में दौड़ सकती है।

इन रास्तों से गुजरेगी ट्रेन

न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक, साबरमती-वापी कॉरिडोर के लिए 2028 और अंत में 2030 में मुंबई तक के लिए सवारियों का असेसटमेंट मांगा गया है। रास्ते के लिए 30 साल का असेसमेंट मांगा गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच बन रही बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। ये हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर 508 किलोमीटर लंबा होगा, जो महाराष्ट्र

के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), ठाणे, विरार, बोइसर और गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद व साबरमती से होकर गुजरेगा। इसमें गुजरात का हिस्सा 348 किलोमीटर और मुंबई का हिस्सा 156 किलोमीटर है। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 300 किलोमीटर लंबा वायडक्ट (ऊंचा पुल) बनकर तैयार हो चुका है। बीकेसी में मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन की खुदाई का 76% काम पूरा हो गया है। इसके अलावा, 383 किलोमीटर पियर (खंभों) का काम, 326 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 401 किलोमीटर फाउंडेशन का काम भी हो चुका है।

गुजरात से मुंबई जाना होगा आसान

ये बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा को तेज और आसान बनाएगी। गुजरात और महाराष्ट्र के कई शहरों को जोड़ने वाला ये कॉरिडोर दोनों राज्यों के लिए आर्थिक विकास का नया रास्ता खोलेगा। स्टेशनों और बुनियादी ढांचे का काम तेजी से चल रहा है, जिससे उम्मीद है कि जल्द ही ये परियोजना पूरी होकर यात्रियों के लिए शुरू होगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के फायदे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन से यात्रा का समय बचेगा, ट्रेन चलाने की लागत घटेगी और प्रदूषण कम होगा। अधिकारियों के मुताबिक, ये नौकरियों के नए मौके देगी। सड़क हादसों को कम करेगी और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाएगी।

मुकेश अंबानी के वो बिजनेस जो हुए फेल, इस वजह से मिली नाकामी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी भारत ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे सफल बिजनेसमैन में से एक हैं, जिनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ऊर्जा, टेलीकॉम और रिटेल जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। हालांकि, उनकी व्यावसायिक यात्रा में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स भी रहे हैं जो अपेक्षित सफलता नहीं पा सके। ऐसे में आइए जानते हैं ऐसे बिजनेस जिसमे खुद अंबानी भी हो गए फेल... रिलायंस टाइमआउट, रिलायंस ट्रेंड्स और रिलायंस फ्रेश बाजार में अपनी पकड़ बनाने में असफल रहे। 2008 में लॉन्च किया गया 'रिलायंस टाइमआउट' एक मल्टी-फॉर्मेट रिटेल स्टोर था, जो किताबें, म्यूजिक और स्टेशनरी उत्पादों की बिक्री करता था। इसका उद्देश्य ग्राहकों को एक ही छत के नीचे विविध उत्पादों की सुविधा प्रदान करना था। हालांकि, ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के कारण यह मॉडल सफल नहीं हो सका। आखिरकार, 2012 में इस स्टोर को बंद करना पड़ा। 'रिलायंस ट्रेंड्स' कपड़ों का

एक रिटेल नेटवर्क था, जिसे फैशन और लाइफस्टाइल सेगमेंट में स्थापित करने का प्रयास किया गया। हालांकि, यह पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है, लेकिन इसके कई स्टोर्स को बंद करना पड़ा है। पिछले साल कंपनी ने 'सेंट्रो' स्टोर्स को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की थी। बाजार में तीव्र प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की बदलती पसंद ने इस ब्रांड की सफलता में बाधा उत्पन्न की। 'रिलायंस फ्रेश' को ग्रॉसरी और डेली नीड्स के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने का लक्ष्य था। हालांकि, यह प्रारंभिक चरण में ग्राहकों को आकर्षित करने में सफल रहा, लेकिन समय के साथ इसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली। बाजार में प्रतिस्पर्धा और संचालन संबंधी चुनौतियों के कारण इसे 'रिलायंस रिटेल' के तहत पुनः संरचित किया गया। वैसे तो मुकेश अंबानी जिस बिजनेस में हाथ आजमाते हैं उसमे धमाल ही मचाते हैं।

बिजली बनाने वाली इस सरकारी कंपनी को 7897 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। बिजली बनाने वाली सरकारी कंपनी नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी कर दिए हैं। चौथी तिमाही में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का मुनाफा पिछले साल के मुकाबले 22% बढ़ा है। इस तिमाही में कंपनी को 7,897 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 6,490 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी की कमाई भी बढ़ी है। यह 3.2% बढ़कर 49,834 करोड़ रुपये हो गई है। पिछले साल यह 47,628 करोड़ रुपये थी। वहीं कंपनी ने अपने शेयरधारकों को खुश कर दिया है। एनटीपीसी ने प्रति शेयर 3.35 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। पिछली तिमाही में कैसा था प्रदर्शन? अगर हम पिछली तिमाही से तुलना करें, तो इस बार मुनाफा और भी ज्यादा बढ़ा है। क्यू 3 वित्तीयवर्ष25 में कंपनी का मुनाफा 5,170 करोड़ रुपये था। इस बार यह 53% बढ़कर 7,897 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, कंपनी की कमाई भी 11% बढ़ी है। पिछली तिमाही में यह 45,069 करोड़ रुपये थी, जो इस बार बढ़कर 49,834 करोड़ रुपये हो गई है।

बिजली बनाने से अच्छी कमाई

बिजली बनाने से कंपनी को अच्छी कमाई हुई है। इस काम से कंपनी ने 49,353 करोड़ रुपये कमाए हैं। पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 44,088 करोड़ रुपये था। पिछले साल इसी तिमाही में यह 47,089 करोड़ रुपये था। इसके

अलावा, कंपनी को दूसरी चीजों से भी 4,431 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। इसे 'अन्य आय' कहा जाता है। अगर हम सिर्फ एनटीपीसी के स्टैंडअलोन मुनाफे की बात करें, तो उसमें भी 4% की बढ़ोतरी हुई है। यह 5,778 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 5,556 करोड़ रुपये था। कंपनी की कमाई भी 5% बढ़कर 43,904 करोड़ रुपये हो गई है। पिछले साल यह 42,538 करोड़ रुपये थी।

पूरे साल में भी बढ़ा मुनाफा

पूरे साल की बात करें तो कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है। एफवाई25 में कंपनी का मुनाफा 19,649 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 18,079 करोड़ रुपये से 9% ज्यादा है। इसी तरह, कंपनी की कमाई भी 5% बढ़कर 1,70,037 करोड़ रुपये हो गई है। पिछले साल यह 1,62,009 करोड़ रुपये थी।

खर्च में भी बढ़ोतरी

कंपनी का खर्चा भी बढ़ा है। क्यू4एफ25 में कंपनी ने 39,778 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पिछली तिमाही में यह 35,317 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 37,414 करोड़ रुपये था।

फलों पर ग्लोबल वार्मिंग का हमला

कहीं बागवानी का क्षेत्र घटा तो कहीं उत्पादन आधा हो गया

देहरादून, 25 मई (एजेंसियां)। पहाड़ों पर इस बार बुरांश समय से पहले खिल गया, इससे वैज्ञानिक चिंतित थे ही, अब उत्तराखंड के पहाड़ों से सेब, आड़ू, आलूबुखारा, नाशपाती भी गायब होने लगे हैं। पर्वतीय ट्री लाइन हर साल कई फीट ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर शिफ्ट होने लगी है। वैज्ञानिक इसकी वजह ग्लोबल वार्मिंग बता रहे हैं। इसका असर पहाड़ के देवदार से लेकर मैदान में आम के पेड़ों तक दिखने लगा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की एक रिपोर्ट से पता चला है कि पूर्वी हिमालय में खासकर सर्दियों और वसंत के दौरान तापमान बढ़ रहा है। जिससे देवदार के पेड़ों में 38 फीसदी तक की गिरावट आई है और वृक्षरेखा अधिक ऊंचाई की ओर स्थानांतरित हो रही है। इस परिवर्तन से जहां बुग्यालों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। वहीं मैदान में भी पेड़ पौधे सुरक्षित नहीं हैं। कई जगह आम के पेड़ों में बौरों का आना जल्दी शुरू हो गया था। विशेषज्ञों के अनुसार इसके लिए बेमौसम बारिश और सामान्य से ज्यादा गर्म होती सर्दियां जिम्मेवार हो सकती हैं। ऐसा ही कुछ सेबों के मामले में भी देखने को मिल रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी कम होने से इसकी पैदावार पर असर पड़ रहा है। बढ़ते तापमान के साथ उत्तराखंड के पहाड़ों से सेब, आड़ू, आलूबुखारा, खुबानी, नाशपाती गायब हो रहे। अल्मोड़ा में फल उत्पादन 84 फीसदी घट गया है, जो उत्तराखंड के सभी जिलों में सर्वाधिक है। इसी तरह चमोली में भी फल उत्पादन में करीब 53 प्रतिशत की गिरावट आई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ों में पाए जाने वाले कई पेड़-पौधे बढ़ते तापमान के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। ऐसे में यदि समय रहते ध्यान न दिया गया तो उनके लिए अस्तित्व को बचाए रखना कठिन हो जाएगा। उन्होंने कुछ क्षेत्रों में बर्फ की मात्रा में बदलाव करके कृत्रिम रूप से तापमान बढ़ाकर देखा कि पौधे बढ़ती गर्मी का सामना कैसे करते हैं, लेकिन अध्ययन के नतीजे निराशाजनक रहे। पौधे न तो खुद को गर्म तापमान के अ नुसार बदल पाए और न ही पहाड़ की ऊंचाई पर तेजी से फैल पाए, ताकि वे गर्मी से बच सकें। आशंका है कि वे प्रजातियां समय के साथ विलुप्त हो जाएंगी। उत्तराखंड में बीते सात वर्षों से फलों की पैदावार चिंताजनक रूप से घट गई है। क्लाइमेट सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2016-17 में उत्तराखंड में 25,201.58 हेक्टेयर क्षेत्र में सेब का उत्पादन किया गया, जो वर्ष 2022-23 में 55 फीसदी की गिरावट के साथ घटकर महज 11,327.33 हेक्टेयर रह गया। इस अवधि के दौरान सेब के उत्पादन में 30 फीसदी की गिरावट देखी गई। नींबू की विभिन्न प्रजातियों में भी 58 फीसदी की कमी आई है। गौरतलब है कि 2016-17 में फल उत्पादन का कुल क्षेत्र करीब 177,324 हेक्टेयर था, वह 2022-23 में घटकर महज 81692.58 हेक्टेयर रह गया। इसी तरह जहां उत्तराखंड में 2016-17 के दौरान फलों का कुल उत्पादन 662847.11 मीट्रिक टन था, जो 2022-23 में घटकर 369447.3 मीट्रिक टन रह गया।

जिलावार देखें तो टिहरी में बागवानी के क्षेत्रफल में सबसे ज्यादा कमी हुई। इसके बाद देहरादून है। हालांकि दोनों ही जिलों में इसके सापेक्ष फलों के उत्पादन में अधिक कमी नहीं देखी गई। दूसरी तरफ, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार में बागवानी के क्षेत्रफल और फलों के उत्पादन दोनों ही में काफी गिरावट आई है। अल्मोड़ा में फल उत्पादन 84 फीसदी घट गया है, जो उत्तराखंड में सर्वाधिक है। वहीं चमोली में 2016-17 से 2022-23 के बीच बागवानी के क्षेत्रफल में महज 13 फीसदी की कमी दर्ज की गई, लेकिन फल उत्पादन में करीब 53 की गिरावट आई है। दूसरी तरफ उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में बागवानी के क्षेत्रफल में क्रमशः 43 और 28 फीसदी की कमी होने के बावजूद फलों के उत्पादन में 26.5 और 11.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई है।

गर्म और शुष्क होती सर्दियों से उत्पादन पर पड़ रहा असर

1970 से 2022 के बीच उत्तराखंड के औसत तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग जिलों में बर्फ से ढका क्षेत्र साल 2000 की तुलना में 2020 में 90 से 100 वर्ग किमी तक सिकुड़ गया है। हिमालय के ऊंचे क्षेत्रों में अधिक सर्दी और बर्फ सेब, नाशपाती, आड़ू, आलूबुखारा, अखरोट, खुबानी जैसे फलों को फलने के लिए बेहद जरूरी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त - 18-40
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	05-04 बजे
चंद्र-	मेष मे	मिथुन...	07-04 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क---	09-17 बजे
बुध-	वृष मे	सिंह---	11-28 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	13-35 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	15-42 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक...	17-50 बजे
राहु-	कुंभ मे	धनु.....	20-04 बजे
केतु-	सिंह मे	मकर...	22-10 बजे
		कुंभ...	00-01 बजे
		मीन....	01-39 बजे
		मेष....	03-15 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 12-12 तक उपरान्त अमावस्या
मास - ज्येष्ठ कृष्ण, सोमवार 26 May
नक्षत्र - भरणी 08-23 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शोभन 07-01 तक उप अतिगण्ड
करण- शकुनि 15-51 तक उप चतुष्पाद
विशेष- पितृ कार्ये सोमवती अमावस्या
व्रत-त्योहार - वृष सावित्री पूजा-अर्चना

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:20 से 08:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:45 - 07:20 शुभ	चंचल	18:40 - 20:06 शुभ
काल	07:20 - 08:58 अशुभ	रोग	20:06 - 21:28 अशुभ
शुभ	08:58 - 10:36 शुभ	काल.	21:28 - 22:51 अशुभ
रोग	10:36 - 12:13 अशुभ	लाभ.	22:51 - 00:13 शुभ
उत्पात	12:13 - 13:51 अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:36 अशुभ
चंचल.	13:51 - 15:28 शुभ	शुभ	01:36 - 02:58 शुभ
लाभ.	15:28 - 17:06 शुभ	अमृत	02:58 - 04:20 शुभ
अमृत	17:06 - 18:40 शुभ	चंचल.	04:20 - 05:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है । ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके । अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवदेन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यों से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है, लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है , हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

5 करोड़ जीतते ही चढ़ गया था शोहरत का नशा

लगी शराब की लत, तलाक की नौबत आई, आज सरकारी टीचर; केबीसी विनर सुशील कुमार की दास्तान

मोतिहारी, 25 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मैं सुशील कुमार, साल 2011 के पहले मुझे कोई नहीं जानता था। मैं 'कौन बनेगा करोड़पति' यानी केबीसी सीजन-5 का विनर हूं। साल 2011 में पांच करोड़ का इनाम जीता था। इसी से मुझे पहचान मिली। फिलहाल, बिहार में गवर्नमेंट टीचर हूं। रहने वाला मोतिहारी का हूं। पापा नेपाल के बीरगंज में एक स्टील फैक्ट्री में काम करते थे। इसी से घर चलता था। दो कमरे का घर था। पांच भाई, मम्मी-पापा सभी इसी घर में रहते थे। भाइयों की शादी हुई, तब और दिक्कत होने लगी। रहने के लिए घर नहीं था। कोई बरामदे में सोता था, तो कोई किचन में। दो ही कमरे थे, तो क्या करता। एक भाई आज भी वहीं रहता है।

गरीबी में बचपन बीता। फटे-पुराने कपड़े पहनता था। रिश्तेदारी या गांव के लोग घृणा से देखते थे। कई बार तो किसी भोज में खाने के लिए जाता, तो उठाकर भगा देते थे। कहते- तुम कहां चले आए हो भोज खाने। जलालत महसूस होती थी।

12वीं में पहुंचा तो अपने खर्च के लिए ट्यूशन पढ़ाने लगा। ग्रेजुएशन के बाद एलआईसी का एजेंट बन गया। साल 2000 के आस-पास 'कौन बनेगा करोड़पति' आया। हमारे यहां तो टीवी था नहीं, इसलिए पड़ोसियों के घर पर देखता था। जब कैमरे पर अमिताभ बच्चन 50 हजार, एक लाख, दो लाख, पांच लाख, एक करोड़... ऐसे बोलते थे, तब मुझे लगता था कि काश! मैं भी इतने पैसे जीत जाता, तो गरीबी दूर हो जाती।

करीब 6 साल तक एलआईसी एजेंट के तौर पर काम करने के बाद मनरेगा में सुपरवाइजर की नौकरी हो गई। महीने की 5-6 हजार रुपए सैलरी थी। पता था कि इस पैसे से सिर्फ पेट पल सकता है। मैंने बीपीएससी, रेलवे की तैयारी शुरू कर दी। इससे जनरल नॉलेज मजबूत होने लगा। लाइब्रेरी जाकर पढ़ाई करता था। इस दौरान कुछ लोग भी मिले, जिन्होंने खूब मोटिवेट किया। तब केबीसी के लिए अप्लाई करने लगा। मुझे आज भी याद है जब केबीसी से कॉल आया था। उन्होंने मुंबई बुलाया। मैं और मेरी पत्नी कभी मोतिहारी से बाहर नहीं गए थे, इसलिए मुंबई जाना ही बड़ी बात थी। पत्नी के साथ मुंबई गया था। पहली बार हम दोनों हवाई जहाज में बैठे थे।

केबीसी के सेट पर पहुंचा तो सब सपने की तरह लग रहा था। पहली बार किसी एक्टर और उसमें भी अमिताभ बच्चन से मिल रहा था। जैसे ही हॉट सीट पर बैठा, नर्वस होने लगा। सोचने लगा कि आगे क्या होगा। गेम शुरू हुआ। एक-एक सवाल का जवाब देते हुए एक करोड़ के सवाल तक को जीत लिया। अब था कि इतने पैसे में घर तो बन ही जाएगा। अब खेल को खत्म कर लेते हैं, लेकिन सोचा चांस लेकर पांच करोड़ का भी सवाल देख लेता हूं। कंप्यूटर स्क्रीन पर सवाल फ्लैश होने के बाद तकरीबन 15 मिनट का मैंने समय लिया। पांच करोड़ का सवाल था- 18 अक्टूबर 1868 को किस औपनिवेशिक शक्ति ने निकोबार द्वीप समूह के अधिकार अंग्रेजों को बेचकर भारत में अपनी भागीदारी समाप्त कर दी? मेरे पास एक लाइफलाइन थी- जिसमें दो गलत जवाब के ऑप्शन हट जाते, उसका इस्तेमाल किया। फिर बहुत देर सोचने के बाद मैंने डेनमार्क जवाब दिया। अमिताभ बच्चन ने जैसे ही बोला- सही जवाब, 5 करोड़ आप जीत गए। मैंने पानी की बॉटल खुद के ऊपर उड़ेल ली। खुशी के मारे पैर जमीन पर नहीं थे। जो लड़का हजार, दो हजार के लिए तरस रहा हो, उसे पांच करोड़...। जब केबीसी जीतकर मुंबई से अपने गांव लौटा, तो घर पर 2-3 साल तक लोगों का, मीडिया का, शहर के ब्यूरोक्रेट्स, नेताओं का तांता लगा रहा। लोग उद्घाटन में फीता काटने, दीए जलाने के लिए बुलाते। मुझे भी लगता कि अब तो सेलिब्रिटी बन गया हूं। ऐसा लगता था, यही मेरी जिंदगी है। जितना हो सके नाम कमा लूं, एक अलग पहचान बनाऊं बस यही सोचता रहता था। सच बताऊं, तो ग्लैमर का नशा चढ़ गया था। पॉकेट में करोड़ों रुपए थे, तो लोग भी हर रोज समाज सेवा, खुद की जरूरत, बेटी की शादी, पढ़ाई-लिखाई के नाम पर पैसे मांगते रहते थे। मैं सीधा-साधा गांव का आदमी। उन्हें

पैसे दे भी देता था। किसी को दो लाख, तो किसी को चार लाख... 50 हजार से कम तो किसी को देता ही नहीं था। बाद में पता चलता कि वह तो बहाने बनाकर पैसे ऐंठ गया। फिर भी मैं अपने धुन में रहता। इस बात पर पत्नी से रोज लड़ाई-झगड़ा, कलह होता रहता था। वह हमेशा यही कहती- पैसे को इस तरह से पानी में मत बहाइए। पत्नी कहती रहती थी, लेकिन मैं सुनता ही नहीं था। तब लगता था कि पत्नी सोशल वर्क करने से, पहचान बनाने से रोक रही है। अब लगता है कि वो सब एक नशे की तरह था। हम दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि तलाक तक की नौबत आ गई।

पढ़ाई-लिखाई से दूर होता चला गया। मेरे पास करने को कुछ नहीं था। दोस्तों के साथ रहना, शराब-सिगरेट पीना। यही चलता रहता था। इसी बीच मैंने अनगिनत फिल्में देखीं। तब लगा कि डायरेक्शन, फिल्म इंडस्ट्री में जाना चाहिए।

पत्नी परेशान होकर मायके जा चुकी थी और मैं भी मुंबई चला गया। तकरीबन एक साल तक मुंबई में रहा। 6 महीने तो बैठकर ही खाया, कुछ-कुछ किस्से-कहानी लिखता रहता था। फिर एक प्रोडक्शन हाउस में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम मिला। कुछ दिन बाद डायरेक्टर कहने लगा, इस पोजिशन के मुताबिक तुम्हारी उम्र ज्यादा है। वह काम भी हाथ से चला गया।

एक साल बीतने के बाद समझ आया कि इंडस्ट्री में गुजारा नहीं है। एहसास हुआ कि ये सब पैसों का भूत है। पीछे मुड़कर देखा, तो पूरा परिवार छूटता दिख रहा था। अपनी सनक के लिए परिवार, पत्नी हर किसी को अनदेखा कर चुका था। गलत रास्ते पर चला गया था। तब गांव लौटने का फैसला किया। सबकुछ इतना बिगड़ चुका था कि संभालने में चार साल लग गए। 2015-16 का साल बीत रहा था। पत्नी अपने मायके में थी। किसी तरह उसे समझा-बुझाकर वापस घर ले आया। अगर समय रहते नहीं ठहरता, तो तलाक हो चुका होता। मेरे पास सब कुछ होता, लेकिन परिवार नहीं होता।

साल 2020 में जब मैंने सोशल मीडिया पर शराब, सिगरेट, पत्नी से तलाक, पैसों की बर्बादी... ये सारी बातें लिखीं, तब लोगों ने कहना शुरू किया- केबीसी विनर सुशील कुमार कंगाल हुए। बर्बाद हुए। पत्नी से अलग हुए।

कुछ बातें सही थीं, लेकिन बहुत सारी बातें गलत थीं। ये सब देख कर दुख होने लगा कि मेरी छवि क्या से क्या बन गई। दरअसल, मुंबई में रहने के दौरान मैं किस्से-कहानी लिखना सीख चुका था। क्रिएटिविटी के चक्कर में बहुत कुछ बढ़ा-चढ़ाकर लिख देता था।

कई बार तो अपने बारे में बताने की एक खास वजह भी थी। दरअसल, लोग मुझे अपना रोल मॉडल समझने लगे थे। सोचते थे कि जब दिहाड़ी करने वाले गरीब परिवार का सुशील केबीसी में जा सकता है। 5 करोड़ का इनाम जीत सकता है, तो हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते। जिन दोस्तों के साथ शराब-सिगरेट पीता था, उन्होंने साथ की कुछ तस्वीरें, वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिए थे। तब लगता था कि पब्लिकली ये तस्वीरें-वीडियो सामने आ गए, तो क्या होगा? लोग कहेंगे कि- जिसे रोल मॉडल मानते थे, वो तो शराबी है। धुआं उड़ाता है। एक बार तो एक कार्यक्रम में मुझे बतौर चीफ गेस्ट बुलाया गया था। जब मैं पहुंचा तो ऑर्गनाइजर का एक मेंबर बोला- अरे ! किस शराबी, नशेड़ी को बुला लिए हैं। ये चीफ गेस्ट के लायक है क्या। मैंने ये बातें सुन लीं। थोड़ी ही देर बाद वहां से निकल गया। उसके बाद मैंने कार्यक्रमों में जाना ही बंद कर दिया। केबीसी विनर के तौर पर मुझे पहचान तो मिली, लेकिन धक्के भी बहुत खाए। पटना का एक वाकया मुझे याद है- पासपोर्ट बनवाने के लिए गया था। एक काउंटर पर लोग मेरे साथ फोटो खिंचवा रहे थे। सुशील कुमार, केबीसी विनर... कहते हुए हाथ मिला रहे थे।

वहीं दूसरे काउंटर पर अधिकारी मुझे इधर से उधर दौड़ा रहे थे। तब मुझे लगा कि केबीसी विनर का तमगा लेकर घूमने से कुछ नहीं होने वाला है। तब मैंने फिर से पढ़ना-लिखना शुरू कर दिया। घर चलाने के लिए, दाल-रोटी के लिए कोई रोजगार तो चाहिए था। पांच करोड़ में से 30% टैक्स काटकर साढ़े तीन करोड़ रुपए मिले थे। बिजनेस के नाम पर करीब 25-30 लाख रुपए डुबो चुका था। इसके अलावा भी काफी पैसा बर्बाद कर चुका था इसलिए अब रोजगार चाहिए था।

सरकारी टीचर में पिछले साल नौकरी लग गई। सोशल वर्क के तौर पर मैंने गौरैया संरक्षण अभियान पर काम करना शुरू किया। शहर में अलग-अलग जगहों पर, लोगों के घरों में लकड़ी के बने घोंसले, धान की सूखी टहनी, गौरैया के पीने के लिए मिट्टी के बर्तन लगाता हूं। चंपारण में चंपा फूल के 70 हजार से अधिक पौधे लगा चुका हूं। लोग मजाक भी उड़ाते हैं। कहते हैं- इतना पढ़ा-लिखा होकर, केबीसी विनर होकर, पांच करोड़ जीतकर चिड़िया का घोंसला लगाता है। पेड़ लगाता है।

उन्हें कैसे बताऊं कि जो गरीबी मैंने देखी है, जहां से मैं आता हूं, वहां अपना घर होना कितनी बड़ी बात होती है। मैं खुद बरसों तक एक घर के लिए तरसता रहा। हमारी 15 लोगों की फैमिली 2 कमरे के घर में रहती थी। केबीसी जीतने के बाद मैंने सबसे पहले घर बनवाया था। इस काम से मेरी भावनाएं जुड़ी हुई हैं। मैं भाइयों में तीसरे नंबर पर हूं। पता था कि पापा की कमाई से लंबे समय तक घर नहीं चल सकता है। 8वीं, 9वीं के बाद से ही भाइयों ने कमाना शुरू कर दिया। कोई दवा का काम करने लगा, तो कोई फैक्ट्री में।

मैं कई सालों से केबीसी के लिए अप्लाई कर रहा था। इसी साल फरवरी महीने में शादी हुई थी। शादी के बाद घर में रहने के लिए जगह नहीं थी, तब मुझे रेंट पर घर लेना पड़ा। कुछ ही महीने बाद केबीसी से कॉल आ गया। केबीसी जाने से पहले या अभी भी, मेरे पहनावे, ओढ़ावे में कोई अंतर नहीं आया है। कभी-कभी तो कोई पहचान भी नहीं पाता है कि मैं ही सुशील कुमार हूं।

झारखंड की राजनीति में आ सकता है नया मोड़

सभी दलों को सोचने पर किया मजबूर

रांची, 25 मई (एजेंसियां)। झारखंड में सरना धर्म कोड की मांग एक लंबे समय से चली आ रही मांग है, जो अब राज्य की राजनीति की धुरी बनती जा रही है।

यह मुद्दा न केवल आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़ा है, बल्कि यह एक बड़े वोट बैंक को प्रभावित करने वाला राजनीतिक हथियार भी बन गया है। झारखंड की लगभग 27 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है, जो मुख्य रूप से खुद को सरना धर्म के तहत मानती है।

यह प्रकृति पूजा पर आधारित है और इसे मानने वाले संताली, मुंडा, हो, और कुरुख समेत अन्य समुदाय पेड़, पहाड़, नदियों और जंगलों की पूजा करते हैं। वर्ष 2020 में झारखंड विधानसभा ने सर्वसम्मति से सरना आदिवासी धर्म कोड को जनगणना में शामिल करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था, जिसे केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजा गया।

हालांकि, केंद्र द्वारा इस पर कोई ठोस निर्णय न लेने से यह मुद्दा और गर्म हो गया है और राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाला गठबंधन इसे लेकर राजनीतिक तौर पर हावी है।

राजनीतिक रणनीति और दलों की भूमिका

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने सरना धर्म कोड को लागू करने की मांग को अपने राजनीतिक एजेंडे का केंद्र बनाया है।

झामुमो ने केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि जब तक सरना आदिवासी धर्म कोड लागू नहीं होता, तब तक राज्य में जनगणना नहीं होने दी जाएगी। पार्टी ने आगामी 27 मई को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की भी घोषणा की है, जिसमें सभी जिला मुख्यालयों पर धरना आयोजित किया जाएगा।

यह रणनीति आदिवासी समुदाय में अपनी पैठ मजबूत करने और सत्तारूढ़ गठबंधन की छवि को आदिवासी हितों के रक्षक के रूप में स्थापित करने की कोशिश है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने इसे लेकर भाजपा को निशाने पर लेते हुए उसे आदिवासी विरोध करार दिया है।

कांग्रेस भी इस मुद्दे पर सक्रिय है और इसे अपने चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा बना चुकी है। यह कदम आदिवासी वोट बैंक को लुभाने के साथ-साथ गठबंधन सहयोगी झामुमो के साथ तालमेल बनाए रखने का प्रयास है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में पार्टी प्रवक्ताओं और प्रमुख नेताओं की हालिया बैठक में राज्य में सरना धर्म कोड पर फोकस बढ़ाने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन की योजना बनाई है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर के मुताबिक जनगणना फार्म में सरना धर्म के लिए अलग कालम न होना केंद्र की नीयत में खोट को दर्शाता है।

भाजपा भी इस मुद्दे को लेकर झेल रही आरोप

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे पर दोहरे रवैये का आरोप झेल रही है। भाजपा ने 2014 में यूपीए सरकार के दौरान सरना धर्म कोड की मांग को अव्यवहारिक बताकर खारिज करने का हवाला देते हुए झामुमो और कांग्रेस पर पलटवार किया है।

हालांकि, 2024 में संपन्न विधानसभा चुनाव में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने वादा किया था कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो सरना धर्म कोड लागू करेगी। यह बयान आदिवासी वोटों को आकर्षित करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, लेकिन पार्टी का अतीत में इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख ने विवाद को जन्म दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के मुताबिक सरना धर्म कोड के नाम पर राजनीति करने का ड्रामा कर रही कांग्रेस को कोई याद दिलाए कि अंग्रेजों के जमाने (1871) से चले आ रहे आदिवासी धर्म कोड को 1961 में कांग्रेस की सरकार ने ही हटाया था।

क्या ये लोग भूल चुके हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की पिछली सरकार ने सरना धर्म कोड की मांग को अव्यवहारिक बताते हुए ठुकरा दिया था? लेकिन अभी इन्हें राजनीति करनी है।

मुद्दा क्यों बन रहा हॉट केक

वोट बैंक की राजनीति- झारखंड में आदिवासी समुदाय एक बड़ा वोट बैंक है और सरना धर्म कोड का मुद्दा सभी प्रमुख दलों के लिए इसे अपने पक्ष में करने का अवसर प्रदान करता है। झामुमो और कांग्रेस की आक्रामक रणनीति से आदिवासी मतदाताओं का ध्रुवीकरण हो सकता है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्ताव पर निर्णय में देरी से झारखंड में असंतोष बढ़ सकता है। यह झामुमो और कांग्रेस को केंद्र की नीतियों पर हमला करने का मौका देगा। भाजपा के लिए यह मुद्दा एक चुनौती है, क्योंकि सरना को अलग धर्म मान्यता देना उसके हिंदुत्व की विचारधारा से टकरा सकता है। इससे भाजपा को आदिवासी समुदाय और हिंदू मतदाताओं के बीच संतुलन बनाने में कठिनाई हो सकती है।

राज्य की राजनीति में ला सकता है महत्वपूर्ण मोड़

सरना धर्म कोड का मुद्दा झारखंड की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला सकता है। यह आदिवासी समुदाय की पहचान और अधिकारों की लड़ाई के साथ-साथ राजनीतिक दलों के लिए वोट बैंक की रणनीति का हिस्सा बन गया है। झामुमो और कांग्रेस इस मुद्दे को आदिवासी अस्मिता से जोड़कर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भाजपा इसे लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए है।

आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक बयानबाजी से झारखंड की सियासत और गर्म हो सकती है। केंद्र सरकार के रुख और जनगणना में सरना कोड शामिल करने के निर्णय पर सभी की निगाहें टिकी हुई है।

झारखंड में प्री मानसून की बारिश से बदला मौसम

30 मई तक रहेगा कूल-कूल

रांची, 25 मई (एजेंसियां)। झारखंड में तीन से पांच जून के बीच मानसून पहुंचेगा. झारखंड में प्री मानसून गतिविधियां शुरू हो गयी हैं. मौसम का मिजाज बदला-बदला दिख रहा है. मानसून कोल्हान और संताल के रास्ते झारखंड में आएगा. 15 जून तक पूरे राज्य को कवर कर लेगा. मौसम विज्ञान केंद्र प्रभारी अभिषेक आनंद ने कहा कि इस बार पूरे झारखंड में मानसून की अच्छी बारिश होने का अनुमान है.

रांची-मानसून के केरल पहुंचने के 10 से 12 दिनों में मानसून झारखंड में आ जाता है. झारखंड में प्री मॉनसून गतिविधि शुरू हो गयी है. मौसम का मिजाज बदला-बदला दिख रहा है. मौसम विज्ञान केंद्र ने झारखंड में तीन से पांच जून के बीच मानसून आने के संकेत दिए हैं. राज्य में इसका प्रवेश कोल्हान और संताल के रास्ते हो सकता है. सब कुछ अनुकूल रहा तो यह 15 जून तक पूरे झारखंड को कवर कर लेगा.

30 मई तक झारखंड में बारिश के आसार

मौसम विज्ञान केंद्र का पूर्वानुमान है कि 30 मई तक झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हो सकती है. कहीं-कहीं गर्जन के साथ वज्रपात भी हो सकता है. इस दौरान कुछ जगहों पर हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे हो सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, हवा और बारिश के कारण फिलहाल अधिकतम तापमान भी सामान्य से सात से आठ डिग्री सेसि तक नीचे चल रहा है. कई जिलों का अधिकतम तापमान तो 30 डिग्री सेसि से भी नीचे चला गया है. शनिवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेसि दर्ज किया गया. वहीं, लातेहार का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेसि के आसपास रहा. 35 डिग्री सेसि के साथ डालटनगंज राज्य का सबसे गर्मी जिला रहा.

झारखंड में मानसून की अच्छी बारिश होने का अनुमान

मौसम विज्ञान केंद्र प्रभारी अभिषेक आनंद ने कहा कि इस बार केरल में सामान्य से करीब छह दिन पहले ही मानसून की बारिश शुरू हो गयी है. इससे 10 से 12 दिनों के बाद झारखंड में मानसून की बारिश आ जाती है. इस बार पूरे झारखंड में मानसून की अच्छी बारिश होने का अनुमान है. राज्य में प्री मानसून गतिविधि भी चल रही है.

पावर प्लांट में पाइपलाइन की वेल्डिंग करते समय मिट्टी धंसी, एक मजदूर की मौत

कोरबा, 25 मई (एजेंसियां)। कोरबा के पताढ़ी गांव में स्थित पावर प्लांट में हादसा हुआ है। यहां पाइपलाइन की वेल्डिंग करते समय एक एक मजदूर सतीश शांडिल्य (30) की मौत हो गई। मजदूर की मौत के बाद लोगों में भारी आक्रोश है। सुरक्षा और प्रशासन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि प्लांट में सुरक्षा की कमी है और मजदूरों को बिना सेफ्टी गियर और प्रशिक्षण के काम पर लगाया जाता है। मजदूरों का आरोप है कि प्लांट में सुरक्षा की कमी है बिना सेफ्टी गियर और प्रशिक्षण के काम कराया जा रहा है। मुनाफे की होड़ में मजदूरों की सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों और साथी मजदूरों के बयान दर्ज किए हैं।

मृतक सतीश कुमार के बड़े भाई पूनी राम ने बताया कि वह मूलतः कापन के रहने वाले हैं। वह पिछले 6 माह से काम करते आ रहा था। उसे फोन पर उसके दोस्तों ने बताया कि सतीश दब गया उसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं। जहा आकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। सतीश वेल्डिंग का काम करता था और प्लांट में पाइपलाइन की वेल्डिंग कर रहा था। इस दौरान मिट्टी घसने से वो दब गया। और उसकी मौत हो गई।

40 किमी की पदयात्रा, जल, जंगल और जमीन के बचाने सड़क पर उतरेंगे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

रायपुर, 25 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने सड़क में उतरने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ में पद यात्रा निकालने जा रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज जल, जंगल, जमीन, खनिज संसाधनों को बचाने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में दीपक बैज के नेतृत्व में 26 से 29 मई 2025 को किरंदुल से दंतेवाड़ा तक 40 किमी की न्याय पदयात्रा निकाली जाएगी।

दीपक बैज ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अंतिम दिन दंतेवाड़ा कलेक्ट्रेट घेराव कर यात्रा का समापन किया जाएगा। भाजपा सरकार की आने के बाद से छत्तीसगढ़ के संसाधनों को निजी हाथों में सौंपने का काम हुआ है अवैध खनन के कई मामले सामने आ रहें हैं और इस प्रकार से भविष्य में भी कई मामले होने की आशंका है। इन्हीं मुद्दों को लेकर पदयात्रा निकाली जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विष्णुदेव साय की सरकार ने छत्तीसगढ़ को एक बार फिर कॉरपोरेट घरानों का चारागाह बना दिया है। बस्तर की चार बड़ी लौह अयस्क खदानें निजी पूंजीपतियों को इसमें से 2 खदानें बैलाडीला 1ए और बैलाडीला 1बी की खदान आर्सेलर मित्तल को 50 साल के लिए लीज पर दे दिया। बैलाडीला 1सी खदान रूंगटा स्टील को 50 सालों के लिए दिया गया।

उन्होंने कहा कि कांकेर जिले के हाहालादी खदान सागर स्टोन को 50 साल के लिए दे दिया गया है। यह शुरुआत है इसके बाद बस्तर के सभी बहुमूल्य खनिज संपदा को अडानी को सौंपने की तैयारी की जा रही है। अडानी के लिए बस्तर में रेड कारपेट बिछाया जा रहा।

बता दें कि हाल ही में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने दीपक बैज को एक लेटर लिखा था। इस लेटर में उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के खिलाफ उनकी तारीफ की थी।

नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन

झारखंड की विशिष्ट जरूरतों को रखा केंद्र के समक्ष

रांची, 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक हुई। इसमें झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हिस्सा लिया और राज्य की जरूरतों और विकास के मुद्दों को मजबूती से उठाया। बैठक में देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की कल्पना विकसित राज्यों और गांवों से होती है। गरीबी हटाना, महिला सशक्तिकरण, युवाओं को हुनर देना, किसानों की तरक्की, शिक्षा, आधारभूत ढांचा और तकनीकी विकास पर राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड सरकार लगभग 50 लाख महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की सहायता दे रही है, जिससे उनका सशक्तिकरण हो रहा है।

खनन कंपनियों पर 1.40 लाख करोड़ रुपये बकाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और कोयले की भरमार है, लेकिन खनन से प्रदूषण और विस्थापन जैसी समस्याएं भी हैं। खनन कंपनियों पर एक लाख चालीस हजार चार सौ पैंतीस करोड़ रुपये का बकाया है, जो जल्द से जल्द मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खनन के बाद कंपनियों को जमीन राज्य सरकार को वापस करनी चाहिए और अवैध खनन के लिए उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल-बेस्ड मीथेन गैस का इस्तेमाल कर ऊर्जा उत्पादन किया जा सकता है और कंपनियों को कैप्टिव प्लांट लगाना जरूरी किया जाना चाहिए। इसके अलावा, उत्पादन का 30% राज्य में उपयोग होने से रोजगार बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड का वन क्षेत्र पूर्वोत्तर राज्यों जैसा है, इसलिए यहां आधारभूत ढांचे के लिए मंजूरी मिलने में देरी होती है। झारखंड को भी पूर्वोत्तर राज्यों की तरह विशेष सहायता मिलनी चाहिए।

रेल और परिवहन व्यवस्था मजबूत करने की मांग

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में रेल सेवाओं का विस्तार जरूरी है। कंपनियों के सीएसआर और डीएमएफटी फंड को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के मुताबिक खर्च किया जाना चाहिए। साहेबगंज को कार्गो हब के रूप में विकसित करने और गंगा नदी पर अतिरिक्त पुल या बांध बनाने की मांग की। साथ ही डेडीकेटेड इंडस्ट्रियल माइनिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भी जोर दिया।

केंद्र की योजनाओं के मानदंड में बदलाव की जरूरत

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएं चला रही है जैसे पेंशन योजना, मइयां सम्मान योजना और अबुआ स्वास्थ्य योजना। उन्होंने कहा कि केंद्र की योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा आदि की राशि बढ़ाई जानी चाहिए और इन्हें राज्यों की जरूरतों के अनुसार लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 38 लाख गरीब परिवारों को 15 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने का काम शुरू किया है और जिलावार हेल्थ प्रोफाइल तैयार कर रही है, जिसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

पाक का चीनी एच क्यू-16 और एच क्यू-9 मिसाइल डिफेंस से उठा भरोसा

भारत के हमले में दोनों फेल, अब तुर्की के सिपेर पर दुश्मन की नजर

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ हालिया सैन्य टकराव में हुई पिटाई के बाद पाकिस्तान का चीनी एयर डिफेंस सिस्टम से भरोसा उठ गया है। पाक ने चीनी एयर डिफेंस एच क्यू-16 और एच क्यू-9 पर दांव लगाया था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह प्रणाली भारतीय हमलों का पता लगाने और उन्हें रोकने में बुरी तरह नाकाम रही थी। भारत की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध रणनीतिक ने चीनी सिस्टम को बेकार कर दिया। चीनी सिस्टम फेल होने के बाद अब पाक दूसरी रक्षा प्रणालियों को विकल्प के रूप में देख रहा है। रिपोर्ट बताती हैं कि पाक अब तुर्की की लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणालियों सिपेर 1 और सिपेर 2 के अधिग्रहण की संभावना तलाश रहा है।

भारत के हमले से खौफ में पाकिस्तान

पाकिस्तान की नए एयर डिफेंस सिस्टम की तलाश बताती है कि वह भारत के हमलों के बाद से किस कदर डरा हुआ है। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद भारत के आतंकवादी स्थलों के साथ ही चकलाला और रहीम यार खान समेत प्रमुख पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीक हमले किए थे।

फ्रांसीसी मूल की स्कैल्प क्रूज मिसाइलों से लैस भारतीय वायु सेना के राफेल जेट विमानों ने पाकिस्तान के एच क्यू-16 और एच क्यू-9 सिस्टम को बायपास कर दिया। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता ने पाकिस्तान के वायु रक्षा नेटवर्क को बिल्कुल अंधा कर लिया और वह एक भी मिसाइल को रोकने में विफल रहा। लाहौर और सियालकोट में एच क्यू-9 लॉन्चरों को भी नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान की नजर तुर्की के एयर डिफेंस सिस्टम पर है

सिपेर सिस्टम की खासियत

चीनी सिस्टम की नाकामी के बाद पाकिस्तान ने अपना ध्यान तुर्की के सिपेर मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर केंद्रित किया है। सिपेर ब्लॉक 1 गाइडेड मिसाइस 70 किमी की दूरी पर हवाई लक्ष्यों को भेद सकती है। यह एच क्यू-16 के बराबर क्षमता है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक काउंटर मेशर्स का विरोध करने के लिए बेहतर रेडार और गाइडेंस प्रणाली के साथ डिजाइन की गई है। यह प्रणाली पहले से ऑपरेशनल है।

सिपेर ब्लॉक 2 अभी परीक्षण में है और 2026 तक तुर्की वायु सेना के साथ चालू होने की उम्मीद है। ब्लॉक 2 संस्करण अपनी इंगेजमेंट रेंज को 150 किलोमीटर तक बढ़ाता है, जो इसे एच क्यू-9 के प्रत्यक्ष प्रतियोगी के रूप में स्थापित करता है। इसमें स्टील्थ और जैमिंग खतरों का मुकाबला करने के लिए आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। तुर्की वायु सेना रेडार जैमिंग और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के खिलाफ प्रणाली के लचीलेपन का मूल्यांकन कर रही है।

चीनी एयर डिफेंस से पाकिस्तान हुआ शर्मिंदा

तुर्की के सिपेर सिस्टम में पाकिस्तान की दिलचस्पी बताती है कि वह चीन से दूर जाना चाहता है। चीनी एच क्यू-16 और एच क्यू-9 के खराब प्रदर्शन ने न केवल पाकिस्तान को शर्मिंदा किया है, बल्कि बीजिंग के साथ उसके रक्षा संबंधों को भी खराब किया है। चीन में लोगों ने सिस्टम की नाकामी का दोष पाकिस्तान पर मढ़ा है और इसके लिए खराब संचालन को जिम्मेदार ठहराया है। इसने पाकिस्तान को ऐसे विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है जो भारत से पैदा होने वाले खतरों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सके।

तुर्की के सिपेर को शामिल करना आसान नहीं

तुर्की का सिपेर सिस्टम पाकिस्तान की कई वर्तमान कमजोरियों को दूर कर सकता है। इसकी एडवांस रेडार तकनीक भारत की नियोजित जैमिंग रणनीति को कम कर सकती है। इसके अलावा ब्लॉक 2 की 150 किमी लंबी रेंज पाकिस्तान को लंबी दूरी का रक्षा विकल्प भी देगी। लेकिन पाकिस्तान के लिए एसईपीईआर प्रणालियों को एकीकृत करना आसान नहीं होगा। पाकिस्तान का वर्तमान एकीकृत वायु रक्षा ढांचा चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर है। ऐसे में तुर्की की प्रणाली को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पाकिस्तान की आर्थिक बाधाएं रक्षा अधिग्रहण को मुश्किल बना सकती हैं। सिपेर प्रणालियों की कीमत अभी सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं की गई है,

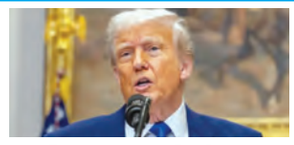

जिस आतंकी पर अमेरिका ने घोषित किया था ईनाम

वही बना सीरिया का राष्ट्रपति तो ट्रंप ने माफ किया गुनाह

दमिश्क, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने जिस आतंकवादी पर कभी करोड़ों का ईनाम घोषित किया था और आतंकी गतिविधियों के चलते उसके पूरे देश पर ही प्रतिबंध लगा रखा था, जब वही शख्स ताकत के बल पर सीरिया का राष्ट्रपति बन गया तो डोनाल्ड ट्रंप ने उसके सारे गुनाह माफ कर दिए। हम बात सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की कर रहे हैं, अमेरिका ने जिनके सारे गुनाहों को माफ कर दिया। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अल-शरा से मुलाकात करने के बाद सीरिया पर लगे सभी तरह के बैन भी हटा लिए। अब सीरिया ने अमेरिका के इस निर्णय का स्वागत किया है।

सुबह-सुबह आया जोरदार भूकंप अब यहां डोल गई धरती

तेहरान, 25 मई (एजेंसियां)।

रविवार सुबह अफगानिस्तान में जोरदार भूकंप आया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। यह भूकंप जमीन से 135 किलोमीटर नीचे आया था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि आज सुबह (भारतीय समयानुसार) 6 बजकर 33 मिनट पर अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक किसी के घायल होने या नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन सतर्क है और हालात पर नजर रख रहा है।

अफगानिस्तान में बीते दिन भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। इससे पहले 17, 18 और 19 मई को भी भूकंप आया था। भूकंप के लिहाज से अफगानिस्तान संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में यहां लगातार भूकंप आते रहे हैं। एनसीएस ने बताया कि बीते दिन यानी शनिवार को यहां आए भूकंप की तीव्रता 4.5 और केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले 19 मई को 4.2 तीव्रता का भूकंप, 18 मई को भी 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था। यह भूकंप 150 किलोमीटर की गहराई पर था।

पाक में राष्ट्रपति की बेटी के काफिले पर हमला

बाल बाल बचीं आसीफा भुट्टो

सांसद आसिफा भुट्टो जरदारी

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में एक बार फिर सरकार के खिलाफ गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया, जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति और देश की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की बेटी और सांसद आसिफा भुट्टो जरदारी के काफिले पर उस समय हमला हुआ जब वह कराची से नवाबशाह की ओर जा रही थीं। आसिफा का काफिला जैसे ही जमशोरो टोल प्लाज़ा के पास पहुंचा, प्रदर्शनकारियों ने उसे बीच सड़क पर रोक लिया। प्रदर्शनकारी गुस्से में दिख रहे थे और उन्होंने लाठी-डंडों से आसिफा भुट्टो के काफिले की गाड़ियों पर अचानक हमला किया, जिससे कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि हमले में आसिफा भुट्टो को किसी तरह की कोई चोट नहीं आई है। जमशोरो और हैदराबाद पुलिस तथा आसिफा की निजी सुरक्षा टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भीड़ के बीच से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस बारे में एसएसपी ज़फर सिद्दीक़ी ने बताया कि काफिला एक मिनट से भी कम समय के लिए रुका और किसी को कोई चोट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक प्रदर्शनकारी सिंध सरकार की उस योजना से नाराज़ हैं, जिसमें कृषि भूमि को कॉर्पोरेट कंपनियों को सौंपने की बात कही गई है। साथ ही, विवादित नहर परियोजना से स्थानीय लोगों को विस्थापन का डर भी सता रहा है।

कौन हैं असीफा भुट्टो?

आसिफा भुट्टो जरदारी पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की बेटी और बिलावल भुट्टो की बहन हैं।

आसिफा पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) की सक्रिय सदस्य हैं, उन्होंने अपनी पढ़ाई ब्रिटेन में की है और राजनीति में सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने कई जनसभाओं को संबोधित किया, जिससे विरोध बढ़ा है और उन्हें प्रदर्शनकारियों की नाराजगी का शिकार होना पड़ा है।

न्यूयॉर्क में नदी से गुजर रही नाव में हुआ धमाका, एक की मौत; जांच में जुटी पुलिस

न्यूयॉर्क, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक बार फिर से बड़ा हादसा सामने आया है। यहां हडसन नदी से गुजर रही एक नाव में धमाके की घटना सामने आई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत भी हो गई है। वहीं पुलिस का कहना है कि उन्हें 911 पर हादसे की जानकारी मिली थी। कॉल करने वाले लोगों ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति नदी में बेहोशी की हालत में मिला। हालांकि व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। वहीं मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। दरअसल, अमेरिकी तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया पर इस घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह लगभग साढ़े दस बजे नदी से गुजर रही नाव में विस्फोट की घटना हुआ। नाव पर सवार व्यक्ति ज्वलनशील पदार्थ से संबंधित काम कर रहा था। न्यूयॉर्क पुलिस ने बताया कि 911 पर कॉल करने वाले लोगों को नदी में 59 वर्षीय एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। हालांकि उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि अधिकारी अभी भी विस्फोट के कारण की जांच कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मृतक की पहचान का खुलासा नहीं किया है। बता दें कि इससे पहले पिछले सप्ताह भी न्यूयॉर्क शहर में एक नाव ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गई थी। ये नाव मैक्सिकन नौसेना की बताई जा रही थी, जो कई देशों की यात्रा पर निकला थी। इस घटना में कई लोगों की मौत बी हो गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद खौफ में पाक

आईएमएफ से मिला लोन तो बढ़ाया डिफेंस बजट

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के सुरक्षाबलों की कमर तोड़ दी है, जिसके बाद अब शहबाज सरकार अपना रक्षा बजट बढ़ाने जा रही है। शहबाज सरकार में योजना मंत्री अहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान का डिफेंस बजट बढ़ाने का ऐलान करते हुए कहा कि हमारा पड़ोसी बहुत खतरनाक है। पाक मंत्री ने कहा कि पिछले अनुभवों की बात करें तो पुलवामा हमले और बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसी घटनाएं दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव का सबूत रही हैं। इकबाल ने आगे कहा कि यह साबित हो चुका है कि हमारा एक खतरनाक पड़ोसी है जिसने रात में हम पर हमला किया। इस वजह से उन्होंने देश की रक्षा बजट में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है।

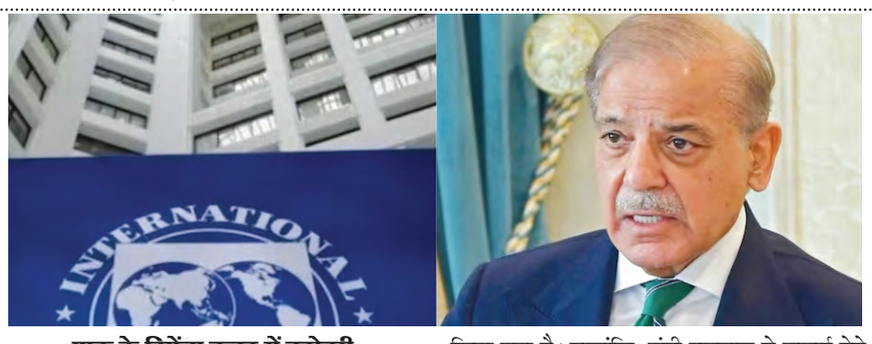

पाक के डिफेंस बजट में बढ़ोतरी

बजट में रक्षा खर्च बढ़ाने की योजना केवल सैन्य दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता के लिए भी अहम है। इकबाल ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है कि हम सशस्त्र बलों को उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए जो कुछ भी चाहिए, वह प्रदान करें।

बजट प्रस्ताव और आईएमएफ की स्थिति

पहले यह घोषणा की गई थी कि बजट 2 जून को पेश किया जाएगा, लेकिन अब यह 10 जून को लाया जाएगा। इस बदलाव को लेकर अटकलें लगाई गईं कि शायद आईएमएफ के दबाव में ऐसा किया गया है। हालांकि, मंत्री इकबाल ने सफाई देते हुए कहा कि बजट की देरी की वजह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की की विदेश यात्राएं और ईद-उल-अजहा की छुट्टियां हैं।

केवल 1 ट्रिलियन रुपये का विकास बजट

इकबाल ने बताया कि सरकार के पास केवल एक ट्रिलियन रुपये का विकास बजट है, जबकि ज़रूरत 3 ट्रिलियन रुपये की है। इसका सीधा असर इन्फ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक विकास पर पड़ेगा। इस कमी के चलते कम प्राथमिकता वाली परियोजनाओं को स्थगित किया जाएगा और केवल उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं को पूरा किया जाएगा।

उत्तर कोरिया: नौसेना विध्वंसक के असफल प्रक्षेपण पर किम सख्त

शिपयार्ड के तीन अधिकारियों को हिरासत में लिया गया

सियोल, 25 मई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया में नौसैन्य विध्वंसक जहाज के हाल ही में असफल प्रक्षेपण के लिए तीन शिपयार्ड अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। यह जहाज उत्तर कोरिया का दूसरा ज्ञात विध्वंसक जहाज है। असफल प्रक्षेपण के बाद किम को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। घटना को लेकर तानाशाह किम जोंग उन काफी नाराज बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यह एक आपराध है। यह लापरवाही की वजह से हुआ है। उन्होंने दोषियों को कड़ी सजा देने की कसम खाई थी। इससे पहले उत्तर कोरिया की सरकार ने कि उन्होंने युद्धक जहाज की असफल लॉन्चिंग के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जांच और उनकी गिरफ्तारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में रविवार को कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने चोंगजिन शिपयार्ड में मुख्य अभियंता, पतवार निर्माण कार्यशाला के प्रमुख और प्रशासनिक मामलों के उप प्रबंधक को हिरासत में लिया है। वे बुधवार के असफल प्रक्षेपण के लिए जिम्मेदार थे।

क्या है मामला?

उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि 5,000 टन वजनी नौसेना का युद्धपोत बुधवार को चोंगजिन के पूर्वोत्तर बंदरगाह पर लॉन्च समारोह के दौरान हादसे का शिकार हो गया था। दरअसल, युद्धक जहाज इसके पिछले हिस्से पर लगे ट्रांसपोर्ट क्रैडल के अलग हो जाने से क्षतिग्रस्त हो गया। सैटेलाइट तस्वीरों में जहाज पानी में एक तरफ पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है, जिसका ज्यादातर हिस्सा पानी में डूबा हुआ है और उस पर नीले रंग के कवर लगे हुए हैं।

10 दिन में रिपेयर हो सकता है युद्धक जहाज

उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि हादसे में जहाज को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और यह 10 दिनों में रिपेयर हो सकता है। जहाज के एक तरफ थोड़ी खरोंच आई है और जहाज के कई सेक्शन में समुद्र का पानी भर गया है। हालांकि अभी पूरे नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है। उत्तर कोरिया से बहुत ज्यादा जानकारी बाहर नहीं जा पाती। खासकर सैन्य संबंधी मामलों को भी काफी गुप्त रखा जाता है। उत्तर कोरिया अपनी नौसैन्य ताकत को बढ़ाना चाहता है और यह युद्धक जहाज की असफल लॉन्चिंग भी उसी योजना का हिस्सा थी।

गाजा में इजरायल के हमले तेज

हमास ठिकाने ध्वस्त; पिछले 24 घंटों में 79 फलस्तीनी मारे गए

गाजा पट्टी, 25 मई (एजेंसियां)। गाजा में इजरायल हमास को जड़ से खत्म करने के लिए तेज अभियान चला रहा है और इसलिए इजरायल ने गाजा में हमले तेज कर दिए हैं। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में चल रहे इजरायली नरसंहार के रिणामस्वरूप पिछले 24 घंटों में गाजा पट्टी में कम से कम 79 फिलिस्तीनी मारे गए और 211 अन्य घायल हो गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अक्टूबर 2023 से इजरायली हमले में फलस्तीनी लोगों की मृत्यु की संख्या बढ़कर 53,901 हो गई है, जबकि 122,593 लोग घायल हुए हैं। पीड़ितों में ज़्यादातर महिलाएँ और बच्चे हैं। एजेंसी द्वारा उद्धृत उन्हीं सूत्रों के अनुसार, दो महीने के युद्धविराम के बाद 18 मार्च को इजरायल द्वारा पुनः नरसंहार शुरू करने के बाद से मरने वालों की संख्या भी 3,747 हो गई है, तथा 10,552 अन्य घायल हुए हैं। गाजा में इजरायली सेना के हमले जारी हैं। हुए इन हमलों में 79 लोग मारे गए। मृतकों में खान यूनिस शहर में हुए हवाई हमले में एक डॉक्टर के मारे गए नौ बच्चे भी शामिल हैं, जबकि एक बच्चा घायल हुआ है। मारे गए बच्चे सात महीने से लेकर 12 वर्ष के थे। अल्ला नजर नाम की महिला डॉक्टर नासेर अस्पताल के बाल रोग विभाग में कार्यरत हैं। हमले की सूचना मिलने पर जब वह अपने घर पहुंचीं तब घर से आग की लपटें निकल रही थीं, आग बुझने पर बर्बाद हुए घर में सात बच्चों की लाशें मिलीं, दो बच्चों के शव मलबे में दबे हुए हैं-उन्हें नहीं निकाला जा सका है। नजर के पति और 11 वर्ष का बेटा बुरी तरह से घायल अवस्था में मिले हैं। इजरायली सेना ने कहा है कि खान यूनिस इलाका खतरनाक युद्ध क्षेत्र बन गया है। वहां पर इजरायली सेना पर लगातार हमले हो रहे हैं,

आसमान से लेकर जमीन तक आंधी-तूफान से पाक में आफत ही आफत

13 की मौत-100 के करीब घायल

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में इस समय भारी बारिश के कारण हालात खराब बने हुए हैं। पंजाब प्रांत के कई इलाकों में हुई भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अनुसार अचानक हुए मौसम में बदलाव और बारिश के कारण अब तक 13 लोगों की मौत तो वहीं 100 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कुछ घंटों में भी तेज आंधी और बारिश के हालात रहने वाले हैं। खराब मौसम के कारण हवाई यातायात भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही बड़ा हादसा टल गया है। पीडीएमए के महानिदेशक (डीजी) इरफान अली काठिया ने पंजाब के अलग-अलग जिलों में हवा और बारिश की खबरों के बीच पूरे प्रांत के डिप्टी कमिश्नरों और बचाव एजेंसियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

हेल्पलाइन नंबर किया गया जारी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कई इलाकों में हो रही बारिश के बाद डीएम ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। आम जनता किसी भी हालात में 1129 कर सकती है। भारी बारिश के कारण कई रोड बंद हैं। पीडीएमए ने नागरिकों से अपील की है कि लोग बिजली के खंभों और लटकते हुए तारों से दूर रहें। इनमें करंट आ सकता है। आंधी-तूफान और बिजली गिरने की स्थिति में खुले स्थानों में न रहें। इसके साथ ही यात्रा से बचने की भी सलाह दी गई है।

हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित

कराची से लाहौर जा रही एक फ्लाइट के रनवे पर पहुंचते ही भयंकर तूफान का सामना करने से एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, फ्लाइट एफएल 842 अल्लामा इकबाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच गई थी और संपर्क टूट गया था। नए रनवे के साथ उड़ान भरने के दौरान तेज हवाएं और अशांति की वजह से विमान को नुकसान पहुंचा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने तुरंत पायलट को लैंडिंग रोकने और कराची लौटने का निर्देश दिया। खराब मौसम का असर 22 से ज्यादा उड़ानों पर पड़ा है। कई उड़ानें या तो रद्द कर दी गई हैं तो कई बहुत देरी से उड़ रही हैं।

बारिश के कारण भारी नुकसान

पीडीएम ने कहा कि कई जिलों में भारी बारिश और आंधी के कारण नुकसान पहुंचा है। कई जगहों पर बिजली के खंभे गिरे हैं। इसको देखते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इन जिलों में अलर्ट जारी

पाकिस्तान के मौसम विभाग विभाग ने रावलपिंडी, मरी, अटक, चकवाल, मंडी बहाउद्दीन, गुजरात, झेलम, गुजरांवाला, लाहौर, कसूर, सियालकोट, नरोवाल, फैसलाबाद, ओंकारा, टोबा टेक सिंह, झंग, खुशाब, सरगोधा और मियांवाली में बारिश की संभावना के साथ हवा और धूल भरी आंधी भी जारी रहेगी। इसमें कहा गया है कि मुल्तान, डेरा गाजी खान, बहावलपुर और बहावलनगर समेत दक्षिण पंजाब के इलाकों में बारिश होगी।

घटेरा स्टेशन पर यात्री और कर्मचारी पी रहे नदी का गंदा पानी, क्षतिग्रस्त डेम एक साल बाद भी नहीं सुधरा

दमोह, 25 मई (एजेंसियां)। दमोह के घटेरा रेलवे स्टेशन पर इस समय यात्रियों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यही पानी रेलवे के कर्मचारियों को भी सप्लाई किया जा रहा है, जिस पर अधिकारी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं, जबकि यहां अधिकांश ट्रेनें रुकती हैं। नदी में बने स्टॉप डैम को तीसरी लाइन निर्माण के समय ठेकेदार ने तोड़ दिया, जिससे बारिश का सारा पानी बह गया। रेलवे स्टेशन घटेरा से कुछ ही दूरी पर ब्यारमा नदी का पानी सूख गया है और नदी में केवल पत्थर ही दिखाई दे रहे हैं। जबकि नदी में अंग्रेजी शासन काल में बनाए गए डैम के कारण बारह महीने रेलवे पुल के नीचे जलभराव हमेशा बना रहता था। यहां से रेलवे कर्मचारियों एवं घटेरा रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर पानी उपलब्ध कराया जाता था।

अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने को सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम ला रहे हैं : सीएम भजनलाल

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम 2025 ला रही है। इसके अंतर्गत रिसाइक्लिंग, रीयूज के क्षेत्र में रिसर्च एवं डवलपमेंट के लिए दो करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। यह जानकारी सीएम भजनलाल शर्मा ने में आयोजित नीति आयोग की बैठक में दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। भजनलाल शर्मा ने बैठक में राजस्थान की ऊर्जा और पानी की जरूरतों से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने देश में जल और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक सहयोग का भी अनुरोध किया।

पोंग बांध का पूर्ण क्षमता तक भराव करने की मांग

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक में केंद्र सरकार से अनुरोध कर कहा कि पोंग बांध की कुल भराव क्षमता 1400 फीट ऊंचाई तक अनुमत है। लेकिन पर्याप्त वर्षा के दौरान भी इस बांध में

अधिकतम सीमा तक जल भराव नहीं किया जा रहा है। पोंग बांध को पूर्ण क्षमता तक जल भराव करने के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाए, जिससे भागीदार राज्यों को अपने हिस्से का पूर्ण जल प्राप्त हो सके। साथ ही उन्होंने 51.5 किलोमीटर लंबी फिरोजपुर फीडर की लाइनिंग के लिए मंजूरी जल्द प्रदान करने का भी आग्रह किया। वहीं, ऊर्जा क्षेत्र में कालीसिंध और छबड़ा थर्मल परियोजनाओं में अतिरिक्त इकाइयों और 3200 मेगावाट की नई थर्मल इकाई को पिट हैड से 500 किलोमीटर से अधिक दूरी होने के कारण राज्य में स्थापना के लिए शिथिलन प्रदान किए जाने की मांग की। उन्होंने साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड से दिए जा रहे 20 लाख मीट्रिक टन कोयले को नॉर्दन कोलफील्ड से उपलब्ध करवाने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य में ऊर्जा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया कि पीएम कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए के तहत राज्य को 5000 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन और बैट्री स्टोरेज के लिए 5000 मेगावाट आवर का अतिरिक्त लक्ष्य आवंटित किया जाए। साथ ही उन्होंने राजस्थान को आवंटित 115 गीगावाट बिजली उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए 40 गीगावाट अतिरिक्त ऊर्जा के इवेक्युएशन के लिए प्लान तत्काल बनाने का अनुरोध किया।

ये नई नीतियां राजस्थान में होंगी लॉन्च

सीएम ने बताया कि राजस्थान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आधारित इंडस्ट्रीयल पॉलिसी जल्द जारी की जाएगी। इस नीति के माध्यम से ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही ट्रेडिंग सेक्टर के विकास और संवर्धन के लिए राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 15 औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 2000 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। साथ ही 20 नए औद्योगिक क्षेत्र भूखंड आवंटन के लिए खोले गए हैं, जिससे राज्य के औद्योगिक विकास एवं विकास दर को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के सबूत मांगने वालों को आईएएफ के विमान पर लटकाकर पाक ले जाना चाहिए : सीपी जोशी

उदयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौडगढ़ सांसद सीपी जोशी ने कहा कि कुछ लोग पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। पहले सर्जिकल स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक हुई, तब भी राहुल गांधी ने कई सवाल खड़े किए थे। अब तो ऑपरेशन सिंदूर को दुनिया ने साफ देखा है। वीडियो सामने आए, जो देश-दुनिया ने देखे।

किस तरह से पाकिस्तान में टारगेट करके किलिंग किया गया। आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया। फिर भी कुछ लोगों को सबूत चाहिए। मुझे लगता है अगली बार एयरफोर्स के विमान में इनको लटकाकर ले जाना चाहिए, ताकि वहां जो हुआ, उसके फोटो खींचकर लाया।

सांसद जोशी उदयपुर में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने मीडिया के सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के कितने आतंकवादी ठिकाने लगाए, उनके एयरवेज को ध्वस्त कर दिया। कई आतंकवादियों को मार गिराया। यह भारतीय सेना की ताकत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति है। भारत ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। आने वाले समय में भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति स्पष्ट है।

दुनिया भारत के साथ

सांसद जोशी ने कहा कि जीरो टॉलरेंस की नीति को भारत ने, प्रधानमंत्री ने आगे बढ़ाया है। उसको पूरी दुनिया ने सहमति दी है। सर्जिकल स्ट्राइक के समय भी पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी थी और आज भी पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है।

स्पष्ट है कि जो आतंकवाद के साथ रहेगा, वह दुनिया में अलग-अलग पड़ा रहेगा। उसकी स्थिति क्या होगी, सब लोग देख रहे हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों के सांसद अलग-अलग दल बनाकर पूरी दुनिया में गए। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद को लेकर अपनी बात दुनिया के सामने रखेंगे।

एएसपी रिश्वत मामले में एसीबी को मिली एक और बड़ी सफलता

सवाई माधोपुर डीटीओ को जयपुर में दबोचा

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सवाईमाधोपुर के एडिशनल एसपी सुरेन्द्र कुमार शर्मा रिश्वत मामले में सवाईमाधोपुर के परिवहन अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने आरोपी को सीबीआइ फाटक जगतपुरा से उस समय पकड़ा जब वह भागने की फिराक में था।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि 19 मई को सवाईमाधोपुर एसीबी के पूर्व प्रभारी सुरेन्द्र कुमार शर्मा और दलाल राजाराम मीणा और प्रदीप पारीक से पूछताछ में परिवहन अधिकारी पुन्याराम मीणा की ओर से रिश्वत देने के सबूत मिले थे।

इस मामले में परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों के कार्मिकों की भूमिका की भी एसीबी की ओर से कार्रवाई की जा रही है। एसीबी के उप महानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरविजन में एसीबी जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशनाराम के नेतृत्व में आरोपी पुन्याराम मीणा को सीबीआइ फाटक जगतपुरा से पकड़ लिया। पुन्याराम को एसीबी मुख्यालय में पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी एसीबी

एसीबी अब पुन्याराम और पकड़े गए एएसपी और दलालों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि इस मामले में एसीबी एएसपी सुरेन्द्र शर्मा, इंस्पेक्टर विवेक सोनी, दलाल राजाराम व प्रदीप को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें इंस्पेक्टर विवेक को जेल भेज दिया और अन्य आरोपी मंगलवार तक रिमांड पर हैं।

गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने के मामले में जांच समिति गठित

चिकित्सा मंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक की

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। सवाई मानसिंह अस्पताल में प्रसूता महिला को गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाए जाने के गंभीर मामले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने उच्च स्तरीय बैठक कर प्रकरण की गहन समीक्षा की। मंत्री ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच के लिए पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन के निर्देश दिए हैं। यह समिति तीन दिवस में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

मंत्री खींवसर ने बताया कि टोंक जिले के निवाई से आई गर्भवती महिला 9 मई से एसएमएस अस्पताल में भर्ती थी। हीमोग्लोबिन और ऑक्सीजन लेवल कम होने सहित अन्य जटिलताओं के चलते उसे वेंटिलेटर पर रखा गया और डिलीवरी करवाई गई। इसी दौरान उसे गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने की बात सामने आई। अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच में भी इस तथ्य की पुष्टि हुई है।

हालांकि मंत्री ने अस्पताल प्रशासन की जांच से असंतुष्टि जताते हुए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया। इस समिति की अध्यक्षता चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव श्री मुकेश मीणा करेंगे। अन्य सदस्यों में एसएमएस अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ. नरपत सिंह शेखावत, पूर्व मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर मेहता, वर्तमान अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी एवं राजमेस की उपनिदेशक डॉ. वंदना शर्मा शामिल हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सभी अधीक्षकों को निर्देश दिए गए कि उपचार के दौरान एसओपी की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। साथ ही आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर एवं क्रिटिकल केयर वार्ड में प्रशिक्षित और अनुभवी स्टाफ की नियुक्ति एवं समय-समय पर प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं दोबारा न हों।

जयपुर, जोधपुर, उदयपुर में सामने आए कोरोना के मरीज

डॉक्टर बोले- घातक नहीं है वेरिएंट

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कई जिलों में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इनमें राजधानी जयपुर, जोधपुर, उदयपुर शामिल हैं। हालांकि इस बार यह वेरिएंट कम घातक है। इसलिए चिकित्सकों ने सलाह दी है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे लक्षणों के साथ यह 5 से 7 दिन में वापस चला जाता है।

कोरोना की एंट्री केरल से हुई। इसके बाद यह महाराष्ट्र में फैला और अब यह राजस्थान में भी आ गया। ऐसे में बाहर से आने वाले लोगों की सघन जांच शुरू हो गई है। जोधपुर एम्स में इसके 4 मरीज मिले हैं। बताया जा रहा है कि ये चारों मरीज यहां पहले से इलाज के लिए भर्ती थे। कोरोना संक्रमित मरीजों में भोपालगढ़ के 38 वर्षीय पुरुष, फलौदी का 11 वर्षीय बच्चा, अजमेर की 12 वर्षीय लड़की और कुचामन डीडवाना का 5 माह का बच्चा शामिल है।

राजधानी के एसएमएस अस्पताल में भी कोरोना के मरीज मिले हैं, वहीं एक मरीज उदयपुर में मिला है। जानकारी के अनुसार जयपुर व उदयपुर में कोरोना के मरीजों का वेरिएंट नया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. ध्रुव चौहान ने कहा कि लोगों को जे.एन. 1 स्वरूप से घबराने की जरूरत नहीं है, जो ओमिक्रॉन बीए 2.86 में हुए बदलाव से उत्पन्न हुआ है और जो भारत में प्रचलित प्रमुख कोविड-19 स्वरूप है। यह जानलेवा नहीं है। ज्यादातर मरीज इसमें घर पर ही ठीक हो रहे हैं।

10 हजार रुपये लेते सरपंच रंगे हाथों गिरफ्तार

पीएमएवाई की राशि मंजूर करने की एवज में मांगा था घूस

श्रीगंगानगर, 25 मई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ क्षेत्र में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई कर एक सरपंच को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी की इस कार्रवाई से इलाके में सनसनी फैल गई है और पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार की गंभीरता फिर एक बार उजागर हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में रिश्वत की मांग

हनुमानगढ़ एसीबी इकाई को मिली शिकायत के अनुसार, ग्राम पंचायत मोकलसर के सरपंच गणेशाराम गोदारा ने एक व्यक्ति से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसके पिता के नाम स्वीकृत राशि दिलाने के एवज में 12 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने एसीबी को इसकी सूचना दी, जिसके बाद तय प्रक्रिया के अनुसार शिकायत का सत्यापन करवाया गया।

ट्रैप कार्रवाई में पकड़े गए रंगे हाथ

सत्यापन के बाद एसीबी उपमहानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुधा पालावत के नेतृत्व में ट्रैप टीम गठित की गई। पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह ने कार्रवाई करते हुए सरपंच गणेशाराम गोदारा को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि सरपंच गणेशाराम गोदारा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि कहीं वह अन्य मामलों में भी इसी तरह की रिश्वत मांगने का दोषी तो नहीं।

सरपंच की गिरफ्तारी के बाद से ग्राम पंचायत मोकलसर और सूरतगढ़ इलाके में हलचल तेज हो गई है। पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इस तरह की कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर एक सख्त संदेश के रूप में देखी जा रही है।

चोरी के जेवर खरीदने वाला गिरफ्तार, कई थानों का है वांटेड

उदयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। सवीना थाना पुलिस ने दो साल पहले क्षेत्र के एक फ्लैट में हुई चोरी के मामले में एक और वांटेड बदमाश को गिरफ्तार किया है। मामले में पहले पांच बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि चोरी के जेवर खरीदार गांव बोरी अलीराजपुर मध्यप्रदेश हाल जगदम्बानगर, डी-गिरधारीपुरा सांगानेर जयपुर निवासी गौरव जैन को गिरफ्तार किया।

शातिर नकबजन रमेश उर्फ रम्मू उर्फ रामू ने चोरी किए सोने के जेवर गौरव जैन को बेचना बताया। टीम ने गौरव जैन को विशाखापट्टनम आन्ध्राप्रदेश की सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट से गिरफ्तार किया। आरोपी से 37 तोला सोने के जेवर बरामद किए। इस केस के अलावा हिरणमगरी थाने के केस में चोरी हुए 3 तोला सोने के जेवर भी बरामद किए।

पुलिस ने बताया कि पीपलखेड़ा डूंगला हाल बी-ब्लॉक कृष्णांगन अपार्टमेन्ट न्यू विद्यानगर सेक्टर-4 निवासी मुकेश पुत्र मांगीलाल चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 20

मई 2023 को परिवार बाहर गया था। सप्ताहभर बाद साथी जितेन्द्र सिरवी को फ्लैट पर भेजा था। दो दिन बाद दूधिये रामलाल पटेल ने फ्लैट का ताला टूटा होने की सूचना दी। परिवार ने लौटकर देखा कि घर में रखे 40 लाख रुपए नकद और 37 तोला सोने के जेवर चोरी हो गए थे।

भगोली टाण्डा धार मध्यपदेश निवासी खडक सिंह उर्फ खड़गसिंह और गराड़िया टाण्डा धार मध्यप्रदेश निवासी रमेश सिंह उर्फ रम्मू उर्फ रामू को इंदौर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था। रमेश सिंह की भूमिका चोरी के जेवर बेचने में रही है। खड़क सिंह से 5 लाख बरामद किए थे। दोनों जेल में है।

सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान से संपर्क के शक में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के डीग क्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान से संदिग्ध संपर्क के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गंगौरा गांव निवासी 32 वर्षीय कासिम पुत्र महमूदा नक्कस को इंटेलिजेंस ब्यूरो और सीआईडी की संयुक्त टीम ने हिरासत में लिया है और पूछताछ के लिए जयपुर ले गई है। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों को कासिम के मोबाइल से अहम जानकारियां मिली हैं। कासिम कथित रूप से पाकिस्तान में किसी के लगातार संपर्क में था और उसने एक बार वीजा लेकर पाकिस्तान की यात्रा भी की थी। इसके चलते एजेंसियों को उस पर शक हुआ। आईबी और सीआईडी द्वारा की गई जांच में सामने आया कि कासिम ने कई बार पाकिस्तान में फोन कॉल किए थे। मोबाइल ट्रेसिंग के बाद एजेंसियों ने पहाड़ी थाना पुलिस के सहयोग से शुक्रवार शाम गंगौरा गांव में कासिम के घर पर दबिश दी और उसे हिरासत में लिया। पहले उसे पहाड़ी थाने ले जाया गया, जहां प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर टीम जयपुर ले गई। प्रारंभिक पूछताछ में कासिम ने बताया कि पाकिस्तान में उसके कुछ रिश्तेदार हैं, जिनसे वह बातचीत करता था। हालांकि एजेंसियों का कहना है कि पूछताछ पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। कासिम ताबीज बनाने और बेचने का काम करता है और उसी से अपने परिवार का गुजर-बसर करता है। उसके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। बड़ा भाई हसीन खान मजदूरी करता है, आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर बताई जा रही है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां कासिम से पूछताछ कर रही हैं और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

50 डिग्री सेल्सियस में पापड़ पक जाए, ऐसी गर्मी में सरहद की हिफाजत में जुटी बीएसएफ

जैसलमेर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की तपती रेत, लू के थपेड़े और 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता तापमान किसी के भी होश उड़ा सकता है, लेकिन इन सबके बावजूद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान भारत-पाक सीमा पर पूरी मुस्तैदी से तैनात हैं। जैसलमेर में हालात किसी भट्टी से कम नहीं हैं, यहां तपती रेत में पापड़ तक मिनटों में पक जाते हैं। ऐसे कठिन मौसम में भी देश की सीमाओं की सुरक्षा में कोई कोताही न हो, इसके लिए बीएसएफ के जवान 24 घंटे, सातों दिन सजग रहते हैं।

राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों का हौसला देखने लायक है। 50 डिग्री की जानलेवा गर्मी में भी वे पूरी निष्ठा से अपनी चौकियों पर डटे हुए हैं। रेत के समंदर में बसे इस इलाके में दिन के वक्त बाहर निकलना आम लोगों के लिए लगभग नामुमकिन होता है, लेकिन बीएसएफ के जवान पूरे दिन गश्त करते हैं, चौकियों पर निगरानी रखते हैं और हर तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि देशवासी चैन से रहें, सुरक्षित रहें और सतर्क रहें। जब तक हम सीमा पर हैं, देश निश्चिंत रह सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर से बढ़ा मनोबल

22 अप्रैल को हुई कायराना घटना के बाद बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जिसमें दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। इस ऑपरेशन की सफलता ने जवानों का मनोबल बढ़ा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना के बाद से लगातार सतर्कता बरती जा रही है, क्योंकि पाकिस्तानी सीमा से कोई भी कायराना हरकत फिर से हो सकती है।

बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि हमारी ट्रेनिंग निरंतर चलती रहती है। हम हर स्थिति के लिए तैयार रहते हैं। सर्विलांस ग्रिड पूरी तरह से सक्रिय है और हमने इसे वायु सेना और सेना के ग्रिड्स के साथ भी इंटीग्रेट कर रखा है। इससे

कोई भी हरकत हमारी निगाहों से बच नहीं सकती।

इस बार दुश्मन ने परंपरागत हमलों की जगह ड्रोन के माध्यम से हमले की रणनीति अपनाई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने एक के बाद एक कई स्पैम ड्रोन भारतीय सीमा में भेजे। इन ड्रोन में चीन और तुर्की की मदद से विकसित तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि बीएसएफ की तैयारियों ने उन्हें नाकाम कर दिया। जवानों ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए इम्प्रोवाइज्ड एलएमजी (लाइट मशीन गन) सिस्टम से ड्रोन को मार गिराने की व्यवस्था की। अधिकारी ने बताया कि उनके पास ड्रोन डिटेक्शन के लिए आवश्यक उपकरण मौजूद थे, जिससे समय पर खतरे का पता लगाकर उसे न्यूट्रलाइज किया गया।

एलएमजी से निगरानी और रक्षा

सीमा पर एलएमजी की तैनाती खासतौर पर ड्रोन जैसी हवाई गतिविधियों से निपटने के लिए की गई है। बीएसएफ के जवानों ने बताया कि ड्रोन से खतरे को देखते हुए चौकियों पर एलएमजी माउंट की गई हैं, ताकि दुश्मन की किसी भी नापाक कोशिश का तुरंत जवाब दिया जा सके। बीएसएफ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि हमारी पहली प्राथमिकता यह है कि सीमा पार से आने वाली किसी भी हरकत को समय पर पहचान कर उसे रोक दिया जाए। एलएमजी जैसे हथियार इस काम में बेहद मददगार हैं।

सीमा सुरक्षा बल में तैनात महिला जवान भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। गर्मी, रेगिस्तान, और सीमावर्ती खतरों के बावजूद महिला जवान पूरी तत्परता के साथ पेट्रोलिंग और निगरानी करती हैं। एक महिला जवान ने बताया कि हम पुरुष साथियों के बराबर ड्यूटी करते हैं। हमें वही आदेश दिए जाते हैं और हम उन्हें उसी समर्पण से निभाते हैं। हमारे लिए कोई भेदभाव नहीं है और हम हर स्थिति से निपटने में सक्षम हैं।

राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय सीमा की कुल लंबाई 1070 किलोमीटर है, जो पाकिस्तान के साथ लगती है। इस सीमा पर बीएसएफ की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। यह इलाका रेगिस्तानी है, जहां मौसम की मार के साथ-साथ दुश्मन की चालों का खतरा हमेशा बना रहता है। इसके बावजूद बीएसएफ के जवान अपनी ड्यूटी से एक पल के लिए भी नहीं चूकते। बीएसएफ की गश्त, सर्विलांस, हथियारों की तैनाती और प्रोफेशनल ट्रेनिंग इस इलाके को सुरक्षित बनाए रखती है। किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए जवानों को आधुनिक तकनीक और हथियारों से लैस किया गया है।

त्रिवेणी संगम तट पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं का मन मोहा

गंगा आरती कार्यक्रम विशेष आकर्षण

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले (11) दिनों से त्रिवेणी संगम के तट पर और देवी सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने गंगा आरती के श्रद्धालुओं को काफी प्रभावित किया है। आज मशहूर फिल्म अभिनेता तनिकेला भरणी का शिवनामा स्मरण, शिवय्या गीत गाया। उन्होंने अपने भक्तों के साथ "शिव मुझमें बसते हैं... शिव तुममें बसते हैं..." गीत गाया। उन्होंने कहा कि वे 40 साल पहले यहां आए थे, जब यहां सिर्फ जंगल था और वे यहां आकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण काशी के नाम से प्रसिद्ध श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है और (12) साल में एक बार आने वाले पुष्करम में भाग लेना उस शिवय्या का आशीर्वाद है। वे कहते हैं कि देवता प्रातःकाल त्रिवेणी संगम की ओर चले जाते हैं और हमें इस पवित्र पुष्कर स्नान को अपने पूर्वजन्म का आशीर्वाद मानना चाहिए। इससे पहले, एक ओर मतलय्या का सुंदरकांड, कुचिपुड़ी और पेरिनी नृत्य होता था। देवी सरस्वती के समक्ष श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर की स्तुति में विशेष शिवनाम और अन्य भजनों के साथ गंगा आरती ने भक्तों को बहुत प्रभावित किया। संगीत नाटक अकादमी और तेलंगाना सरकार के तत्वावधान में आयोजित इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को खूब उत्साहित किया।

पाकिस्तान की 'अदिति' को खुफिया जानकारियां दे रहा था

गुजरात का सहदेव गिरफ्तार, पैसों का लालच देकर फंसाया, सेना से जुड़ी इन्फॉर्मेशन मांगती थी

अहमदाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस ने कच्छ से एक शख्स सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह बीएसएफ और नेवी की मौजूदा सैन्य इकाइयों की फोटो-वीडियो वॉट्सएप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट को भेज रहा था। सहदेव कच्छ के लखपत तालुका में स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नौकरी कर रहा था।

एटीएस के मुताबिक, जून 2023 में एक महिला ने खुद को अदिति भारद्वाज बताकर गोहिल से वॉट्सएप पर संपर्क किया था। बताया जा रहा है कि गोहिल को पहली बार संवेदनशील सूचनाएं भेजने पर 40 हजार रुपये कैश मिले थे।

कोविड-19 अब मौसमी बीमारियों की तरह ही स्थानिक हो गया है : विशेषज्ञ

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि कोविड-19 न केवल तेलंगाना में बल्कि पूरे देश में स्थानिक बन गया है। अपनी स्थानिकता के परिणामस्वरूप, वायरस विभिन्न रूपों में प्रसारित होता रहता है और जब भी आदर्श परिस्थितियां सामने आती हैं, संक्रमण का कारण बनता है। हालांकि, इसका प्रभाव अब आम तौर पर प्रबंधनीय हो गया है, मौसमी बीमारियों जैसे कि फ्लू के समान, यहां के सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है।

गांधी अस्पताल में क्रिटिकल केयर की प्रमुख डॉ. किरण मधाला कहती हैं, कोविड-19 प्रभावी रूप से एक स्थानिक चरण में परिवर्तित हो गया है, जैसा कि विभिन्न देशों में एसएआरएस-सीओवी-2 वेरिएंट के विकसित पैटर्न में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। जेएन 1 वेरिएंट के उभरने तक, वेरिएंट के प्रचलन में एक अपेक्षाकृत समान वैश्विक पैटर्न था।

हालांकि, जेएन 1 के बाद, यह प्रवृत्ति बदल गई है, और अब प्रत्येक देश अपने अलग-अलग विकासवादी प्रक्षेपवक्र प्रदर्शित कर रहा है।

डॉ. किरण ने बताया कि यह विचलन पहले देखी गई वैश्विक एकरूपता से स्पष्ट रूप से अलग है, जो दर्शाता है कि कोविड-19 वेरिएंट का विकास भौगोलिक रूप से स्थानीयकृत हो गया है, जो एक स्थानिक संक्रमण की पहचान है।

तिरुमला में गर्मियों में भारी भीड़

शनिवार को 90,211 लोगों ने दर्शन किए

तिरुमला, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक सप्ताह से तिरुमाला में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। टीटीडी ने वैकुंठम कम्पार्टमेंट, एनजी शेड, बाहरी लाइनों में प्रतीक्षा कर रहे भक्तों के लिए अन्नप्रसादम और पीने के पानी की विस्तृत व्यवस्था की है। श्रीवारी सेवा स्वयंसेवकों को तैनात किया जा रहा है जो भक्तों को बेहतरीन सेवाएं दे रहे हैं। मई के पिछले 24 दिनों में, अन्नप्रसादम विंग ने अपने सभी अन्नप्रसादम केंद्रों, कम्पार्टमेंट और बाहरी लाइनों में 51 लाख से अधिक भक्तों को अन्नप्रसादम प्रदान किया है। जबकि बाहरी कतारों और एनजी शेड में स्नैक्स और पेय पदार्थों की 20 लाख से अधिक सर्विंग्स परोसी गईं। खास तौर पर 17 मई से, हर दिन लगभग 90,000 से अधिक स्नैक्स और पेय पदार्थ, एनजी शेड और बाहरी लाइनों में 2.5 लाख अन्नप्रसादम परोसे गए हैं। 24 मई को, एमटीवीएसी में कुल 93,950 भक्तों ने अन्नप्रसादम खाया, बाहरी लाइनों और वैकुंठम में 2.72 लाख सर्विंग किए गए, 1.17 लाख पेय पदार्थ भी वितरित किए गए। दूसरी ओर, स्वास्थ्य विंग समय-समय पर परिसर की उचित सफाई के साथ-साथ कतारों में भक्तों को पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। सभी 2150 से अधिक सफाई कर्मचारी, सफाई पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य मित्री और निरीक्षक अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

लगभग 3000 श्रीवारी सेवक अन्नप्रसादम, स्वास्थ्य, वैकुंठम, लड्डू और नारियल के स्टॉल, मंदिर और कई अन्य स्थानों पर भक्तों को चौबीसों घंटे बेहतरीन सेवाएं दे रहे हैं। खास तौर पर वैकुंठम, एनजी शेड्स, बाहरी लाइनों में भक्तों को अन्नप्रसादम, दूध, पानी देने के लिए करीब 800 सेवकों को विशेष रूप से तैनात किया गया था। टीटीडी के मंदिर विंग के साथ सतर्कता और सुरक्षा विंग ने कतारों में सुचारू आवाजाही सुनिश्चित की और रिकॉर्ड संख्या में भक्तों को दर्शन कराए। पिछले तीन दिनों में करीब 2.4 लाख भक्तों ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए, जिनमें शनिवार को 90,211 शामिल हैं। कल्याणकट्टा, चिकित्सा, रेडियो और प्रसारण सहित अन्य विभाग भी भक्तों को चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

मंत्री सीतक्का ने दुर्घटना पीड़ितों की मदद की

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पुष्करालु में भाग लेने के लिए जा रही पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने रविवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले के रेगोंडा मंडल के चेन्नापुरम गांव में एक सड़क दुर्घटना देखने के बाद अपनी मानवता दिखाई। गांव में एक ऑटो और मोटरसाइकिल की टक्कर में कई लोग घायल हो गए। घटना को देखते ही मंत्री ने घायल पक्षों की सहायता के लिए तुरंत अपना वाहन रुकवाया।

उन्होंने एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। ऑटो में यात्रा कर रहे बच्चे दुर्घटना से काफी सदमे में थे। मंत्री सीतक्का ने उन्हें सांत्वना देने के लिए समय निकाला और उन्हें अस्पताल में जल्दी से जल्दी पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय निवासियों ने दुर्घटना पीड़ितों के प्रति उनकी दयालुता और समर्थन के लिए मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

वित्तीय संकट के बीच राजस्व जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है कांग्रेस सरकार

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बार-बार उच्च स्तरीय बैठकों और वित्तीय सुधार के वादों के बावजूद, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार अभी भी गंभीर संसाधन संकट से जूझती दिख रही है, प्रशासन को चलाने के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है। संकट को दूर करने के लिए समाधान निकालने के बजाय, मंत्री अब अधिकारियों पर अकुशलता का आरोप लगाते हुए दोष मढ़ रहे हैं।

तेलंगाना की वित्तीय मुश्किलें 2024-25 में और भी बढ़ गई हैं, राज्य को 2.21 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले केवल 1.68 लाख करोड़ रुपये ही मिल रहे हैं। कर राजस्व 1.64 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित लक्ष्य से घटकर 1.36 लाख करोड़ रुपये रह गया। राज्य की शुद्ध उधारी 48,322 करोड़ रुपये रही, जबकि पूंजीगत व्यय करीब 36,209 करोड़ रुपये रहा, जिसे राज्य के अपने राजस्व संसाधनों के बजाय कर्ज से पूरा किया गया।

एक्सप्रेस-वे पर अश्लील हरकत करने वाला भाजपा नेता गिरफ्तार

मंदसौर में महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में दिखा था, पुलिस ने जेल भेजा

मंदसौर, 25 मई (एजेंसियां)। धाकड़ के दो वीडियो वायरल हुए थे। एक में वह महिला मित्र के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखा, जबकि दूसरे में एक्सप्रेस-वे पर ही डांस करता नजर आया था।

मंदसौर जिले में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर महिला मित्र के साथ अश्लील हरकतें करने और डांस करने वाले भाजपा नेता मनोहर धाकड़ को पुलिस ने रविवार दोपहर को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी मनोहर धाकड़ ने भानपुरा थाने में जाकर सरेंडर किया। जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

एसपी अभिषेक आनंद ने बताया कि आरोपी मनोहर धाकड़ को धारा 151 के तहत गरोठ उप जेल भेजा गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कुछ खास जानकारी पुलिस को नहीं दी है। मामले की जांच की जा रही है, इसमें जो भी तथ्य आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगा।

बात दें कि भाजपा नेता मनोहर धाकड़ के दो वीडियो सामने आए थे। 13 मई की रात में एक वीडियो में वह महिला मित्र के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखा था, जबकि दूसरे वीडियो में एक्सप्रेस-वे पर ही उसके साथ डांस करता नजर आया था। पुलिस ये भी जांच कर रही है कि वीडियो बनाने और सार्वजनिक करने के पीछे मकसद क्या था और इसमें और कौन-कौन शामिल था। बता दें कि वीडियो सामने आने के बाद 23 मई को मंदसौर के भानपुरा थाने में मनोहर धाकड़ और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

घर से मिली थी आरोपी मनोहर धाकड़ की कार :

23 मई की रात पुलिस ने आरोपी मनोहर धाकड़ के गांव बनी में उसके घर पर दबिश दी थी। वहां मनोहर धाकड़ तो नहीं मिला, पुलिस ने एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी फुटेज में दिख रही कार को जब्त कर लिया था। भानपुरा टीआई आर.सी. डांगी ने बताया कि वीडियो में नजर आ रही महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मनोहर की गिरफ्तारी के बाद ही महिला की जानकारी सामने आएगी, उसके बाद उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

दरअसल, मंदसौर के बनी गांव के रहने वाले मनोहर धाकड़ की पत्नी वार्ड क्रमांक-8 से जिला पंचायत सदस्य है। 13 मई की रात के इस वीडियो में मनोहर धाकड़ दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर खड़ी सफेद बलेनो कार में एक महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में दिख रहे हैं।

उनका अश्लील वीडियो वायरल हो रहा है। 8 लेन एक्सप्रेस वे पर लगे हाई सिक्योरिटी कैमरे में पूरी घटना कैद हुई है। वीडियो इतना आपत्तिजनक और अश्लील है कि हम न तो आपको वो दिखा सकते हैं और न ही बता सकते हैं।

मंदसौर में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस वे पर लगे कैमरे में भाजपा नेता मनोहर धाकड़ और उनकी महिला मित्र के दो आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद विवाद गहराता जा रहा है। रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गरोठ क्षेत्र के टोल प्लाजा पहुंचकर गायत्री मंत्र का जाप किया और गंगाजल से एक्सप्रेस-वे का शुद्धिकरण कर विरोध जताया।

दिल्ली एयरपोर्ट की पार्किंग का शेड फटा

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में शनिवार रात आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) की पार्किंग का वीडियो वायरल है। इसमें वाहन जिस शेड के नीचे पार्क किए गए हैं वो बारिश के कारण फट गया।

बारिश के कारण एयरपोर्ट पर 100 से ज्यादा फ्लाइट भी प्रभावित हुईं। दिल्ली एयरपोर्ट के मुताबिक शनिवार रात 11:30 बजे से रविवार सुबह 4:00 बजे तक 49 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में 82 किमी की रफ्तार से आंधी चली। 3.2 इंच (81.2 एमएम) बारिश हुई। मिंटो रोड, मोती बाग और दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 के अलावा कई सड़कों पर पानी भर गया।

इधर, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु के बाद मानसून की एंट्री महाराष्ट्र में हो गई है। रविवार को पश्चिमी महाराष्ट्र के जिलों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा, पुणे, कोल्हापुर सहित पहाड़ी इलाकों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई और कोंकण में प्री-मानसून बारिश ने दस्तक दे दी है।

कंपनी अत्याधुनिक कामिकेज़ ड्रोन विकसित करेगी

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित एयरोस्पेस और रक्षा निर्माण फर्म, रघु वामसी मशीन टूल्स (आरवीएमटी) ने कथित तौर पर अत्याधुनिक कामिकेज़ ड्रोन विकसित करने की योजना की घोषणा की है। एक्स सहित कई सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, प्रस्तावित ड्रोन को हाल ही में एक उद्योग कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया था और इसमें आरवीएमटी का पूर्ण स्वदेशी माइक्रो टर्बोजेट इंजन, 'इंद्रा आरवी25:240एन' इसकी आत्मा के रूप में होगा।

ड्रोन की अनुमानित रेंज 500 किलोमीटर बताई जा रही है। सोशल मीडिया पोस्ट में, जिसमें इवेंट में आरवीएमटी प्रेजेंटेशन का हवाला दिया गया, कहा गया कि इंद्रा माइक्रो टर्बोजेट इंजन का वजन सिर्फ 25 किलोग्राम है, जो इसे छोटे, हाई-स्पीड यूएवी के लिए आदर्श बनाता है।

एक अन्य पोस्ट के अनुसार, इन्द्रा की हाइब्रिड प्रणोदन प्रणाली, जेट इंजन को इलेक्ट्रिक प्रणोदन के साथ जोड़कर, इसकी सहनशक्ति और गति को बढ़ा सकती है, जिससे ड्रोन की रेंज 500 किमी हो सकती है, जो इसे कामिकेज़ ड्रोन के लिए आदर्श बनाती है, जो लंबी दूरी की उड़ान क्षमताओं को बनाए रखते हुए लक्ष्य पर हमला करते हैं। इस तरह के हथियारों ने भारत के हालिया ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। कंपनी ने अभी तक इस परियोजना के बारे में और जानकारी जारी नहीं की है।

चोट से वापसी करना हमेशा कठिन होता है : किदाम्बी श्रीकांत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किदाम्बी श्रीकांत ने रविवार को मलेशियाई मास्टर्स ओपन फाइनल में हारने के बाद बातचीत में कहा कि मैं बहुत खुश हूं। काफी समय हो गया है। शारीरिक रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन यह भी सच है कि मैंने पिछले साल बहुत ज़्यादा मैच नहीं खेले हैं, क्वालीफ़ाइंग खेल रहा हूं, इसलिए शायद मैच खेलने का वह आकर्षण खो गया है।

श्रीकांत ने कहा, और हां, इस बार किसी तरह सब ठीक रहा। मैं पिछले महीने से कड़ी मेहनत कर रहा हूं। बहुत लंबे समय के बाद मिली ये जीत ही मेरी भावनाएं हैं। श्रीकांत ने कहा कि बहुत बढ़िया सप्ताह रहा। यह मेरा तीसरा टूर्नामेंट भी है (इस बार)। पहले दो में भी अच्छा खेला, लेकिन वास्तव में उन मैचों में जीत नहीं सका। लेकिन मैं अब तक (मलेशिया में) जिस तरह से खेला, उससे बहुत खुश हूं। आज मैं जिस तरह से खेलना चाहता था, वैसा नहीं रहा, लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि उसने वास्तव में अच्छा खेला।

श्रीकांत ने कहा, मैंने जनवरी में शुरूआत की थी। चोट और ब्रेक से वापसी करना हमेशा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, और फिर जब आपने वास्तव में बहुत ज़्यादा मैच नहीं खेले हों, तो सीधे आकर टूर्नामेंट खेलना आसान नहीं होता। इसमें कुछ समय लगा। मुझे लगता है कि हर चीज़ का सकारात्मक पहलू यह है कि मैं शारीरिक रूप से बेहतर महसूस कर रहा हूं। इसलिए मैं यहीं से आगे बढ़ना चाहता हूं।

तेलंगाना के किसानों को एक और झटका

सरकार ने हरी खाद के बीजों पर घटाई सब्सिडी

करीमनगर, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के किसानों को नई मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि सरकार ने हरी खाद के बीजों पर सब्सिडी में कटौती कर दी है, जिससे इनकी कीमतें बढ़ गई हैं। किसानों को जो बीज पहले 60 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता था, अब उसे 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण किसानों को हरी खाद के प्रत्येक बैग पर 1000 रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं।

भूमि की उर्वरता बढ़ाने और उर्वरक के उपयोग को कम करने के लिए हरी खाद के बीज सब्सिडी पर उपलब्ध कराए जाते हैं। हरी खाद तीन प्रकार की होती है- जीलुगा, पिल्लिपेसरा और जानुमु। सब्सिडी में कटौती के बाद 30 किलो के जीलुगा बैग की कीमत 1,116 रुपये से बढ़कर 2,137 रुपये हो गई है। 20 किलो के पिल्लिपेसरा बैग की कीमत 1,084 रुपये से बढ़कर 2,055 रुपये हो गई है, जबकि 40 किलो के जनुमु बैग की कीमत 1,448 रुपये से बढ़कर 2,510 रुपये हो गई है।

इस बढ़ती कीमतों से उनके बजट पर असर पड़ने की चिंता में किसान राज्य सरकार से सब्सिडी बढ़ाने और पुराने दामों पर बीज उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। किसान, जो आमतौर पर वनकालम सीजन के लिए मध्य मई के आसपास हरी खाद बोते हैं, वे भी बीज का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि कई केंद्रों में अभी भी पर्याप्त बीज स्टॉक उपलब्ध नहीं है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'ऑपरेशन सिंदूर' बदलते ...

ऑपरेशन सिंदूर को कई परिवारों ने अपने जीवन का हिस्सा बना लिया :

पीएम मोदी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कविताएं लिखी जा रही थीं, संकल्प गीत गाए जा रहे थे। छोटे-छोटे बच्चे पेंटिंग्स बना रहे थे, जिनमें बड़े संदेश छुपे थे। मैं अभी तीन दिन पहले बीकानेर गया था। वहां बच्चों ने मुझे ऐसी ही एक पेंटिंग भेंट की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश के लोगों को इतना प्रभावित किया है कि कई परिवारों ने इसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। बिहार के कटिहार में, यूपी के कुशीनगर में, और भी कई शहरों में, उस दौरान जन्म लेने वाले बच्चों का नाम 'सिंदूर' रखा गया है।

तीन अक्टूबर 2014 को हुई थी शुरूआत :

इस कार्यक्रम की शुरूआत तीन अक्टूबर 2014 को हुई थी। इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है, जिसमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों द्वारा किया जाता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानिए :

भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पाहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं।

लालू यादव का...

मैं अपने सुभचिंतकों और फॉलोवर्स से अपील करता हूं कि वे सतर्क रहें और किसी भी अफ़वाह पर ध्यान न दें।

2018 में ऐश्वर्या राय से हुई थी तेज प्रताप की शादी :

तेज प्रताप यादव अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। साल 2018 में आरजेडी के तत्कालीन विधायक चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय से उनकी शादी हुई थी। हालांकि कुछ ही महीनों बाद दोनों के रिश्तों में खटास आ गई जिसके चलते दोनों अलग हो गए। फिलहाल उनका तलाक का मामला फिलहाल कोर्ट में लंबित है।

किडनी तस्करी...

तलाशी अभियान के दौरान सीबीआई ने घर से करीब 24 लाख रुपये नकद, हीरे और सोने के गहने, तथा कीमती रत्न बरामद किए। इसके अलावा जांच एजेंसी ने कंप्यूटर की हार्ड डिस्क, कई अहम दस्तावेज, और कुछ डिजिटल उपकरण भी ज़ब्त किए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, डॉ. तपन कुमार जाना का नाम एक अंतर्राष्ट्रीय किडनी ट्रैफिकिंग रैकेट से जोड़ा जा रहा है, जिसकी जांच सीबीआई लंबे समय से कर रही है। आशंका है कि इस रैकेट के जरिए देश-विदेश में जरूरतमंद मरीजों को मोटी रकम लेकर अवैध रूप से किडनी उपलब्ध कराई जाती थी।

छापेमारी के बाद इलाके में हलचल मच गई है। स्थानीय लोग डॉक्टर जाना को एक प्रतिष्ठित चिकित्सक के रूप में जानते थे, ऐसे में उनके खिलाफ इस तरह की गंभीर कार्रवाई से लोग हैरान हैं। हालांकि अभी तक सीबीआई ने कोई आधिकारिक गिरफ्तारी नहीं की है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि डॉक्टर की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं और उनसे जल्द पूछताछ की जाएगी।

फिलहाल, बरामद नकदी और कीमती वस्तुओं की सूची तैयार की जा रही है और इस पूरे मामले में सीबीआई की जांच तेज़ हो चुकी है। यह छापेमारी न केवल डॉक्टर जाना के पेशे पर सवाल उठा रही है, बल्कि पूरे चिकित्सा जगत के लिए भी एक बड़ी चेतावनी बनकर सामने आई है।

भारत की पारंपरिक...

क्या होता है आईसीएचआई :

डब्ल्यूएचओ का आईसीएचआई एक वैश्विक प्रणाली है जो यह रिकॉर्ड करती है कि मरीजों को कौन-कौन से इलाज या चिकित्सा प्रक्रिया दी जा रही हैं। अब इसमें पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों जैसे- आयुर्वेद की पंचकर्म प्रक्रिया, योग थेरेपी, यूनानी रेजीमेंस और सिद्ध चिकित्सा विधियां को भी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार दर्ज किया जाएगा।

इसके क्या लाभ होंगे :

> वैश्विक मान्यता : आयुष से जुड़ी चिकित्सा पद्धतियों को अब दुनिया भर में एक वैज्ञानिक और मानकीकृत पहचान मिलेगी।

> बीमा कवर में आसानी : आयुष के इलाज अब हेल्थ इंश्योरेंस योजनाओं में भी आसानी से शामिल किए जा सकेंगे।

> पारदर्शी बिलिंग और सही कीमत : मरीजों को इलाज का पारदर्शी बिल मिलेगा और इलाज की कीमत भी तय और उचित होगी।

> अस्पताल प्रबंधन और अनुसंधान में सहूलियत : अस्पतालों में रिकॉर्ड रखने, शोध और मेडिकल डेटा को वैज्ञानिक तरीके से दर्ज करने में मदद मिलेगी।

> अधिक पहुंच : अब आयुष पद्धतियां सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी अधिक भरोसे और स्वीकार्यता के साथ अपनाई जा सकेंगी।

यह सिर्फ कोडिंग नहीं, एक बदलाव है :

सरकार ने बयान में कहा कि यह सिर्फ चिकित्सा को दर्ज करने की तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक 'परिवर्तनकारी कदम' है। इससे भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतिया- जैसे आयुर्वेद और योग- सस्ती, भरोसेमंद और सबके लिए सुलभ बन सकेंगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

क्या इंग्लैंड में भारत को टेस्ट सीरीज जिता पाएंगे शुभमन

युवा टीम को जीत की पटरी पर लाने की मुश्किल; 5 बड़े चैलेंज

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। 25 साल के शुभमन गिल भारत के नए टेस्ट कप्तान बनाए गए। वे रोहित शर्मा की जगह लेंगे। जिनकी कप्तानी में टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली 2 सीरीज हार गई। शुभमन के सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती टीम इंडिया का विनिंग कमबैक कराना ही है।

शुभमन के सामने 5 चैलेंज

1. इंग्लैंड में 18 साल बाद सीरीज जिताना
2. टेस्ट में भारत का विनिंग कमबैक कराना
3. विदेश में खुद की बैटिंग साबित करना
4. ट्रांजिशन फेज में युवा टीम को संभालना
5. भारत को WTC फाइनल में फिर पहुंचाना

शुभमन ही क्यों बने टेस्ट कप्तान?

मई में भारतीय टेस्ट टीम के 2 सीनियर प्लेयर विराट कोहली और रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया। उनसे पहले रविचंद्रन अश्विन भी रिटायर हो गए थे। जिसके बाद टीम को नए कप्तान की जरूरत पड़ी, जो टीम का परमानेंट मेंबर भी हो और लंबे समय तक जिम्मेदारी संभाल सके।

जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल भी दावेदार थे, लेकिन बुमराह को फिटनेस के कारण कमान नहीं सौंपी गई। वहीं सिलेक्टर्स का मानना है कि राहुल को परमानेंट कप्तान नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में कमेटी ने युवा गिल को कमान सौंपी, जो लंबे समय तक टीम की बागडोर संभाल सके।

गिल के सामने 5 चैलेंज...

इंग्लैंड में 18 साल से सीरीज नहीं जीते

कप्तान के रूप में गिल के सामने पहला चैलेंज इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज है। भारत को यहां 2007 से सीरीज जीत नहीं मिली। 2011, 2014 और 2018 में टीम ने तीनों सीरीज गंवाईं। इस दौरान भारत 14 में से 2 ही टेस्ट जीत सका, टीम को 11 में हार मिली, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे।

2021 में आखिरी बार विराट की कप्तानी में भारत ने सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। इंग्लैंड फिर 2024 में भारत आई, जहां उन्हें 4-1 से हार मिली। यानी इंग्लैंड ने 7 साल से टीम इंडिया को टेस्ट सीरीज नहीं हराई है। गिल के सामने भारत को 18 साल बाद इंग्लैंड में सीरीज जिताने की चुनौती तो है ही, इंग्लैंड के खिलाफ 7 साल से अजेय टीम को अजेय रखने का चैलेंज भी है।

भारत का टेस्ट प्रदर्शन सुधारना

रोहित की कप्तानी में भारत को अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की हार मिली। टीम

फिर ऑस्ट्रेलिया में भी 1-3 से हार गई। जिससे टेस्ट रैंकिंग में भारत नंबर-4 पर फिसल गया। गिल के सामने चुनौती है कि टीम इंडिया अपना विनिंग फॉर्म वापस हासिल करे।

न्यूजीलैंड से पहले भारत को 12 साल से घर में किसी ने टेस्ट सीरीज नहीं हराई थी, वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी भारत को 10 साल बाद हार मिली। इतने खराब फॉर्म से उबारने के लिए शुभमन को नई स्ट्रैटजी के साथ टीम को जिताने पर फोकस करना होगा।

विदेशी में खुद की बैटिंग साबित करना

2020 में टेस्ट डेब्यू करने वाले शुभमन के नाम 32 टेस्ट में 35.05 की औसत से 1893 रन हैं। उनके डेब्यू के बाद से ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के कारण दुनियाभर की पिचें गेंदबाजों के लिए मददगार रहीं। इसके बावजूद गिल ने 5 सेंचुरी और 7 फिफ्टी लगा दी। हालांकि, होम कंडीशन के मुकाबले विदेश में उनका फॉर्म थोड़ा कमजोर है।

गिल ने भारत में 17 टेस्ट खेले और 42.03 के औसत से 1177 रन बनाए। उन्होंने 4 सेंचुरी और 5 फिफ्टी लगाईं। विदेश में शुभमन 15 टेस्ट में 1 सेंचुरी और 2 ही फिफ्टी लगा सकें। उनका औसत भी महज 27.53 का रहा। विदेश में गिल की इकलौती सेंचुरी भी बांग्लादेश में आई। यानी इंग्लैंड सीरीज से ही गिल को खुद की बैटिंग भी साबित करनी होगी।

ट्रांजिशन फेज में युवा टीम को संभालना

विराट, रोहित और अश्विन जैसे सीनियर प्लेयर्स ने टेस्ट से संन्यास ले लिया। मोहम्मद शमी इंजरी के कारण स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं। टीम में जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा और केएल राहुल ही सीनियर प्लेयर्स हैं। इंग्लैंड में भारत की बहुत युवा टीम खेलने वाली है, 9 प्लेयर्स की उम्र तो 21 से 28 साल के बीच ही है। ऐसे में गिल के सामने भारत का ट्रांजिशन फेज संभालने की चुनौती भी है।

टीम इंडिया के सामने 2011 से 2013 के बीच आखिरी बार ट्रांजिशन फेज का सामना करना पड़ा था। तब राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह और सचिन तेंदुलकर जैसे प्लेयर्स एक साथ टीम से चले गए थे। तब विराट, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, अश्विन और जडेजा ने टीम इंडिया को संभाला और भारत को नंबर-1 टेस्ट टीम बनाया। गिल की युवा टीम इंडिया के सामने इसी लिगेसी को आगे बढ़ाने की चुनौती है।

भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचाना

2019 में शुरू हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के शुरुआती 2 फाइनल भारत ने ही खेले। तब टीम ने विराट की कप्तानी में घर और विदेश में सीरीज जीतते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। हालांकि, टीम खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन टीम इंडिया रोहित की कप्तानी में तीसरी बार फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

इंग्लैंड सीरीज से ही डब्ल्यूटीसी का नया साइकल शुरू हो रहा है। भारत इंग्लैंड के बाद 5 और टीमों से 2027 तक टेस्ट सीरीज खेलेगा। जिनमें ज्यादातर मैच जीतने से ही टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बना पाएगी। युवा शुभमन के सामने भारत को तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचाने की चुनौती भी है।

कप्तान बनने के बाद शुभमन गिल का पहला रिएक्शन आया सामने, कही दिल जीतने वाली बात

मुंबई, 25 मई (एजेंसियां)। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को अपना कप्तान बनाया है। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान हो चुका है। जहां पर भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने गिल को टेस्ट कप्तान घोषित कर दिया। इस ऐलान के बाद अब पहली बार शुभमन गिल का रिएक्शन सामने आया है। जिसमें उन्होंने दिल जीतने वाली बात कही है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान शुभमन गिल का बनाया गया है। मैनेजमेंट को भरोसा है कि आने वाले सालों में गिल टेस्ट टीम को बहुत आगे ले जाएंगे। जिसके बारे में अजीत अगरकर ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कहा था। कप्तान बनने के बाद अब शुभमन गिल का पहली प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है।

बीसीसीआई से बात करते हुए गिल ने कहा, 'एक बच्चे से रूप में जब आप पहली बार क्रिकेट खेलते हो तो भारत के लिए खेलना आपका सपना होता है। सिर्फ भारत के लिए खेलना नहीं बल्कि टीम इंडिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना सबसे बड़ा सपना होता है। उसके बाद कप्तानी करने का मौका मिलना बहुत बड़ा सम्मान होता है। इसके साथ ही ये एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है।'

फिलहाल आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं गिल

मौजूदा समय में शुभमन गिल आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहे हैं। गिल की कप्तानी में फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में भी जगह बना ली है। अब वो बतौर कप्तान पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाने की तैयारी कर रहे हैं। आईपीएल के दौरान ही गिल टेस्ट क्रिकेट की तैयारी भी कर रहे हैं।

सीजन 18 के खत्म होने के फौरन बाद गिल इंग्लैंड रवाना हो जाएंगे। जहां पर वो इंडिया ए के लिए दूसरा टेस्ट मैच इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलेंगे। मुख्य सीरीज से पहले गिल इंग्लैंड में अभ्यास करना चाहते हैं।

चेन्नई ने गुजरात को 83 रन से हराया

अहमदाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ने धमाकेदार जीत के साथ आईपीएल 2025 से विदाई ली है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके ने टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस को चारों खाने चित कर डाला। चेन्नई के पहले बल्लेबाजों ने रंग जमाया, तो इसके बाद इस सीजन पहली बार टीम के बॉलर्स भी विपक्षी बल्लेबाजों पर हावी नजर आए। चेन्नई से मिले 231 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। गुजरात की पूरी टीम सिर्फ 147 रन बनाकर सिमट गई और सीएसके ने 83 रनों की बड़ी जीत का स्वाद चखा। इस हार के साथ ही गुजरात के लिए अब टॉप टू में फिनिश करना काफी मुश्किल

हो चला है। गुजरात के बल्लेबाजों ने कटाई नाक

231 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ 13 रन बनाकर अंशुल कंबोज का शिकार बने। इसके बाद जोस बटलर भी सिर्फ 5 रन बनाकर चलते बने। रदरफोर्ड को कंबोज ने खाता खोलने तक का मौका नहीं दिया। शाहरुख खान ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह 19 रन बनाकर चलते बने। साई सुदर्शन 28 गेंदों में 41 रन की दमदार पारी खेलकर रविंद्र जडेजा का शिकार बने। सुदर्शन के आउट होते ही गुजरात का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। राहुल तेवतिया और राशिद खान भी अंतिम ओवरों में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और पूरी टीम 147 रन बनाकर ढेर हो गई। गेंदबाजी में सीएसके की ओर से अंशुल कंबोज और नूर अहमद ने 3-3 विकेट चटकाए।

जूनियर विश्व कप निशानेबाजी में शांभवी को स्वर्ण

कुश ने मोनाको ग्रां प्री में स्प्रिंट रेस जीता

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारत की शांभवी क्षीरसागर ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता जबकि ओजस्वी ठाकुर को रजत पदक मिला। भारत अब दो स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य के साथ शीर्ष पर है।

शांभवी ने 24 शॉट के फाइनल में 253 स्कोर किया जबकि ओजस्वी उनसे 1.2 अंक पीछे रह गई। इटली की कार्लोटा सालाफिया को कांस्य पदक मिला।

पुरुष पर्ग में खेलो इंडिया युवा खेलों के चैम्पियन नारायण प्रणव को कांस्य पदक मिला जिन्होंने फाइनल में 227-9 स्कोर किया। वह अमेरिका के ब्रेडेन पीसेन (250) और चीन के हुआंग लिवांलिन (250.3) से पीछे रहे। इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में उसने 632.1 स्कोर करके 77 खिलाड़ियों के बीच पहला स्थान हासिल किया था।

कुश पहले भारतीय बने

कुश मैनी ने मोनाको ग्रां प्री में फॉर्मूला 2 स्प्रिंट रेस जीत ली और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले भारतीय बन गए। मैनी ने सत्र में पहली एफ2 रेस जीती और डैम्स लुकास आइल के साथ वह पहली बार पोडियम पर रहे। उन्होंने जीत के बाद कहा, 'मोनाको में जीत हासिल करने वाला पहला भारतीय । यह सपना सच होने जैसा है।

मैं डैम्स और मुझे सहयोग देने वाले हर एक को धन्यवाद दूंगा।' अब मैनी रविवार को फीचर रेस में उतरेंगे और अगले सप्ताह के अंत में बार्सीलोना ग्रां प्री में नजर आएंगे।'

बीरेंद्र लाकड़ा बने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच

पीआर श्रीजेश के साथ करेंगे काम

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। हॉकी टीम ने इस साल के अंत में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले लाकड़ा को यह जिम्मेदारी सौंपी है। लाकड़ा टीम के पूर्व साथी और जूनियर टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ काम करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता टीम का रहे हिस्सा

लाकड़ा ने 2010 में भारत के लिए पदार्पण किया और देश के सबसे विश्वसनीय डिफेंडरों में से एक बन कर उभरे। उन्होंने दो ओलंपिक खेलों लंदन 2012 और टोक्यो 2020 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। टोक्यो में भारत ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। वह इसके साथ ही एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं। भारतीय टीम 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए तैयार कर रही है और उम्मीद है

कि लाकड़ा टीम की रक्षापंक्ति को मजबूत करने के अलावा खेल के अन्य पहलुओं पर भी काम करेंगे।

'श्रीजेश के साथ काम करना रोमांचक चुनौती'

लाकड़ा ने कहा, ऐसे महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर पुरुष टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे पता है कि भारत की जर्सी पहनने के लिए क्या करना पड़ता है। मैं अब अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बड़े मंच के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं। श्रीजेश जैसे दिग्गज के साथ काम करना एक रोमांचक चुनौती है। वह टीम के साथी और प्रेरणास्रोत रहे हैं। हम आने वाले टूर्नामेंटों, खासकर इस साल के अंत में होने वाले सबसे महत्वपूर्ण जूनियर विश्व कप के लिए एक बेखौफ और अच्छी तरह से तैयार टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्रीजेश ने कहा, बीरेंद्र का हमारे साथ जुड़ना एक बड़ा कदम है। वह अनुभव, रणनीतिक समझ और धैर्य का खजाना लेकर आए हैं। ये गुण इन युवा खिलाड़ियों के लिए अमूल्य होगा। हमने मैदान पर एक साथ कई मैच खेले हैं। मुझे विश्वास है कि हम कोच के रूप में इस नए अध्याय में समान तालमेल और प्रतिबद्धता लाएंगे। हम एक ऐसी टीम तैयार करना चाहते हैं जो देश को गौरवान्वित कर सके।

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का 'शतक'

जिनेवा में 100वां करियर एकल खिताब जीता

जिनेवा, 25 मई (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने आखिरकार करियर का सौवां एकल खिताब जीत लिया है। उन्होंने जिनेवा ओपन फाइनल में हुबर्ट हुरकाज को 5-7, 7-6, 7-6 से हराकर खिताबों का शतक लगाया। वह ऐसा करने वाले दुनिया के मात्र तीसरे टेनिस खिलाड़ी बने। जोकोविच काफी पहले से 100वें एकल खिताब के लिए जूझ रहे थे। हालांकि, उन्हें कामयाबी नहीं मिल रही थी।

जोकोविच ने नौ महीने पहले पेरिस ओलंपिक में करियर का 99वां एकल खिताब जीता था। उसके बाद से वह शंघाई मास्टर्स और मियामी मास्टर्स में दो फाइनल हार चुके हैं। अपने 38वें जन्मदिन के दो दिन बाद सौवां खिताब जीतने के लिए उन्हें तीन घंटे मशक्कत करनी पड़ी। जोकोविच ने जीत के बाद कहा, 'मुझे यहां सौवां खिताब जीतने की खुशी है। मुझे इसके

लिए काफी मेहनत करनी पड़ी है।' 24 ग्रैंडस्लैम जीत चुके जोकोविच से अधिक एकल खिताब जिम्मी कोनर्स (109) और रोजर फेडरर (103) के नाम हैं। अब वह इन दोनों के रिकॉर्ड पर निशाना साधेंगे। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी जोकोविच के लिए इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई है। सूर्यकुमार ने 100वां टाइटल के साथ तस्वीर डाली और लिखा- इसको डबल करें। इससे पहले जोकोविच ने इस साल ओपन एरा में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान 430वां ग्रैंडस्लैम मुकाबला खेला था और वह फेडरर से आगे निकलने में सफल रहे जिन्होंने अपने करियर में 429 ग्रैंडस्लैम मुकाबले खेले। जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम एकल खिताब (24) जीतने का रिकॉर्ड है। पुरुषों में वह इस मामले में राफेल नडाल (22) और फेडरर (20) से आगे हैं। 37 वर्षीय इस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा समय तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने का रिकॉर्ड है।

समीर रिज्वी को मिले मुंह मांगे पैसे? पलटा आईपीएल 2025 का सारा खेल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। खिलाड़ी हो तो ऐसा. अकेले ही आईपीएल 2025 का गणित बिगाड़ दिया. ऐसे खेला कि प्लेऑफ का सारा समीकरण तहस-नहस हो गया. ये वो खिलाड़ी है जिसे मुंह मांगे पैसे मिले. मतलब, जितना इसने आईपीएल 2025 में खेलने के लिए मांगे, उससे 3 गुना ज्यादा उसे मिले. हम बात कर रहे हैं समीर रिज्वी की. दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के मुकाबले के बाद भी अगर प्लेऑफ में टॉप-2 का गणित नहीं सुलझा है, तो उसकी एक बड़ी वजह अपनी बोली से 3 गुना ज्यादा पैसे पाने वाले समीर रिज्वी ही हैं.

आईपीएल 2025 के लिए समीर रिज्वी ने अपनी बोली 30 लाख रुपये की रखी थी. मगर दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें उनकी मांगी रकम से 3 गुना से भी ज्यादा दिए. दिल्ली कैपिटल्स ने समीर रिज्वी को 95 लाख रुपये में खरीदा. अब जितने कि बोली रखो, उससे कहीं ज्यादा मिले तो वो रकम तो मुंह मांगी ही हुई ना. बहरहाल, समीर रिज्वी ने अब उस पैसे की कीमत भी अदा की.

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 के अपने आखिरी ग्रुप मैच में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया, जिसमें समीर रिज्वी प्लेयर ऑफ द मैच बने. समीर रिज्वी ने 5वें नंबर पर

उतरकर 232 की स्ट्राइक रेट से 25 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इस धुआंधार इनिंग की बदौलत समीर रिज्वी ने आईपीएल 2025 में दिल्ली के सफर का शानदार अंत तो किया. साथ ही पंजाब को हराते हुए आईपीएल 2025 के प्लेऑफ का सारा गणित भी बिगाड़ दिया.

95 लाख रुपये में बिकने वाले समीर रिज्वी ने आईपीएल 2025 का पूरा का पूरा समीकरण कैसे बदल दिया, आइए अब जरा वो जानते हैं. पंजाब किंग्स के पास दिल्ली को हराकर टॉप टू में अपनी जगह को सॉलिड करने का शानदार मौका था. मगर समीर रिज्वी की विस्फोटक पारी के चलते ऐसा नहीं हो सका. अब इससे हुआ ये है कि जहां गुजरात और पंजाब टॉप टू में आते दिख रहे थे, वहां अब आरसीबी और मुंबई इंडियंस के लिए मौके बनते दिख रहे हैं.

जोश हेजलवुड आईपीएल प्लेऑफ से पहले आरसीबी से जुड़े

लखनऊ के खिलाफ खेल सकते हैं, सीएसके के खिलाफ मैच से पहले चोटिल हुए थे

बेंगलुरु, 25 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन में प्लेऑफ मुकाबलों की शुरुआत 29 मई से होगी, जिसको लेकर अभी ये फैसला होना कि किन 2 टीमों के बीच पहला क्वालीफायर मुकाबला खेला जाएगा और किसके बीच एलिमिनेटर मैच। आरसीबी की टीम के लिए प्लेऑफ मुकाबलों से पहले एक गुड न्यूज आ गई है जिसमें उन्होंने इस सीजन के एक हफ्ते सस्पेंड होने का फायदा भी मिला है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम से आईपीएल के मौजूदा सीजन में खेल रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड कंधे में लगी चोट के बाद वापस अपने देश लौट गए थे, जिसके बाद उनके वापस आने की उम्मीद काफी कम लग रही थी, लेकिन अब वह पूरी तरह से फिट होकर प्लेऑफ से पहले स्क्वाड के साथ जुड़ गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स

बेंगलुरु की टीम को अभी लीग स्टेज में अपना आखिरी मुकाबला खेलना है जिसमें उनका सामना 27 मई को लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम के साथ होगा। दोनों टीमों के बीच ये मैच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इसी बीच आरसीबी ने 25 मई की देर रात अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए जोश हेजलवुड के स्क्वाड के साथ फिर से जुड़ने की जानकारी दी। वहीं हेजलवुड ने भी किट बैग की फोटो को पोस्ट किया, जिसके बाद अब ऐसी उम्मीद की जा सकती है कि हेजलवुड टीम के आखिरी लीग मुकाबले में भी खेल सकते हैं ताकि उन्हें प्लेऑफ से पहले अपनी फिटनेस को परखने का भी मौका मिल सके। प्लेऑफ के लिए टॉप-2 की पोजीशन पर यदि आरसीबी को खत्म करना है तो उनके लिए लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला काफी अहम है जिसमें अभी उनके 13 मैचों में जहां 17 अंक हैं तो वहीं लखनऊ के खिलाफ जीत हासिल करने से उनके 19 अंक हो जाएंगे। हालांकि इसके लिए आरसीबी को गुजरात, मुंबई और पंजाब किंग्स के मैचों के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

राज्यपाल ने सरस्वती पुष्करलु में भाग लिया

कालेश्वरम, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अपनी पत्नी के साथ रविवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले में स्थित कालेश्वरम में त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाकर चल रहे सरस्वती पुष्करलु में भाग लिया। सरस्वती पुष्कर घाट पर अनुष्ठान स्नान के बाद राज्यपाल और उनकी पत्नी ने प्रतिष्ठित कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की।

उन्होंने देवी सरस्वती की एक पत्थर की मूर्ति के भी दर्शन किए। राज्यपाल और उनकी पत्नी हैदराबाद से हेलीकॉप्टर के जरिए सुबह 11:02 बजे कालेश्वरम पहुंचे, जहां आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, जिला कलेक्टर राहुल शर्मा और एसपी किरण खरे ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। पुजारियों ने दंपत्ति को आशीर्वाद दिया और उन्हें सफेद वस्त्र, लड्डू प्रसादम, पोंगली और देवी की स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राज्यपाल के दौरे के दौरान मंत्री श्रीधर बाबू ने हर शाम होने वाले सरस्वती नवरात्रि माला हरथी कार्यक्रम का अवलोकन कराया।

राज्यपाल ने पुष्करालु की तैयारियों का आकलन किया और अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए उपायों की सराहना की कि श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई न हो। जिष्णु देव वर्मा ने लोगों को पवित्र अनुष्ठान स्नान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कविता राजनीतिक आत्महत्या कर रही हैं : जग्गा रेड्डी

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के भीतर पारिवारिक विवादों पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता जग्गा रेड्डी ने कहा कि एमएलसी कविता राजनीतिक आत्म-विनाश में लगी हुई हैं। वह व्यथित लग रही थीं और उन्होंने जल्दबाजी में अपना पत्र जारी कर दिया। कविता का पत्र अनजाने में तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सशक्त बना सकता है। अंत में, पार्टी के भीतर दरारों के बारे में उनकी स्पष्ट स्वीकारोक्ति से भाजपा को लाभ होगा। रविवार को जारी एक बयान में, उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी वर्तमान में तेलंगाना की राजनीति में अग्रणी है, उसके बाद बीआरएस दूसरे और भाजपा तीसरे स्थान पर है। फिर भी, उन्होंने चेतावनी दी कि बीआरएस के भीतर आंतरिक संघर्ष पार्टी के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक झटके का कारण बन सकते हैं। जग्गा रेड्डी ने निष्कर्ष निकाला, लोग इसे स्वीकार करें या नहीं, के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के बिना बीआरएस नहीं है। केटीआर, हरीश राव और कविता अपने दम पर पार्टी का प्रभावी नेतृत्व नहीं कर सकते।

हरीश राव ने कांग्रेस, भाजपा की आलोचना की

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दोनों पर तीखा हमला किया और उन पर संयुक्त रूप से तेलंगाना के सिंचाई हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने विवादास्पद बनकाचरला परियोजना के माध्यम से गोदावरी नदी के 200 टीएमसी पानी को आंध्र प्रदेश में मोड़ने की सुनियोजित साजिश के रूप में वर्णित पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

रविवार को यहां तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने याद दिलाया कि पानी ऐतिहासिक रूप से सभ्यताओं की जीवन रेखा रहा है और अक्सर बड़े संघर्षों का कारण बनता है। उन्होंने मीडिया को याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य का आंदोलन भी न्यायसंगत जल बंटवारे की मांग से ही पैदा हुआ था। हरीश राव ने कहा कि कड़ी मेहनत से अर्जित यह अधिकार एक बार फिर खतरे में है- इस बार, तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस की निष्क्रियता और उदासीनता के कारण। उन्होंने आरोप

लगाया कि आंध्र प्रदेश बिना किसी अनिवार्य मंजूरी के बनकाचार्ला परियोजना को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है- न तो सर्वोच्च परिषद से, न ही केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) से, न ही पर्यावरण निकायों से। इसके अलावा, तेलंगाना या अन्य तटवर्ती राज्यों से कोई सहमति नहीं ली गई है, जो आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम का उल्लंघन है। यह स्थापित मानदंडों को ध्वस्त करने से कम नहीं है, हरीश राव ने कहा, उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां अपनी चुप्पी और समर्थन से इसमें मिलीभगत करती दिखती हैं।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के नेताओं के पाखंड को उजागर किया, उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पर्यावरण और कानूनी चिंताओं का हवाला देते हुए तेलंगाना की अपनी परियोजनाओं, जिनमें कालेश्वरम, पलामुरु-रंगारेड्डी और भक्त रामदासु शामिल हैं, को रोकने के लिए कई पत्र लिखे थे। नायडू ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण का रुख किया और केंद्र के समक्ष आपत्ति जताई। फिर भी, आज, वही नेता बिना किसी जांच के एक बिल्कुल नई गोदावरी परियोजना को क्रियान्वित कर रहे हैं। हरीश राव ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की और उस पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने बताया कि पोलावरम को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया गया और उसे 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का केंद्रीय वित्त पोषण मिला, जबकि तेलंगाना की कालेश्वरम और सीताराम जैसी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को ऐसी मान्यता नहीं दी गई। अब, केंद्र कथित तौर पर अनुदान के माध्यम से बनकाचारला के 50 प्रतिशत को वित्तपोषित करने की पेशकश कर रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश को एफआरबीएम-सीमा छूट के माध्यम से शेष राशि जुटाने की अनुमति दे रहा है, जो विशेषाधिकार तेलंगाना को कभी नहीं दिया गया।

पुलिस गश्ती वाहन को लॉरी ने टक्कर मारी कांस्टेबल की मौत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार आधी रात को रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद में एक पुलिस गश्ती वाहन को तेज रफ्तार लॉरी ने टक्कर मार दी, जिससे एक कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना शापुर हाईवे पर एसवीआर फंक्शन हॉल के पास हुई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब कांस्टेबलों की एक टीम हाईवे पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार लॉरी ने पुलिस गश्ती वैन को टक्कर मार दी, जिससे कांस्टेबल विजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य कांस्टेबलों ने घायल साथियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने बताया कि उनमें से एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने लॉरी चालक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। मृतक कांस्टेबल विजय कुमार शमशाबाद थाने में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थे।

सड़क दुर्घटना में 47 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात हयातनगर में सड़क दुर्घटना में 47 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। चंपापेट निवासी ए. महेश किसी काम से पेद्दा अम्बरपेट जा रहे थे। जब वे पेद्दा अम्बरपेट रोड पर एक निजी जूनियर कॉलेज के पास पहुंचे, तो एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। महेश सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने बताया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और महेश को टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस आस-पास लगे क्लोज-सर्किट कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पेद्दापल्ली में कांग्रेस के लिए सब कुछ ठीक नहीं

नेताओं में मतभेद, पार्टी के लिए चिंता का विषय

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र में विभाजन स्पष्ट है। स्थानीय निकाय चुनावों के नज़दीक आने के साथ ही नेताओं, खासकर विधायकों और सांसद गड्डाम वामसी कृष्णा के बीच मतभेद पार्टी को चिंतित कर रहे हैं। पेद्दापल्ली एक एससी आरक्षित संसदीय क्षेत्र है। चेन्नूर (एससी), बेल्लमपल्ली (एससी), मंचेरियल, धर्मपुरी (एससी) रामागुंडम, मंथनी और पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र का हिस्सा हैं। कांग्रेस ने सभी सात विधानसभा क्षेत्रों और संसदीय क्षेत्र में जीत हासिल की है, लेकिन विधायकों और सांसदों के बीच मतभेद राज्य नेतृत्व के लिए चिंता का विषय बन गए हैं। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डाम वामसी कृष्णा के समर्थकों की शिकायत है कि पार्टी में गड्डाम परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। यह बात सरस्वती पुष्करालु के दौरान सांसद के लिए प्रोटोकॉल के अभाव पर उनके समर्थकों के गुस्से से स्पष्ट हो गई।

औपचारिक उद्घाटन समारोह के दौरान, जिसमें मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भाग लिया था, सांसद के समर्थकों ने कार्यक्रम स्थल पर तख्तियां लेकर नारे लगाए। उन्होंने आधिकारिक निमंत्रण और भक्तों के स्वागत के लिए लगाए गए

बैनरों से सांसद का नाम और फोटो गायब होने पर आपत्ति जताई। सांसद के समर्थकों ने इस संबंध में एससी आयोग में शिकायत दर्ज कराने की भी धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, जो मंथनी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, गड्डाम परिवार के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के बावजूद, जानबूझकर सांसद और उनके पिता गड्डाम विवेक वेंकट स्वामी को पार्टी के मामलों में दरकिनार कर रहे हैं।

इसके अलावा, मंचेरियल विधायक प्रेम सागर राव और वेंकट स्वामी भी कैबिनेट में जगह पाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वेंकट स्वामी को मुख्यमंत्री का समर्थन प्राप्त है और प्रेम सागर राव के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। मंचेरियल विधायक ने हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को प्राथमिकता दिए जाने के खिलाफ एआईसीसी नेताओं और राज्य के नेताओं के साथ खुले तौर पर अपने विचार साझा किए थे। हालांकि, विवेक वेंकट स्वामी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पार्टी नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें कैबिनेट में जगह देने का आश्वासन दिया था। इस संदर्भ में विवेक के समर्थकों की शिकायत है कि संसदीय क्षेत्र पर नियंत्रण खोने के डर से उद्योग मंत्री कैबिनेट में उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए उत्सुक नहीं थे।

इस बीच, इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) ने राज्य नेतृत्व से गड्डाम परिवार के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की और उस पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया। इंटक नेताओं ने शिकायत की कि गड्डाम परिवार राजनीतिक वर्चस्व के लिए नेताओं के बीच मतभेद पैदा कर रहा है। विधायकों के बीच इस अंदरूनी कलह के बीच, राज्य नेतृत्व आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की संभावनाओं को लेकर चिंतित था।

अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति पर किया हमला

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के भवानीनगर में शनिवार रात अज्ञात लोगों ने एक उपद्रवी पर चाकुओं से हमला कर दिया। तल्लाबकट्टा निवासी मोहम्मद सबर (30) एक होटल के पास खड़ा था, तभी कुछ अज्ञात लोगों ने उससे झगड़ा किया और धारदार हथियारों से उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है।

दुकानों में घुसी तेज रफ्तार बस, एक की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार दोपहर बंडलागुडा में एक निजी बस के सड़क किनारे की दुकानों में घुस जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोहम्मद हसन (45), रियासतनगर निवासी अपने कर्मचारी पाशा के साथ अपनी दुकान पर थे, जब एक तेज रफ्तार बस बंदलागुड़ा रोड पर स्थित उनकी दुकान में जा घुसी। हसन बस की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पाशा मौके से भागने में सफल रहा। बताया जा रहा है कि बस का ड्राइवर नशे में था। बंडलागुडा पुलिस ने बताया कि ऐसा लगता है कि बस की गति बहुत तेज थी और मोड़ पर ड्राइवर बस पर नियंत्रण नहीं रख पाया और बस दुकान में जा घुसी। मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

तेलंगाना ईसीईटी नतीजों में लड़कियों ने लड़कों को पछाड़ा

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईसीईटी) 2025 के रविवार को घोषित परिणामों में छात्रों द्वारा कुल 93.87 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की गई। कुल 19,672 छात्रों ने पंजीकरण कराया, 18,928 उपस्थित हुए और 17,768 उत्तीर्ण हुए। 7,093 लड़कियों ने 95.81 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि 11,835 लड़कों ने 92.71 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर वी बालकिस्ट रेड्डी और उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति और टीजी ईसीईटी के अध्यक्ष प्रोफेसर एम कुमार द्वारा घोषित परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग स्ट्रीम में शीर्ष स्थान पाने वालों में मेडचल (बीएससी गणित) के बी संतोष कुमार, आंध्र प्रदेश के लेंका तेजससाई (केमिकल इंजीनियरिंग), गोलकोंडा के जयशंकर भूपालपल्ली के निखिल कौशिक (सिविल इंजीनियरिंग), नारायणपेट (सीएसई) के के श्रीकांत और सिद्दीपेट (ईसीई) के कटले रेवती शामिल हैं।

हनुमाकोंडा (ईईई) के कसुला श्रीनिवास, जगतियाल (ईआईई) के रापरथी चंदना, पेद्दापल्ली (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के पोथुगंती कार्तिक, आंध्र प्रदेश के थोटा सुब्रमण्यम (मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग), पेद्दापल्ली के कुर्मा अक्षय (खनन इंजीनियरिंग), और हनुमाकोंडा (फार्मेसी) के ऐली चंदना ने अपनी-अपनी स्ट्रीम में शीर्ष रैंक हासिल की। प्रेस से बात करते हुए, प्रोफ़ेसर रेड्डी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के छात्रों को शीर्ष रैंक हासिल करने के बावजूद तेलंगाना के कॉलेजों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। टीजी ईसीईटी 2025 प्रवेश काउंसलिंग 15 जून से शुरू होने की उम्मीद है।

तेलंगाना में समय से पहले मानसून का स्वागत

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून तेलंगाना के दरवाज़े पर दस्तक दे रहा है, यह 1 जून को अपने सामान्य आगमन से पूरे आठ दिन पहले 24 मई को केरल पहुंच गया है। समय से पहले आगमन के कारण, आईएमडी-नई दिल्ली ने रविवार दोपहर को कहा कि मॉनसून पहले ही कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में पहुंच चुका है। वहीं, आईएमडी-हैदराबाद ने रविवार दोपहर को तेलंगाना के कई जिलों में अगले पांच दिनों यानी 30 मई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की।

इसमें पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, पूरे गोवा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, पश्चिम-मध्य और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और मिजोरम के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने का भी उल्लेख किया गया है। अगले तीन दिनों में मध्य अरब सागर के कुछ भागों, महाराष्ट्र के कुछ भागों (मुंबई सहित), कर्नाटक (बेंगलुरू सहित), आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

आईएमडी-हैदराबाद की प्रमुख डॉ.के नागरत्ना कहती हैं कि केरल में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगमन के साथ ही तेलंगाना में मौसम तेजी से बदल रहा है। गर्मियों के दौरान हाल तक जो तूफान काफी तीव्र थे, उनमें कमी आएगी। आईएमडी-हैदराबाद का सामान्य पूर्वानुमान है कि राज्य के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी तथा अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 5 और 7 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है।

हैदराबाद के स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता टी बालाजी ने प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 48 घंटों के भीतर तेलंगाना में प्रवेश कर जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम 21 मई से ही बहुत बारिश देख रहे हैं। उन्होंने लिखा कि एक मजबूत निम्न दबाव बन रहा है, जो 26 मई से 29 मई के बीच हैदराबाद सहित तेलंगाना में एक बार फिर बहुत तीव्र बारिश का कारण बनेगा। एक बहुत मजबूत मानसून की शुरूआत हमारा इंतजार कर रही है।

मौसम की खराबी के कारण हैदराबाद में आरजीआईए के लिए घरेलू उड़ानों में देरी

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। घरेलू उड़ानों के आगमन में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर रविवार सुबह परिचालन में मामूली देरी हुई जबकि अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें समय पर उतरीं, घरेलू हवाई यातायात प्रभावित हुआ, संभवतः नई दिल्ली में आंधी के कारण जिसने इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिचालन को बाधित किया। हैदराबाद पहुंचने वाली कई घरेलू उड़ानें करीब 30 मिनट देरी से चल रही हैं। देरी का कारण दिल्ली में मौसम की खराब स्थिति के कारण आपस में जुड़े फ्लाइट सर्किट में व्यवधान बताया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में रात भर भारी बारिश के साथ आंधी चली, जिससे बड़े पैमाने पर जलभराव हो गया, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। भारतीय मौसम विभाग ने रात 11:30 बजे से सुबह 5:30 बजे के बीच 82 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और 81.2 मिमी बारिश होने की सूचना दी। मोती बाग, मिंटो रोड, दिल्ली छावनी और दीन दयाल उपाध्याय मार्ग सहित कई क्षेत्रों में आंशिक जलमग्नता और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिससे शहर का हवाई और सड़क संपर्क प्रभावित हुआ।

खरीफ की तैयारियों के बीच तेलंगाना के किसानों को यूरिया की कमी का डर

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के किसान खरीफ की बुआई के मौसम की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन यूरिया की कमी की चिंता उनके सामने है, जिससे उनकी कृषि योजनाओं में बाधा उत्पन्न होने का खतरा है। धान, कपास, मिर्च और बागवानी फसलों के उत्पादन के लिए एक प्रमुख कृषि केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती प्रमुखता के बावजूद, किसान अक्सर समय-समय पर होने वाली कमी के कारण अपर्याप्त उर्वरक आपूर्ति से जूझ रहे हैं।

यूरिया जो पैदावार बढ़ाने और अनाज की गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आम तौर पर, किसान उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए विशिष्ट विकास चरणों में प्रति एकड़ धान में लगभग 100 किलोग्राम यूरिया डालते हैं। कमी की आशंका, विशेष रूप से बुवाई के चरम मौसम के दौरान, किसानों के बीच अनिश्चितता को बढ़ा रही है।

तेलंगाना में 2025 के लिए खरीफ की बुआई का रकबा 1.52 करोड़ एकड़ होने का अनुमान है, जिसमें धान की खेती 66 लाख एकड़ में होने की उम्मीद है, जो कुल खरीफ रकबे का एक तिहाई से भी ज़्यादा है। धान के उत्पादन में वृद्धि मुख्य रूप से अनुकूल मानसून की उम्मीद से प्रेरित है, हालांकि पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बनी हुई है। किसान तेजी से सुपरफाइन धान की किस्मों को चुन रहे हैं, जिनकी मोटे अनाज की तुलना में बाजार में कीमतें ज़्यादा हैं।

उर्वरक आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताएं :

जल्दी बारिश होने और बुवाई का काम उम्मीद से पहले शुरू होने की संभावना के साथ, राज्य भर के किसान यूरिया की आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उत्तरी जिलों के कई किसान कमी के डर से पड़ोसी राज्यों में दोस्तों और रिश्तेदारों से उर्वरक खरीद रहे हैं। रामागुंडम जैसे घरेलू यूरिया उत्पादन केंद्रों की मौजूदगी के बावजूद, स्थानीय किसान भी चिंतित हैं।

रिपोर्ट बताती हैं कि तेलंगाना को केंद्र सरकार से निर्धारित यूरिया आवंटन नहीं मिल रहा है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बढ़ते संकट के जवाब में, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि अप्रैल और मई के लिए राज्य को आवंटित उर्वरकों का पूरा कोटा महीने के अंत तक किसानों तक पहुंच जाए।

राज्य सरकार के अनुसार, तेलंगाना के खरीफ सीजन के लिए 9.8 लाख टन यूरिया आवंटित किया गया है। हालांकि, अब तक अप्रैल के लिए केवल 1.2 लाख टन की आपूर्ति की गई है, जबकि मई के लिए आवंटन केवल 0.52 लाख टन है, जो अप्रैल के लिए वादा किए गए 1.7 लाख टन और मई के लिए 1.6 लाख टन से काफी कम है।

संकट को कम करने के लिए, राज्य सरकार ने किसानों को आश्वासन दिया है कि अधिकतम बुवाई के दौरान सुचारू वितरण के लिए 1 जून तक कम से कम 4 लाख टन यूरिया सभी जिलों में भेज दिया जाएगा।

युवाओं के समूह ने 4 वर्षों में बचाई 300 लोगों की जान

गोदावरी नदी में आत्महत्या करने की कोशिश करते हैं लोग

निर्मल, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के यमचा गांव के युवाओं का यह समूह अपने गांव के पास गोदावरी नदी और खासकर नदी पर बने पुल पर लगभग हर दिन नजर रखता है। उनकी सहजता और बहादुरी भरे कामों ने पिछले चार सालों में गोदावरी नदी में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश करने वाले करीब 300 लोगों की जान बचाई है। नवीपेट मंडल के इस गांव के निजी कर्मचारियों, किसानों, व्यापारियों, बेरोजगारों और खेत मजदूरों से मिलकर बना यह समूह वित्तीय संकट, पारिवारिक विवादों और व्यक्तिगत समस्याओं सहित विभिन्न कारणों से होने वाली आत्महत्याओं को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

वे लगातार नदी के किनारों पर नज़र रखकर परेशान और उदास लोगों द्वारा आत्महत्या के प्रयासों का तेज़ी से जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कई लोगों को पुल के ऊपर से नदी में कूदकर आत्महत्या करने से रोका है। समूह के युवाओं में से एक विनोद कुमार कहते हैं कि हमारा उद्देश्य यहां पर किसी को भी आत्महत्या करने से रोकना है। निजामाबाद और निर्मल जिलों के बीच सीमा बनाने वाली नदी के तट पर स्थित इस गांव में 2020 में युवाओं ने एक समूह बनाया।

विनोद ने पिछले पांच सालों में 40 लोगों की जान बचाई है, जबकि इस अनोखे समूह के एक अन्य सदस्य महिपाल ने 20 लोगों को बचाया है। युवा रामकृष्ण और देवेंद्र ने 15-15 लोगों को आत्महत्या करने से रोका। संतोष, रविंदर और साई ने 2021 से 2025 के बीच कम से कम 10 लोगों को आत्महत्या करने से रोका। युवाओं ने बताया कि वे पुल और लोगों की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रखते हैं। वे कभी-कभी परेशान लोगों को सलाह देते हैं और उन्हें स्थानीय पुलिस को सौंप देते हैं। हाल के उदाहरणों में, समूह ने महाराष्ट्र की एक लड़की, दो बच्चों की माँ और एक विवाहित महिला की जान बचाई।

नीति आयोग की बैठक में शामिल होने पर केटीआर ने सीएम पर किया कटाक्ष

हैदराबाद, 25 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में भाग लेने के लिए तीखा कटाक्ष किया, जबकि वे पिछले सत्र में शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट ने उन पर कोई असर डाला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पूछा कि कुछ महीने पहले ही उन्होंने बैठक का बहिष्कार किया था। अब, वह न केवल इसमें शामिल हुए हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत भी करते देखे गए हैं। क्या बदल गया? उन्होंने संकेत दिया कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के आरोपपत्र में रेवंत रेड्डी का नाम आने से रुख में अचानक बदलाव आया होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.